# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com | बिलासपुर, बुधवार 30 अप्रैल 2025


## घेराबंदी से बौखलाए नक्सली

### पार्टी के नेतृत्व की भी हत्या करने की हो रही कोशिश

केन्द्रीय कमेटी की ओर से जारी पर्चे में कहा गया है कि केंद्र व राज्य सरकारें मिलकर झारखंड राज्य में बोकारो हत्याकांड में हमारे केंद्रीय कमेटी के सदस्य कामरेड विवेक आदि कामरेडो की हत्या को अंजाम दिया और चेतावनी दे रहे हैं कि बाकी माओवादी आत्मसमर्पण करें नहीं तो उनका भी हश्र यही होगा। भारत देश के संविधान में लोगों को जीने का अधिकार जो दिया गया है जिसे स्वयं उनके द्वारा ही कुचला जा रहा है। सरकार कहती है कि बंदूक का समाधान बंदूक से ही होगा। छत्तीसगढ़-तेलंगाना की सीमा इलाके में करेंगुट्टा इलाके का नाकेबंदी कर तेलंगाना, छत्तीगढ़ व महाराष्ट्र से 10 हजार पुलिस, अर्धसैनिक व कमांडो बलों की तैनाती कर एक बड़ा ऑपरेशन चलाया जा रहा हैए जिसमें न सिर्फ हमारे 3 कामरेडों की हत्या की, बल्कि पार्टी के नेतृत्व की भी हत्या करने की कोशिश की जा रही है।

# शांति के लिए एक और पत्र, सात राज्यों में युद्ध विराम के साथ बातचीत की पेशकश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बीजापुर

हरिभूमि लगातार

बीजापुर- तेलंगाना की सीमा पर स्थित करेंगुट्टा की पहाड़ी में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सबसे बड़े एंटी नक्सल ऑपरेशन के बीच नक्सलियों की केन्द्रीय कमेटी प्रवक्ता ने तीसरा पत्र जारी कर सरकार से शांतिवार्ता की पेशकश की है। प्रवक्ता अभय ने पर्चे के माध्यम से अपील की है कि युद्ध विराम की घोषणा कर केन्द्र व राज्य सरकार वार्ता करते हुए छग समेत सात नक्सल प्रभावित राज्यों में समय सीमा के साथ युद्ध विराम की घोषणा करें। जारी पत्र में लिखा है कि जनवरी 2024 से केंद्र और राज्य के पुलिस, अर्धसैनिक, कमांडो बलों ने ऑपरेशन कगार के नाम से सैकड़ों माओवादियों एवं निर्दोष आदिवासियों की हत्याएं की है। यह अभी भी जारी है। इन हत्याओं का भर्त्सना करते हुए देश-दुनिया में कई जनवादी, क्रांतिकारी जन संगठनों, पार्टियों, सामाजिक संस्थाओं एवं कार्यकताओं, प्रगतिशील, जनवादी एवं ▶▶| शेष पेज 8 पर

### नक्सलियों की केन्द्रीय कमेटी प्रवक्ता अभय ने की अपील युद्ध विराम की घोषणा कर बातचीत करे सरकार

### केन्द्रीय कमेटी व दंडकारण्य उत्तर-पश्चिम सब जोनल ब्यूरो की ओर से पत्र

*प्रवक्ता ने कहा कि शांति वार्ता को लेकर मैंने केंद्रीय कमेटी की ओर से इससे पूर्व 28 मार्च को एक बयान जारी किया था। जिसमें हमने सरकार के साथ शांति वार्ता करने के लिए तैयार है तथा शांतिवार्ता के लिए अभी तक मेरी तरफ से जारी यह दूसरा पत्र है। इससे पूर्व दंडकारण्य के उत्तर-पश्चिम सबजोनल ब्यूरो की तरफ से कामरेड रूपेश द्वारा दो प्रेस विज्ञप्ति जारी किया गया था। जारी पर्चे में कहा है कि संविधान के अधिकार को कुचला जा रहा, जबकि हमारी ओर से पीएलजीए बलों की सशस्त्र कार्रवाइयों को रोकने हमारे कामरेड आदेश जारी कर चुके हैं।*

### INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

कोलकाता 204/9 VS दिल्ली 190/9

14 रनों से जीता कोलकाता

सुनील नरेन, 3 विकेट, 27 रन, मैन ऑफ द मैच

**आज के मैच**

चेन्नई VS पंजाब

समय : शाम 7.30 बजे

**पीएसी ने बैंकिंग क्षेत्र में सुधारों पर किया विचार**- नई दिल्ली। संसद की लोक लेखा समिति ने बैंकिंग क्षेत्रों में सुधार को लेकर बैठक की। इसमें विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों से सदस्यों ने बैंकिंग प्रणाली की नीतियों में 'खामियों' समेत कई मुद्दों पर सवाल-जवाब किए। पीएसी की रिपोर्ट संसद के मानसून सत्र में सदन के पटल पर रखी जा सकती है।

### हाईलेवल मीटिंग में प्रधानमंत्री ने तीनों सेनाओं को दी खुली छूट

# आतंकवाद को मिलेगा करारा जवाब सेना तय करेगी टारगेट और टाइमिंग

पहलगाम हमले पर जवाबी कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना को खुली छूट दी है। हाई लेवल मीटिंग करने के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना की क्षमता पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि सेना समय और टारगेट तय करेगी। आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि सशस्त्र बलों को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ भारत की जवाबी कार्रवाई का तरीका, लक्ष्य और समय निर्धारित करने की पूरी अभियानगत छूट है। मोदी ने यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों सहित शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता के दौरान यह टिप्पणी की। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, बैठक में मोदी ने कहा, 'आतंकवाद ▶▶| शेष पेज 8 पर

### आतंकवाद पर करारा प्रहार हमारा संकल्प

बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद पर करारा प्रहार करना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। उन्होंने देश के सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा जताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों को कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय तय करने की पूरी छूट दी गई है।

### हमले का मास्टरमाइंड आतंकी हाशिम मूसा

*जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। सुरक्षा एजेंसियों ने हमले के मास्टरमाइंड की पहचान कर ली है। यह आतंकी कोई और नहीं बल्कि पाकिस्तान में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा और द रेजिस्टेंस फ्रंट से जुड़ा कुख्यात आतंकवादी हाशिम मूसा है। हाशिम मूसा उन चार आतंकवादियों में भी शामिल जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया था।*

### इधर, कश्मीर के 48 पर्यटन स्थल बंद

*जम्मू-कश्मीर सरकार ने कश्मीर घाटी के 87 में से 48 पर्यटन स्थलों को अस्थायी रूप से बंद करने का फैसला लिया है। यह कदम सुरक्षा बलों की कार्रवाई को आसान बनाने और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। सरकार ने जिन 48 जगहों को बंद किया है, उन्हें या तो एक्टिव ऑपरेशन जोन माना गया है या फिर वे संभावित खतरे वाले इलाकों में आते हैं। ये अस्थाई रूप से फिलहाल के लिए बंद है और हालात के अनुसार समय-समय पर इसकी समीक्षा की जाएगी।*

#### पुलिस कर रही जांच

## तीसरी मंजिल में लिफ्ट से गिरकर युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

सुपेला थाना अंतर्गत चंद्रा-मौर्या टाकीज के पास स्थित चौहान स्टेट में लगी लिफ्ट से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक ग्राम डुंडेरा निवासी राजा बंदे बताया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में पुलिस की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार की सुबह करीब 5 बजे की घटना है। युवक के सिर समेत अन्य हिस्सों में चोट आई थी। सूचना पर एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची। मशक्कत के बाद युवक को बाहर निकाला गया। तुरंत उसे उपचार ▶▶| शेष पेज 8 पर

### फुटेज खंगाले जा रहे

घटना के बाद सीसी कैमरे के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। लिफ्ट में चौथी मंजिल पर संचालित होटल एंड रेस्टोरेंट जुमांजी के लिए जाती है, लेकिन लिफ्ट ग्राउंड फ्लोर में होने के बाद भी दरवाजा खुला था। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### मंत्रिमंडलीय उप समिति ने तय की दर, बेस रेट या अधिक दर आने पर सौदा किया जाएगा

# किसानों से धान खरीदा 3100 में नीलामी का बेस रेट 1900 से 2100

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ सरकार ने 35 लाख मीट्रिक टन धान की खुली नीलामी करने न्यूनतम मूल्य (बेस रेट) तय कर दिया है। राज्य सरकार ने ग्रेड ए धान नए बारदाने में 2100 रुपए और ग्रेड ए धान पुराने बारदाने में 2050 रुपए में या अधिक बोली लगाने वालों को बेचेगी। वहीं सामान्य धान नए बारदाने में 1950 और सामान्य धान पुराने बारदाने में 1900 रुपए या इससे अधिक के बेस रेट पर बेचेगी। अगर नीलामी में इससे कम रेट आता है, तो रीटेंडर कर धान को बेचा जाएगा। नीलामी में सबसे अधिक बोली लगाने वाले से सौदा किया जाएगा। यानी खरीदार खुद धान की कीमत तय करेंगे। उल्लेखनीय है कि 17 से 23 ▶▶| शेष पेज 8 पर

### होगा करोड़ों का नुकसान

राज्य सरकार ने जो बेस रेट तय किया है, उसे देखा जाए तो धान की खरीद, परिवहन और भंडारण की लागत जोड़ने पर प्रति क्विंटल धान पर 2800 तक खर्च आता है। राज्य सरकार ने 1900 से 2100 को बेस रेट तय किया है, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए का नुकसान उठाना होगा। वहीं, खुले बाजार में चावल की कीमत इन दिनों 2000 प्रति क्विंटल है। व्यापारियों का कहना है कि कस्टम मिलिंग किए बिना भी उन्हें सस्ता चावल मिल रहा है, जिससे बोली कम आने की आशंका है।

### 35 लाख टन धान की नीलामी

वर्ष 2024-25 में छत्तीसगढ़ सरकार ने 25.49 लाख किसानों से 149 लाख टन धान की खरीदी की 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की थी। इसमें से 123 लाख टन धान को एफसीआई और नागरिक आपूर्ति निगम के जरिए कस्टम मिलिंग के लिए भेजा जा चुका है। शेष 35 लाख टन धान अब भी संग्रहण केंद्रों में रखा है। मार्कफेड ने जानकारी दी है कि यह नीलामी "जैसे हैं, वैसे की स्थिति" में की ▶▶| शेष पेज 8पर

#### पैरेंट्स को मिली पावर

## अब नहीं चलेगी प्राइवेट स्कूलों की कोई मनमानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय राजधानी के निजी और सरकारी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के प्रावधान वाले एक विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इस फैसले से हर साल मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने का मुद्दा उठाने वाले अभिभावकों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार के निर्देशों का पालन न करने पर स्कूलों ▶▶| शेष पेज 8 पर

### फीस के लिए समिति

शिक्षा मंत्री के अनुसार, पहले स्तर पर प्रत्येक स्कूल एक स्कूल स्तरीय फीस विनियमन समिति का गठन करेगा। इस समिति में स्कूल प्रबंधन के अध्यक्ष, सदस्य सचिव के रूप में प्रिंसिपल, तीन शिक्षक व पांच अभिभावक शामिल होंगे, जिनमें एससी/एसटी समुदाय के सदस्य और कम से कम दो महिलाएं शामिल होंगी।

### तीन साल में एक बाद बढ़ेगी फीस

शिक्षा मंत्री सूद ने कहा कि स्कूल अब मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ा सकेंगे तथा कोई भी बढ़ोतरी हर तीन साल में एक बार ही की जाएगी। फीस बढ़ाने का फैसला 18 महत्वपूर्ण मापदंडों पर आधारित होगा, जिसमें कक्षाओं व इमारतों की स्थिति, स्कूल के वित्तीय भंडार और विज्ञान प्रयोगशालाएं प्रमुख होंगी।


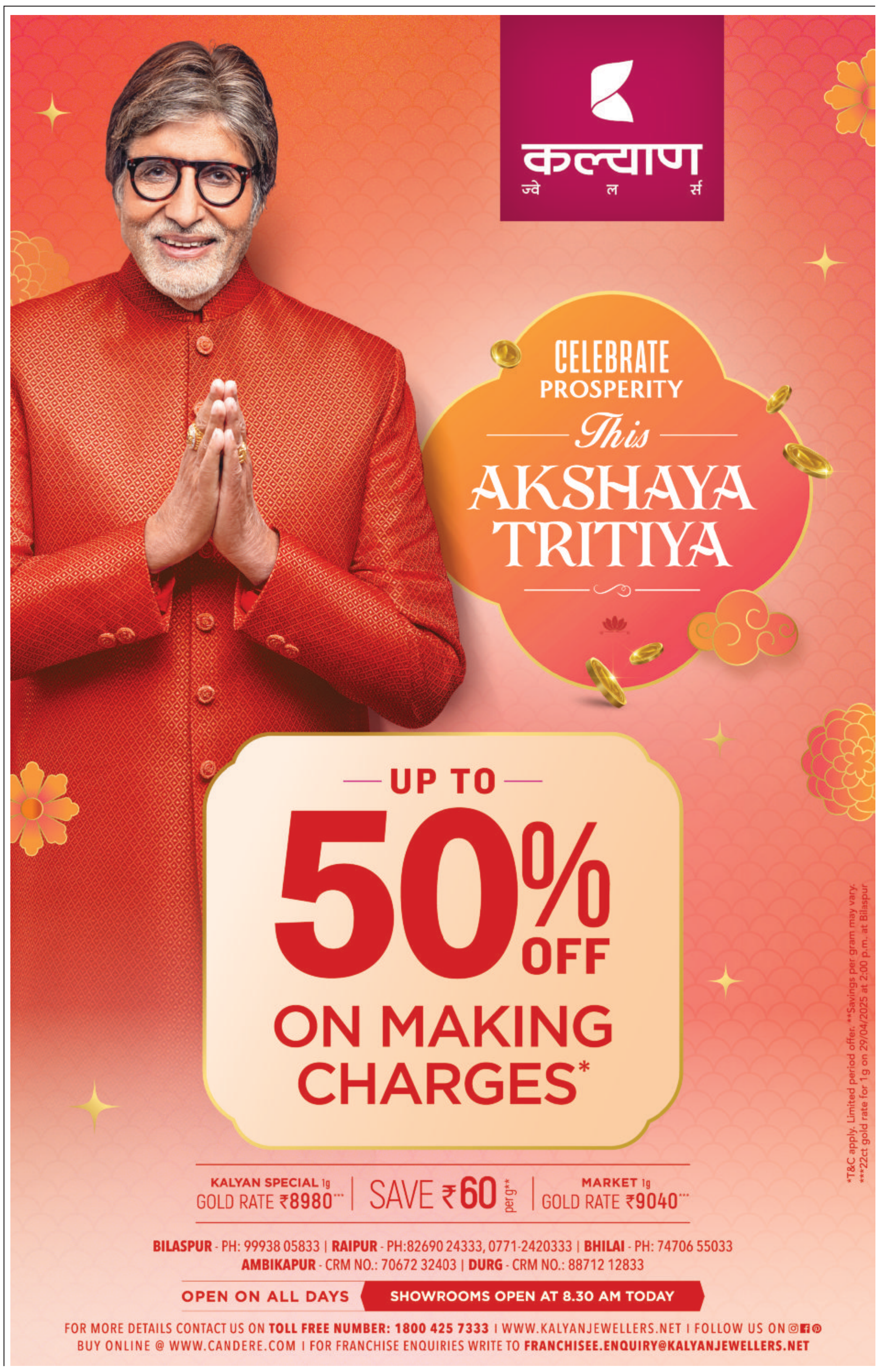



### गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट आज खुलेंगे

# चारधाम यात्रा, 22 लाख श्रद्धालुओं ने कराया पंजीयन

एजेंसी ▶▶| देहरादून

उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट छह माह बंद रहने के बाद अक्षय तृतीया के पर्व पर बुधवार को फिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट खुलने के साथ ही इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो जाएगी। हालांकि केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट क्रमशः दो मई और चार मई को खोले जाएंगे।

उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा को लेकर सुरक्षा व्यवस्था से लेकर अन्य सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि चारधाम ▶▶| शेष पेज 8 पर

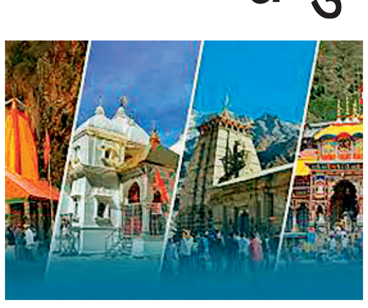

### 6000 पुलिसकर्मी, 17 पीएसी कंपनी

तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 6000 पुलिसकर्मी, 17 पीएसी कंपनी और केंद्र की तरफ से भेजी गई 10 कंपनी सुरक्षा बलों को चारधाम और यात्रा मार्गों पर तैनात करने की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं से बिना किसी चिंता के तीर्थयात्रा करने को कहा। पूरे यात्रा क्षेत्र को इस बार 15 'सुपर जोन' में बांटा गया है, जिसमें करीब 2000 से अधिक 'क्लोज सर्किट कैमरे' लगाए गए हैं।

### खुफिया एजेंसियां सक्रिय, संदिग्धों पर नजर

*जन सुरक्षा के साथ-साथ उत्तराखंड पुलिस का ध्यान यातायात व्यवस्था को सुचारू करने पर भी होगा। अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय रहेंगी। संदिग्धों पर निगरानी रखी जाएगी। पुलिस महानिदेशक ने ट्रांजिट कैंप ऋषिकेश में यात्रियों से बातचीत कर उनकी प्रतिक्रिया ली।*

### ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन के 20 काउंटर

*जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल का कहना है कि ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन ऋषिकुल मैदान में प्रारंभ कर दिए गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि हमारे द्वारा जर्मन हैंगर में यह सुविधा प्रदान की गई है। 20 काउंटर हमने लगाए। 20 काउंटर के अंतर्गत दिव्यांग का, विदेशी नागरिकों और विकलांगों के लिए अलग से काउंटर बनाए हैं। करीब 1200 से 1300 आदमियों का कैपेसिटी हमने डिसाइड की है। वहीं, जो अन्य लोग होंगे उनके करीब हजार आदमियों के बैठने की व्यवस्था की गई है।*

राजधानी के शहीद स्मारक भवन में मंगलवार को वन नेशन, वन इलेक्शन पर विशेष सामान्य सभा हुई। वन नेशन वन इलेक्शन के प्रस्ताव पर चर्चा करने सभापति सूर्यकांत राठौर ने नगर निगम रायपुर की ओर से विशेष सामान्य सभा बुलाई। यह सभा करीब 30 वर्ष बाद निगम मुख्यालय के बाहर शहीद स्मारक भवन में हुई। प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हो गया। अब उसे राज्य शासन के मायम से राष्ट्रपति को भेजा जाएगा।

## चर्चा के बाद प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित

# वन नेशन-वन इलेक्शन के समर्थन में प्रस्ताव पारित, भाजपा पार्षदों ने सदन में लगाये नारे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर।

सुबह साढ़े दस बजे सभा में सबसे पहले पहलगाम के आतंकी हमले में दिवंगत रायपुर निवासी दिनेश मिरानिया सहित अन्य दिवंगतों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव का समर्थन सभी भाजपा पार्षदों ने किया। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि देश के लिए यह बहुत अहम विषय है। इसके पारित होने से चुनाव में धन और समय की बचत होगी। साथ ही विकास कार्य बाधित नहीं होंगे क्योंकि बार-बार चुनावों में आचार संहिता लगाई जाती है। विकास प्रभावित होता है। वहीं जलसंकट पर चर्चा नहीं कराने के विरोध में कांग्रेस पार्षद दल ने सदन से बहिर्गमन किया।

### आकाश तिवारी की अनुपस्थित की रही चर्चा

बैठक में पीसीसी द्वारा नियुक्त नेता प्रतिपक्ष और पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड पार्षद आकाश तिवारी नहीं आये। उनकी अनुपस्थिति को लेकर सदन के बाहर चर्चा होती रही। वहीं सदन में दो नेता प्रतिपक्ष को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया। बजट सभा के बाद संदीप साहू ने दूसरी बार नेता प्रतिपक्ष के रूप में सदन में बेबाकी से अपनी बात रखी।

### कांग्रेस ने किया सदन का अपमान, प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित : मीनल

महापौर मीनल चौबे ने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा के दौरान विपक्ष पलायन कर चुका है, कांग्रेस ने सदन का अपमान किया है। देश चाहता है कि सार्थक विचार-विमर्श हो, इसलिए सभा में चर्चा की जाए। मेरा दायित्व है कि जल संकट पर भी सोच-विचार करूं। देश हित में सोचते हुए विशेष सामान्य सभा रखी गयी। इसमें सर्वसम्मति से प्रस्ताव भी पारित हुआ है।

### विपक्ष ने वक्तव्य में व्यवधान डालने का लगाया आरोप

नेता प्रतिपक्ष के वक्तव्य पर टोका टाकी को लेकर विपक्ष ने सभा की कार्यवाही में व्यवधान डालने का आरोप लगाया। मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड पार्षद अर्जुमन ढेबर ने आतंकी हमले के बीच चुनावी प्रस्ताव के लिए विशेष सभा बुलाने का विरोध किया। उन्होंने पानी और सफाई जैसे मुद्दों पर चर्चा न कर राजनीतिक मुद्दा लाने पर सवाल उठाया। इस पर भाजपा पार्षद कृतिका जैन ने कटाक्ष करते हुए कहा कि हम सिर्फ नाली और पानी के लिए पार्षद नहीं बने। यह हमारा सौभाग्य है कि हमारा भी मत एक देश एक चुनाव में लिया जा रहा है। पार्षद शेख मुसीर ने कहा एक देश एक चुनाव लागू करना इतना आसान और व्यवहारिक नहीं लगता।

## खबर संक्षेप

### नाबालिग को शादी का झांसा देकर रेप, 20 साल कैद

**रायपुर।** अभनपुर थाना क्षेत्र में छह वर्ष पूर्व नाबालिग को शादी करने का झांसा देकर अपहरण और रेप करने के आरोपी को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनय कुमार प्रधान की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने 20 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक विमला तांडी के अनुसार, कोर्ट ने राजेश बघेल को कैद की सजा सुनाई है। घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त हेमलाल उर्फ मुकेश जांगड़े फरार है।

### वाहन चोरी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** खमतराई पुलिस ने मुखबिर की सूचना तथा सीसीटीवी फूटेज की मदद से बाइक चोरी के आरोप में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी खमतराई के रहने वाले हैं। बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की चार बाइक जब्त की है। बाइक चोरी करने के आरोप में पुलिस ने अमन यादव, करन यादव, विक्की उर्फ भावेश दिवाकर, लोकेश साहू को गिरफ्तार किया है।

सीधी फ्लाइट की सुविधा नहीं, फिर भी मशीन के साथ पहुंची कंपनी, ईओडब्लू के चालान में उल्लेख संभव नहीं

# डेमोंस्ट्रेशन के लिए 'शक्तिमान' की तरह प्रकट हो गई थी हरियाणा की कंपनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

## मोक्षित कार्पोरेशन की साजिश, दूसरी कंपनी की मशीन पर स्टीकर चिपकाकर प्रदर्शन, ओके भी हो गया

अरबों के रीएजेंट और उपकरण घोटाले की साजिश में एक और तथ्य सामने आया है। पता चला है, मोक्षित कार्पोरेशन की सहयोगी कंपनी ने पंचकूला हरियाणा और रायपुर के बीच के 26 घंटे का सफर शक्तिमान की तरह पूरा कर लिया। चौबीस घंटे पहले भेजे गए ई-मेल पर कंपनी सीधी फ्लाइट की सुविधा नहीं होने के बावजूद दवा निगम के अफसरों के सामने उपकरणों के साथ प्रकट हुई और मशीनों का प्रदर्शन भी कर दिया। योजना के तहत मोक्षित कार्पोरेशन द्वारा दूसरी कंपनी का उपकरण उपलब्ध कराया गया, जिस पर पंचकूला के रायपुर की अन्य सहयोगी कंपनी का स्टीकर लगा दिया गया।

न्यायालय में पेश किए चालान में ईओडब्लू ने इस मामले का उल्लेख करते हुए जिक्र किया है कि पंचकूला हरियाणा से उपकरण लेकर इतने शार्ट नोटिस पर रायपुर आना संभव नहीं है।

हरिभूमि फॉलोअप

### टेबल टू टेबल हुआ हस्ताक्षर

बड़ी कंपनी के इस दावा आपत्ति पर विशेषज्ञों की समिति में चर्चा नहीं कराई गई। मोक्षित कार्पोरेशन की टीम में शामिल अधिकारियों ने टेबल टू टेबल जाकर फैसले पर हस्ताक्षर लिया। इस मशीन की खरीदी के लिए एकल निविदा के नियम को भी दरकिनार किया गया। योजना के तहत 38 करोड़ की सीबीसी मशीन मोक्षित से खरीदी गई। इसके लिए बाजार में लगभग 32 करोड़ में मिलने वाले रीएजेंट को 70 करोड़ में खरीदा गया।

मेडिकल घोटाले में अफसरों का खुला खेल, मुफ्त के नियम को हटाकर खरीदी 121 करोड़ की स्टार्टर टेस्ट किट

### 10 हजार मशीन वाली कंपनी की आपत्ति नजरअंदाज

सीबीसी मशीन खरीदी के लिए जारी प्रोप्राइटरी आर्टिकल सर्टिफिकेट के नियम के अनुसार वही कंपनी वैध है जो उत्पादक और निर्माता हो। मेक मोक्षित मॉडल चंदा 9904 इस शर्तों का पूरा नहीं करता था। इस मामले में एक कंपनी ने आपत्ति दर्ज कराई थी और बताया था कि उनके द्वारा इस मशीन का निर्माण किया जाता है। इसके साथ भारत में 10 हजार से ज्यादा मशीनें क्रियाशील हैं तथा उनका सेल्स एवं तकनीकी सेवाएं रायपुर में उपलब्ध है। मोक्षित से मिलने वाले कमीशन की वजह से लालची अफसरों ने इस आपत्ति का निराकरण नहीं किया।

# वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट अनिवार्य

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ सरकार के परिवहन विभाग ने वाहन मालिकों की सुविधा और सुरक्षा के मद्देनज़र एक बड़ी पहल शुरू की है। अब वाहन पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगवाना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए विभाग ने किसी भी प्रकार की बिचौलिया व्यवस्था या धोखाधड़ी से बचाव के लिए विशेष अभियान छेड़ दिया है। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा एचएसआरपी के संबंध में जारी दिशा-निर्देशों, केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम 1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियम 1989 के प्रावधानों, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना जारी की है, जिसके परिपालन में छत्तीसगढ़ राज्य में 1 अप्रैल 2019 के पूर्व पंजीकृत प्रत्येक वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रीकरण चिन्ह (एचएसआरपी) लगाया जाना अनिवार्य किया गया है, जिसे लागू कर प्रक्रिया प्रारंभ किया जा चुका है।

■ परिवहन विभाग की वेबसाइट का करें उपयोग- सरकार की अपील

### धोखाधड़ी की शिकायतें भी

विगत दिनों से यह शिकायतें मिल रही हैं कि एचएसआरपी लगाने के नाम पर आम लोगों से धोखाधड़ी की जा रही है। धोखाधड़ी करने वाले ऐसे लोग नंबर प्लेट बनाने के साथ ही होम डिलीवरी करने का झांसा देकर वाहन मालिकों से ठगी कर रहे हैं, जिसमें गूगल प्लेटफार्म में छद्म तरीके से एचएसआरपी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाईन ठगी करने का प्रयास किया जा रहा है।

बिलासपुर
बुधवार, 30 अप्रैल 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष तृतीया
वर्ष: 25, अंक: 39
पृष्ठ: 12+4+4 = 20 मूल्य: 4.00***
मौसम
अधि. 38.5
न्यून. 22.8

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

अक्षय तृतीया की मंगलकामनाएं

## अक्षय तृतीया 100 सालों बाद दुर्लभ राजयोग, 6 घंटे 37 मिनट का उत्तम मुहूर्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली/रायपुर

रोहिणी नक्षत्र व बुधवार के दिन पड़ने वाली अक्षय तृतीया को अत्यधिक शुभ माना जाता है, जो कल है। इस बार अक्षय तृतीया पर 6 घंटे 37 मिनट का उत्तम मुहूर्त-सुबह 05:41 बजे से दोपहर 12:18 बजे तक, जिसकी अवधि - 6 घंटे 37 मिनट तक है। पंडित सौरभ मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष अक्षय तृतीया पर एक दुर्लभ राजयोग का निर्माण हो रहा है, जो लगभग 100 वर्षों बाद बन रहा है। अक्षय तृतीया को गजकेसरी राजयोग,राजयोग, रवि योग, चतुग्रही योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि एवं शोभन योग और लक्ष्मी ▶▶|शेष पेज 8 पर

**शुभ योग**

कल सर्वार्थ सिद्धि योग पूरे दिन, शोभन योग दोपहर 12:02 बजे तक व रवि योग शाम 04:18 बजे से 05:40 ए एम, मई 01 तक रहेगा। रोहिणी नक्षत्र शाम 04:18 बजे तक व तृतीया तिथि दोपहर 02:12 बजे तक समाप्त हो जाएगी।

**सोने की पूजा का मुहूर्त**
सुबह 7:50 से दोप. 12:20 बजे

### सोना-चांदी खरीदी लाएगी समृद्धि

पं.दिनेश गिरी गोस्वामी के मुताबिक अक्षय तृतीया पर सुबह 4 बजे से शुभ मुहूर्त की शुरुआत हो जाएगी। आज सोने और चांदी की खरीदी व्यवहारिक जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएगी। वैदिक शास्त्र के अनुसार, अक्षय तृतीया को विवाह के लिए देव लग्न माना गया है। इस दिन शिव मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान और शिवलिंग पर कलश स्थापित किया जाता है।

---

इसलिए पड़ रही युक्तियुक्तकरण की जरूरत, शहरों में बेवजह जमे बैठे टीचर्स हटेंगे

# राज्य में 5000 से ज्यादा स्कूलों में सिर्फ एक या दो शिक्षक, 300 में तो एक भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

**हरिभूमि फॉलोअप**

स्कूल शिक्षा विभाग में युक्तियुक्तकरण का आदेश जारी होने के बाद पांचो संभाग के जिला शिक्षा एवं विकासखंड जिला अधिकारियों की कार्यशाला बुधवार को रखी गई है। जिलों के स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना और अतिशेष शिक्षकों के बारे में पूरी जानकारी कार्यशाला की बैठक के दौरान एकत्रित किए जाने के बाद जून से इसकी प्रक्रिया शुरू होगी। शिक्षा विभाग की ओर से एकल शिक्षक और शिक्षक विहीन स्कूलों के आधार पर युक्तियुक्त करण का आदेश जारी किया गया है। इसी को बैलेंस करने के लिए युक्तियुक्त प्रक्रिया अपनाई जाएगी। स्कूल शिक्षा विभाग के अनुसार, राज्य में 5,484 स्कूल ऐसे हैं, जहां एक ▶▶|शेष पेज 8 पर

### प्राइमरी स्कूलों में 3418 अतिशेष शिक्षक

प्रायमरी स्कूलों में 3418 अतिशेष शिक्षक हैं। रायपुर में 424, बिलासपुर में 264, जांजगीर 198, रायगढ़ 217, बलौदा बाजार 211, बालोद 170, धमतरी 180 अतिशेष शिक्षक हैं। प्रायमरी स्कूलों में सबसे अधिक बस्तर में 425 स्कूल में एकल शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। बीजापुर 272, कांकेर 318, सुकमा 222, कोरबा 325, रायगढ़ 251, मोहला-मानपुर 190, धमतरी 165, गरियाबंद 173, बलरामपुर 251, जशपुर 181, सूरजपुर 236, सरगुजा में 196 सिंगल शिक्षक वाले स्कूल हैं।

### रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़ में सबसे अतिशेष शिक्षक, 4000 स्कूलों में अटैच

स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का आदेश जारी, 13 हजार टीचर्स का होगा तबादला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग ने राज्य की स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का आदेश जारी कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेसी ने इस संबंध में राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी है। बताया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के अनुरूप शालाओं ▶▶|शेष पेज 7 पर

■ स्वामी आत्मानंद और पीएम श्री स्कूलों का समायोजन नहीं

समिति का होगा गठन

शालाओं एवं शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण के लिए निम्नानुसार दो समितियों का गठन किया जाएगा। विकासखण्ड स्तरीय समिति समिति के पदाधिकारी इस प्रकार होंगे। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अध्यक्ष, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सदस्य सचिव, सदस्य के रूप में सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, विख स्रोत समन्वयक, ▶▶|शेष पेज 7 पर

कम दर्ज संख्या वाली शालाओं में ये होगा

10 से कम दर्ज संख्या वाली प्राथमिक या पूर्व माध्यमिक शालाओं का निकटस्थ शालाओं में समायोजन किया जाएगा। जनजाति प्रभावित क्षेत्र एवं दूरस्थ वनांचल के विद्यालयों के लिए युक्तियुक्तकरण हेतु निर्धारित मापदण्ड के बावजूद जिला समिति के अध्यक्ष कलेक्टर का यह ▶▶|शेष पेज 7 पर

### मिडिल स्कूलों में 3887 अतिशेष शिक्षक

छत्तीसगढ़ के मिडिल स्कूलों में 3887 शिक्षक अतिशेष हैं। सबसे अधिक बस्तर में 301, कांकेर 242, कोंडागांव 245, बिलासपुर 211, दुर्ग 303, रायपुर 250, जशपुर 246, सरगुजा 285, सूरजपुर 228 शामिल हैं। मीडिल स्कूलों में एकल शिक्षकीय स्कूल सबसे अधिक गरियाबंद 48, बीजापुर 28, कोरबा 18, रायगढ़ 16 और कवर्धा 10 हैं। वहीं इन जिलों में 17 स्कूल शिक्षक विहीन हैं।

### 252 स्कूल शिक्षकविहीन

मीडिल स्कूलों में एकल शिक्षकीय वाले 231 स्कूल हैं तो शिक्षक विहीन 45 स्कूल हैं। प्रायमरी में 5484 स्कूल एकल वाले हैं, तो शिक्षक विहीन भी सबसे अधिक 252 स्कूल। शिक्षक विहीन स्कूलों में बस्तर 32, बीजापुर 51, कांकेर 9, सुकमा 6, कोरबा 13, रायगढ़ 3, मोहला-मानपुर 7, धमतरी 3, गरियाबंद 5, बलरामपुर 23, जशपुर 10, सूरजपुर 5, सरगुजा में 9 स्कूल शामिल हैं।

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj - Phase -II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or call our toll-free no.: 1800 266 0018 or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. **Finance offer is at sole discretion of the financer, subject to its respective T&Cs. Offers are valid in select states for a limited period or till stock lasts. For more details, please visit your nearest authorized Hero outlet. Ex-showroom prices are applicable in Chhattisgarh. #Offer Valid on Passion + variants. ^Offer Valid on HF DLX kick and Self Variants. $Green Bonus is applicable Pan India on select Hero products and bonus amount may vary as per model/variant. *Terms & Conditions apply.

अधिकृत डीलरः बिलासपुरः सत्या हीरो 9289922464, गैलेक्सी हीरो, 9289922706, अंबिकापुरः आनंद हीरो, 9289922359, सरगुजा हीरो, 9289923110, कोरबाः शांति हीरो, 9289922813, छत्तीसगढ़ हीरो, 9289923057, रायगढ़ः गोयल हीरो, 9289922373, आदित्य हीरो, 9289923091, जांजगीरः आनंद हीरो, 9289922772, बैकुंठपुरः आर.के. हीरो, 9289922812, जशपुरः आकाश हीरो, 9289922909, एसोशिएट डीलरः खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415, चौराः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सरियाः अग्रवाल ऑटो सेण्टर, 9993121909, गौरेलाः श्री माँ नर्मदा मोटर्स, 7587796622/7587796611, सनावलः सोनी ऑटोमोबाइल्स, 9479235816, रतनपुरः माँ महामाया मोटर्स, 9754240437/8839972027, बलोदाः श्री कमला ऑटो, 9926515216, मरवाहीः राहुल ऑटोमोबाइल्स, 8889467369/8719087320, मुगेलीः महावीर, 9993855199, मनेन्द्रगढ़ः विवेक ट्रेडर्स, 6261178785, कटघोराः श्री शारदा एंटरप्राइज, 9809809925, शिवरीनारायणः सुल्तानिया ऑटो केयर, 9407600319, सक्तीः गोयल ऑटो, 9303571001/7000490324, खरसियाः विजय ऑटो एजेंसी, 9993093829, सीतापुरः श्रीराम हीरो, 7000043001, पत्थलगांवः ज्योति ऑटो, 9406399000, सारंगढ़ः गोपाल ऑटो सेंटर, 9827893203, सूरजपुरः आशा ऑटोमोबाईल्स, 9826440096, अकलतराः श्री ऑटो, 9424174274, कोटाः उर्मिला मोटर्स, 9340252857, श्री पुष्कर मोटर्स, 6268000180/8718888789, रामानुजगंजः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 8827674000, बाराद्वारः दुर्गा ऑटो एजेंसी, 8319982160, उदयपुरः बंसत ऑटोमोबाईल्स, 9406022927, तपकराः प्रीति ऑटोमोबाईल्स, 7354334545/7999851514, प्रतापपुरः तायल ऑटोमोबाईल्स, 9617218005, पटनाः आयुश ऑटोमोबाईल्स, 8839141926, पालीः आनंद ऑटोमोबाईल्स, 7089519999, राजपुरः महामाया एजेंसी, 9516209272/9340726288, महापालीः साहू ऑटोमोबाईल्स, 7746028455, मदनपुरः ओम ऑटो एजेंसी, 7000316070, सीपतः मेसर्स गणेश मोटर्स, 9993194005, ऐडिशनल वर्कशॉपः अम्बिकापुरः आनंद ऑटोमोबाईल्स, देवीगंज, 7771008601/9289922359, जेन्युइन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्टः ओरियन ऑटोव्हील्स, 07752-252088, अधिकृत सिटी वर्कस्ः उरगाः बालाजी सर्विस स्टेशन, 279600, डीलर एक्सटेंशन काउंटरः बिलासपुर (सकरी): सत्या सर्विसेज़, 9111107951, गैलेक्सी हीरो (जगमल चौक) 8085152612, चम्पाः आनंद हीरो, 7909901444, कोरबाः शांति हीरो, 7440299000, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बिलासपुरः सत्या हीरो, 9289922464, खड़गांवः बंसल ऑटो एजेंसी, 7000103415

LOK | SAATCHI & SAATCHI

## चिंतन

# आतंकवाद के खिलाफ 'खुली छूट' वक्त का तकाजा

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से देश में आक्रोश है। लोग जल्द से जल्द हमलावर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई चाहते हैं। इसी कड़ी में पीएम नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री ने साफ संदेश दिया है कि आतंकवाद को कुचलना राष्ट्रीय संकल्प है। सरकार ने आतंकियों के खिलाफ एक्शन के लिए सेना को खुली छूट दी है। पहलगाम हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों, उनके मददगारों व साजिशकर्ताओं के खिलाफ एक्शन के लिए सेना अपने हिसाब से तरीका, टारगेट और समय तय करेगी। 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हमला कर आतंकियों ने 27 बेकसूर निहत्थे लोगों को मौत के घाट उतार दिया था। हमले की जिम्मेदारी लश्कर के छद्म गुट द रिजसटेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली, जिससे इस हमले से पाकिस्तान का तार जुड़ा। लश्करे तैयबा पाकिस्तान स्थित आतंकी गुट है। हमले के बाद से सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं, जिनसे पाकिस्तान को भी संदेश दिया गया है और घरेलू स्तर पर भी आतंक के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अच्छी बात है कि इस संकट की घड़ी में देश पूरी तरह एकजुट है, राजनीतिक रूप से भी व सामाजिक-धार्मिक रूप से भी। वक्त का तकाजा है कि सरकार इस हमले के दोषियों को अंजाम तक पहुंचाए और इसलिए प्रधानमंत्री ने तीनों सेनाओं को जवाबी कार्रवाई क्या होगी, कब होगी और क्या टारगेट होगा, ये तय करने की पूरी तरह से ऑपरेशनल छूट दी है। इस बीच विश्व स्तर पर भी पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा हुई है और विश्व के अधिकांश राष्ट्रों ने भारत के प्रति एकजुटता दिखाई है। भारत ने कहा है कि हमले के बाद वैश्विक नेताओं की ओर से 'मजबूत, स्पष्ट' समर्थन और एकजुटता, आतंकवाद के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय की कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का प्रमाण है। 2008 में हुए 26/11 के भीषण मुंबई हमलों के बाद पहलगाम आतंकवादी हमले में इतनी अधिक संख्या में आम नागरिक मारे गए हैं। दशकों से सीमा पार आतंकवाद का शिकार होने के कारण भारत इस बात को अच्छी तरह समझता है कि इस तरह के कृत्यों का पीड़ितों, उनके परिवारों और समाज पर दीर्घकालिक असर पड़ता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर, इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस सहित वैश्विक नेताओं ने भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की। पिछले हफ्ते 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक प्रेस वक्तव्य जारी कर जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमले की 'अत्यधिक कड़े शब्दों में' निंदा की। सुरक्षा परिषद ने जोर दिया कि इन हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और ''आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य'' को अंजाम देने वाले और उसके प्रायोजकों को न्याय के कठघरे में लाया जाना चाहिए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुलेआम कबूल किया है कि उनके देश का आतंकवादी संगठनों का समर्थन और वित्तपोषण करने का इतिहास रहा है और यह कबूलनामा उजागर करता है कि पाकिस्तान वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश है। भारत के लिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने का यह अच्छा मौका है, क्योंकि अधिकांश वैश्विक समर्थन नई दिल्ली के पक्ष में हैं और पाकिस्तान की ओर से भी आतंकवाद को पालने- पोसने की स्वीकारोक्ति है।

## कूटनीति

विवेक शुक्ला

# जंग हुई तो क्या चीन देगा पाक का साथ!

पहलगाम में 26 मासूम लोगों के कत्ल के बाद भारत-पाकिस्तान आमने-सामने हैं। क्या दोनों पड़ोसी मुल्कों के बीच जंग होगी? क्या जंग हुई तो चीन पाकिस्तान के साथ खड़ा होगा? इन सवालों पर समर नीति और कूटनीति के जानकार आजकल माथापच्ची कर रहे हैं। अगर बात कारगिल जंग ( 1999) की करें तो तब चीन ने पाकिस्तान का खुलकर या प्रत्यक्ष रूप से सैन्य या राजनयिक समर्थन नहीं किया था। भले ही चीन और पाकिस्तान के बीच गहरे रणनीतिक संबंध हैं, जिन्हें अक्सर सदाबहार दोस्ती कहा जाता है। पाकिस्तान के नेता हर संकट के वक्त बीजिंग पहुंच जाते हैं कटोरा लेकर। दरअसल कारगिल संघर्ष के दौरान चीन की प्रतिक्रिया काफी सधी हुई थी। चीन ने तब आधिकारिक तौर पर भारत और पाकिस्तान से संयम बरतने और बातचीत के माध्यम से मुद्दे को हल करने का आग्रह किया। यानी चीन उस समय पाकिस्तान के साथ खड़ा नहीं हुआ था। चीन ने नियंत्रण रेखा का सम्मान करने का दोनों पक्षों से आग्रह किया था। यह परोक्ष रूप से पाकिस्तान की आलोचना थी, क्योंकि पाकिस्तानी सेना ने नियंत्रण रेखा का उल्लंघन करके भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के चीनी विभाग के अध्यक्ष प्रो. तान चुंग का कहना था कि चीन बहुत प्रेक्टिल देश है। वह बहुत सोच-समझकर ही खुलकर किसी देश के साथ खड़ा होता है। जानकारों का कहना है कि जब कारगिल युद्ध के समय तत्कालीन पाकिस्तानी सेना प्रमुख परवेज़ मुशर्रफ़ समर्थन मांगने चीन गए, तो चीनी नेतृत्व ने उन्हें पीछे हटने और मामले को शांतिपूर्वक सुलझाने की सलाह दी। चीन इस संघर्ष को बढ़ते हुए नहीं देखना चाहता था। चीन का मत था कि दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध रहने चाहिए। दरअसल, तब चीन ने पाकिस्तान की कार्रवाई की सार्वजनिक रूप से निंदा नहीं की थी, पर उसने पाकिस्तान की कारगिल में सैन्य घुसपैठ का समर्थन भी नहीं किया था। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों में चीन ने पाकिस्तान का समर्थन जरूर किया था, लेकिन 'खुलकर साथ' होने की व्याख्या थोड़ी जटिल है और दोनों युद्धों में उसकी भूमिका थोड़ी अलग थी। चीन ने 1965 की जंग के वक्त भारत की कड़ी आलोचना की और पाकिस्तान को अपना पूर्ण राजनयिक समर्थन दिया। चीन ने भारत पर सिक्किम सीमा पर उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। उसने सीमा के पास अपनी सेना की कुछ गतिविधियां भी बढ़ाईं, जिससे भारत पर दूसरा मोर्चा खुलने का दबाव बना। यह पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण नैतिक और रणनीतिक समर्थन था। हालांकि चीन ने धमकियां दीं और दबाव बनाया, लेकिन उसने भारत के खिलाफ सीधे तौर पर कोई बड़ी सैन्य कार्रवाई नहीं की। उसका समर्थन मुख्यतः राजनयिक और मनोवैज्ञानिक दबाव तक ही सीमित रहा। वह सीधे युद्ध में शामिल नहीं हुआ। चीन ने 1971 में भी पाकिस्तान का राजनयिक समर्थन जारी रखा और भारत के हस्तक्षेप की आलोचना की, खासकर संयुक्त राष्ट्र में। हालांकि 1971 में चीन का दबाव काफी कम था। कूटनीति मामलों के जानकार इसके कई कारण बताते हैं। भारत-सोवियत संधि (1971) ने चीन को हतोत्साहित किया, क्योंकि भारत पर हमले की स्थिति में सोवियत संघ के हस्तक्षेप की संभावना थी। चीन उस समय सोवियत संघ के साथ तनावपूर्ण संबंध रखता था। इसके साथ ही सर्दियों में हिमालय के दुर्गम दर्रों से बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करना चीन के लिए बहुत मुश्किल था। मतलब चीन ने 1971 में भी कोई सीधा सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया। एक बात समझ लें कि भले ही भारत-चीन के बीच सीमा विवाद है, पर चीन को मालूम है कि भारत उसके उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार है। यह बात उसे आजकल खासतौर पर समझ आ रही होगी क्योंकि अमेरिका उस पर भारी-भरकम टैरिफ लगा रहा है। फिलहाल भारत-चीन के बीच सालाना आपसी व्यापार 125 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। समझ लें कि भारत-चीन ने तय कर लिया है कि इनका जटिल सीमा विवाद का कोई हल निकले या ना निकले, पर ये अपने आपसी कारोबारी संबंधों को प्रभावित नहीं होने देंगे। हमारा चीन के साथ कुछ साल पहले तक व्यापार घाटा 29 अरब रुपए तक का हो गया था। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला भी मानते हैं कि इस व्यापार घाटे को संतुलित करने की जरूरत है। पर फिलहाल सबकी निगाहें इस बात पर है कि भारत-पाक के बीच जंग वाली स्थिति बनी तो चीन किसका साथ देगा। तो जान लें कि चीन युद्ध की स्थिति में पाक का खुलकर साथ नहीं देगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पहलगाम हमला
रविशंकर

# आतंकवाद पर करारी चोट जरूरी

जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का एक बड़ा वादा था। साल 2019 में सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया था। इसके ज़रिए जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा ख़त्म किया गया। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि अनुच्छेद 370 एक औज़ार है। इसका इस्तेमाल करके कश्मीर में आतंक, हिंसा और भ्रष्टाचार फैलाया जा रहा था। तब से लेकर पहलगाम हमले तक, मोदी सरकार का दावा रहा है कि उनके शासन के 10 सालों के दौरान जम्मू-कश्मीर में शांति और अहिंसा का एक नया दौर आया है। लेकिन पहलगाम में आतंकी हमले के बादल अब बहुत सारे सवाल उठ रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की कश्मीर नीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार का एक बड़ा वादा था। साल 2019 में सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाया था। इसके ज़रिए जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा ख़त्म किया गया। उस समय प्रधानमंत्री मोदी ने अनुच्छेद 370 की निंदा की थी। उन्होंने कहा था कि अनुच्छेद 370 एक औज़ार है। इसका इस्तेमाल करके कश्मीर में आतंक, हिंसा और भ्रष्टाचार फैलाया जा रहा था। तब से लेकर पहलगाम हमले तक, मोदी सरकार का दावा रहा है कि उनके शासन के 10 सालों के दौरान जम्मू-कश्मीर में शांति और अहिंसा का एक नया दौर आया है। लेकिन पहलगाम में आतंकी हमले के बादल अब बहुत सारे सवाल उठ रहे हैं। इनमें सबसे बड़ा सवाल सरकार की कश्मीर नीति पर है, जो उसने दावे किए।ऐसे में यह सवाल भी उठाया जा सकता है कि उसकी कश्मीर नीति सफल रही है,या विफल? या उससे कोई फर्क नहीं पड़ा है।

जरा याद कीजिए, साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के पांच साल बाद प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2024 में पहली बार जम्मू कश्मीर का दौरा किया। उनका यह दौरा लोकसभा चुनाव के कुछ दिन पहले हुआ था। श्रीनगर में एक बड़ी सभा में प्रधानमंत्री ने कहा था कि कश्मीरी अब आजादी से सांस ले रहे है। अनुच्छेद 370 के हटने के बाद कश्मीर प्रगति और समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने अनुच्छेद 370 के बारे में जम्मू-कश्मीर और देश के लोगों को गुमराह किया। हालांकि, इस दौरान कठिनाइयां भी आई। साल 2017 में अमरनाथ यात्रियों पर चरमपंथियों ने हमला किया। इसमें आठ यात्रियों की मौत हो गई। साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटने से पहले, घाटी के पुलवामा में चरमपंथी हमले में 40 सीआरपीएफ़ जवान मारे गए। ना जाने इस तरह की और भी कई छोटी-बड़ी घटनाएं घाटी में घटित हुई। 2014 में मोदी और उनकी पार्टी जब चुनाव प्रचार कर रही थी तब उन्होंने वादा किया था कि कश्मीर के मामले में अब तक जो निरर्थक रवैया अपनाया जाता रहा है उसके विपरीत वे सख्त रवैया अपनाएंगे। सरकार की कमजोरी का उदाहरण देने के लिए कश्मीरी पंडितों की बदहाली का हवाला दिया जाता था और कहा जाता था कि सेकुलर पार्टियों ने 1990 में उन्हें किस तरह निराश किया। कहा जाता था कि मोदी सरकार आतंकवादियों को, चाहे वे भारतीय हों या पाकिस्तानी, दिखा देगी कि उनके दिन अब लद गए। लेकिन उसके बाद से महीना-दर-महीना आतंकवादी यह दिखाते रहे कि वे ऐसा नहीं मानते। अनुच्छेद 370 को रद करने के फैसले का तो हम स्वागत करते हैं मगर घाटी के हालात को असंतोषजनक भी क्यों कहते हैं। इसकी वजह यह है कि संविधान से जुड़ा वह फैसला उच्चतर राजनीतिक-रणनीतिक दायरे में किया गया, जमीनी हकीकत के मद्देनजर नहीं। इसलिए यह अपेक्षा रखना खामख्याली ही होगी कि इससे आतंक, हिंसा,अलगाव और आप कहना चाहें तो घाटी में इस्लामी जिहाद आदि सब खत्म हो जाएंगे। आप कह सकते हैं कि यह मोदी सरकार और बीजेपी की ही गलती है कि उसने इस कदम को एक नई साहसिक सुबह लाने वाला और अंधेरे को खत्म करने वाला कदम बताकर खूब प्रचारित

किया। मालूम हो,जब तक अनुच्छेद 370 संविधान में मौजूद था और कश्मीर को भारत में विशेष दर्जा हासिल था,तब तक सारा संसार और पाकिस्तान यह मान रहा था कि जम्मू-कश्मीर के दर्जे पर बातचीत हो सकती है। इसलिए वे भी उम्मीद लगाए बैठे थे। लेकिन पांच अगस्त ने वह सब खत्म कर दिया है। इसके बाद से,भारत की ओर से संदेश यह जा रहा था कि जम्मू-कश्मीर भारत के दूसरे सभी राज्यों जैसा ही एक राज्य है और बातचीत उस क्षेत्र के बारे में हो सकती है जिस पर आपने कब्जा कर रखा है और जिसका नाम 'पीओके' है।

मोदी सरकार की सफलता यह है कि संयुक्त राष्ट्र समेत पूरी दुनिया इस बात को लगभग तय मान चुकी है। इसीलिए हमने इस फैसले को साहसिक बदलाव कहा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि मोदी सरकार की कश्मीर नीति राज्य का दर्जा बदलने और वार्ता के मुद्दे को पुनर्परिभाषित करने के मामले में सफल रही है। लेकिन चूंकि उसने इसे अपने समर्थकों के बीच बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया इसलिए वह जमीन पर विफल हुई नजर आ रही है। पुलवामा या गलवान के विपरीत,जहां रक्षाकर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब केंद्र सरकार राज्य में आतंकवाद के खात्मे के दावे कर रही थी। बीते वर्षों में लगातार यह कहा जाता रहा कि आतंकियों की संख्या घट गई है और आतंकी नेटवर्क लगभग समाप्ति की ओर है। लेकिन यदि यह स्थिति वास्तव में इतनी बेहतर थी, तो पहलगाम जैसे सुरक्षित और संवेदनशील क्षेत्र में आतंकवादी कैसे खुलेआम गोलियां बरसाकर फरार हो गए? यह प्रश्न इसलिए भी गंभीर है क्योंकि यह इलाका न केवल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि अमरनाथ यात्रा का प्रमुख आधार स्थल भी है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं। सुरक्षाबलों और खुफिया एजेंसियों की इतनी मौजूदगी के बावजूद हमले की पूर्व सूचना का न होना, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान न कर पाना, और हमलावरों का आसानी से भाग निकलना यह दर्शाता है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था अब भी सतही सफलता से ऊपर नहीं उठ सकी है। जब सरकार यह कहती है कि आतंकवाद अपने अंतिम दौर में है, तो क्या इसका मतलब यह है कि हम पहले से अधिक ढिलाई बरतने लगे हैं? क्या यह आत्ममुग्धता नहीं है कि हम केवल आंकड़ों और बयानों के सहारे अपनी पीठ थपथपा रहे हैं, जबकि जमीन पर आतंक अब भी जिंदा है? हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि जम्मू-कश्मीर में 2019 से लेकर 2024 के बीच छोटे-बड़े सैकड़ों आतंकी घटनाएं घटित हुई हैं। साफ है, घाटी के हालात तब तक नहीं सुधर सकते जब तक वहां राजनीतिक निर्वात बना रहेगा। पहलगाम हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटक केवल एक संख्या नहीं, बल्कि वे हमारी सामूहिक लापरवाही का प्रतीक हैं। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आने वाले समय में आतंकवाद और भी अधिक भयावह रूप में लौट सकता है। यह वक्त बयान देने का नहीं, बल्कि सख्त आत्ममंथन और निर्णायक कार्रवाई का है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के लिए देश और इसके समूचे तंत्र की कितनी ऊर्जा लगी है, यह सभी जानते हैं।

विडंबना यह है कि दशकों पहले से जारी इस समस्या से पार पाने के लिए सरकारों ने दावे तो बहुत किए,वक्त के साथ नए उपाय भी किए गए,लेकिन आज भी वहां जिस स्तर की आतंकवादी गतिविधियां चल रही दिखती हैं,वह देश के सामने एक बड़ी चुनौती है। भारत की ओर से लगातार चेतावनी के बावजूद पाकिस्तान लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई करने की जहमत नहीं उठाता, इसलिए देश की निगाहें अब एक बार फिर से मोदी पर होंगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

# प्रसन्न रहने की शुरुआत घर से हो

संकलित

दर्शन

महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रसन्न रहने की शुरुआत अपने घर से ही होनी चाहिए। हम बाहर तो बहुत खुश रहते हैं, लेकिन घर में अकारण क्रोध से भरे रहते हैं। सभी लोग, खासतौर पर युवा इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें घर में भी प्रसन्न रहना है। युवाओं को यह बात याद रहे, इसलिए एक नया मंत्र दे रहा हूं। वे घर और परिवार में भी शांति रखें। कई लोग बाहर से घर में आते ही क्रोधित हो जाते हैं। वे अकारण गुस्सा कर घर वालों को मायूस कर देते हैं। यह हत्या कर देने जैसा अपराध है। मुश्किल यह है कि ये लोग अपनी कमी को मानते भी नहीं। कम से कम वे यह मान लें कि उसमें यह कमी है तो कभी न कभी वह कमी दूर भी की जा सकती है। लंका में कोई मानता ही नहीं था कि वहां कोई रोगी है। परिणाम सबके सामने है। जो माने ही नहीं कि अस्वस्थ है, वह स्वस्थ कैसे हो सकता है? एक और मंत्र याद रखें-छोटी-मोटी बातों को अनदेखा करें। व्यर्थ विवाद में मत उलझें। बात-बात में उलझने की आदत से अशांति ही पैदा होती है। सच्ची प्रसन्नता चाहिए तो इधर-उधर की बातें सुनना ही छोड़ दें। अस्तित्व के संगीत को सुनने की कोशिश करें। याद रखें, जिसे प्रसन्न रहना है, उसे कोई रोक नहीं सकता और जिसे दुखी ही रहना है, उसे कोई प्रसन्न नहीं कर सकता। कुछ लोगों को प्रसन्न रहना ही नहीं है। वे परेशान और दुखी होने के बहाने खोजते रहते हैं। इस आदत को बदलने की कोशिश ईमानदारी के साथ की जानी चाहिए।

# योजना बनाकर किए काम में मिलती है सफलता

संकलित

प्रेरणा

रामायण में देवी सीता का हरण हो गया था। श्रीराम और लक्ष्मण सीता को खोज रहे थे। राम-लक्ष्मण उस जंगल में पहुंच गए, जहां सुग्रीव बाली की डर से छिपे हुए थे। सुग्रीव के साथ ही हनुमान जी भी थे। सुग्रीव ने दो राजकुमारों को देखा तो वे डर गए। सुग्रीव ने सोचा कि बाली ने मुझे मारने के लिए इन्हें यहां भेजा है। सुग्रीव ने हनुमान जी से कहा कि आप देखिए वहां दो राजकुमार दिख रहे हैं, वहां जाकर मालूम करो कि कहीं ये हमारे शत्रु तो नहीं हैं। अगर वे शत्रु हैं तो वहीं से इशारा कर देना, हम यहां से कहीं और भाग जाएंगे। अगर वे मित्र हैं तो वहीं से इशारा करना, हम यहीं रुक जाएंगे। हनुमान जी सुग्रीव की आज्ञा पाते ही उन दोनों राजकुमारों के सामने पहुंच गए। हनुमान जी वेष बदलकर गए थे। हनुमान जी ने बुद्धिमानी का उपयोग करते हुए अपना सही परिचय बताए बिना राम-लक्ष्मण की परख की। जब हनुमान जी को मालूम हुआ कि ये राम-लक्ष्मण हैं तो वे अपने असली रूप में आ गए और सुग्रीव को इशारा कर दिया कि ये हमारे शत्रु नहीं हैं। हनुमान जी ने राम-लक्ष्मण से कहा कि आप मेरे राजा सुग्रीव के पास चलिए और उनसे मित्रता कर लीजिए। हनुमान जी राम-लक्ष्मण को लेकर सुग्रीव के पास पहुंचे और इनकी मित्रता कराई। हनुमान जी समझ गए थे कि इन दोनों की समस्याएं एक-दूसरे की मदद से हल हो सकती हैं। इस मित्रता के बाद श्रीराम ने बाली वध किया और सुग्रीव को राजा बना दिया। इसके बाद सुग्रीव ने अपनी पूरी वानर सेना सीता की खोज में लगा दी। वानर सेना ने रावण से युद्ध में भी श्रीराम का साथ दिया था।

## अंतर्मन

### आज की पाती

**सबसे पहले इन दुष्ट दानवों की लगाम कसी जाए**

पहलगाम में आतंकियों के इस अत्यंत ही जघन्य, कायरतापूर्ण हमले के बाद सारे भारत में दुख, पीड़ा और आक्रोश की लहर फैल चुकी है। दुनिया भलीभांति जानती है कि भारत विश्वशांति का सबसे बड़ा समर्थक और संरक्षक रहा है, लेकिन आतंकवाद और उग्रवाद का जनक पाकिस्तान अगर ऐसे कायरता के दुषकार्य करता रहेगा, तो भारत सहित दुनिया के लगभग सभी देशों द्वारा पाकिस्तान के नेताओं, उग्रवादियों को कड़ा सबक सिखाकर स्थाई समाधान करना अनिवार्य हो जाता है। स्वयं और समस्त संसार की रक्षा और सुरक्षा करना भी हम सभी का परम कर्तव्य है। मानवता और विश्वशांति को धता बताने वाले इन पाकिस्तानी दुष्टो, दानवों को तुरंत ही धर दबोच कर कठोर दंड दिया जाए। – *विनय दीक्षित, रायगढ़*

## करंट अफेयर

# श्रीलंका में बुद्ध के दांत के अवशेष की प्रदर्शनी संपन्न

भगवान बुद्ध के दांत के अवशेष की दुर्लभ प्रदर्शनी श्रीलंका के कैंडी शहर में संपन्न हुई। आधिकारिक बयान से यह जानकारी मिली। यह प्रदर्शनी 18 अप्रैल को शुरू हुई और रविवार को समाप्त हुई। मुख्य बौद्ध भिक्षुओं ने एक संयुक्त बयान में कहा कि प्रदर्शनी देखने के लिए रिकार्ड संख्या में लोग एकत्र हुए। 2.1 करोड़ आबादी वाले देश में 74 प्रतिशत सिंहली बौद्ध बहुसंख्यकों के लिए बुद्ध के दांत के अवशेष का विशेष आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। हजारों बौद्ध श्रद्धालुओं ने 10 दिन की इस प्रदर्शनी में हिस्सा लिया जो 2009 के बाद से इस तरह का पहला आयोजन था। आयोजकों का अनुमान था कि करीब 20 लाख श्रद्धालु इसमें भाग लेंगे। हालांकि अधिकारियों का मानना है कि अनुमानित संख्या के आधे से भी कम लोग इसमें शामिल हुए क्योंकि अधिकारियों ने इतनी बड़ी संख्या में आए श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने में असमर्थता जताते हुए लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी। कैंडी की नगर आयुक्त इंडिका कुमारी ने संवाददाताओं से कहा, 'हमें खुशी है कि यह कार्यक्रम सम्पन्न हो गया है। लेकिन हमारे पास कैंडी में बनाए गए विभिन्न अस्थायी ढांचों को हटाने का बड़ा काम रह गया है।'

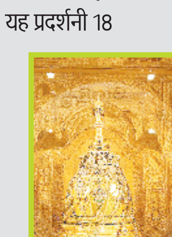

## ऑफ बीट

# खुद सब्जियां उगाने वाले कम भोजन करते हैं बर्बाद

जीवन यापन के बढ़ते खर्च से लोगों, विशेष रूप से कम आय वाले (जिनका आहार अक्सर समुचित नहीं होता है), के लिए स्वस्थ आहार का खर्च उठा पाना कठिन होता जा रहा है। इसके बावजूद, ब्रिटेन में घरों में हर साल आश्चर्यजनक मात्रा में भोजन बर्बाद होता है। इसमें लगभग 68 किलोग्राम फल और सब्जियां भी शामिल है। खाने की बर्बादी न केवल आपकी जेब पर भारी पड़ती है, बल्कि यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। वैश्विक स्तर पर, हर साल 1.3 अरब टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जिससे दुनिया के ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग आठ प्रतिशत उत्पन्न होता है। ये उत्सर्जन खाद्य आपूर्ति श्रृंखला के सभी चरणों में अप्रयुक्त भोजन से उत्पन्न होता है। हमारे हालिया अध्ययन से हालांकि पता चला है कि जो लोग बगीचों और आवंटित जमीनों में फसल और सब्जियां स्वयं उगाते हैं, वे औसतन केवल 3.4 किलोग्राम फल और सब्जियां बर्बाद करते हैं – जो ब्रिटेन के औसत से 95 प्रतिशत कम है। इन परिवारों ने भोजन की बर्बादी को कम करने के लिए विभिन्न प्रथाओं को अपनाया, जिसमें अपनी अतिरिक्त उपज को संरक्षित करना या किसी अन्य को दे देना भी शामिल है।

## ट्रेंड

### मार्क जे कार्नी को बधाई

मार्क जे कार्नी को कनाडा के प्रधानमंत्री के रूप में चुनने और लिबरल पार्टी को उनकी जीत पर बधाई। भारत और कनाडा साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता और लोगों के बीच जीवंत संबंधों से बंधे हैं। हमारी साझेदारी के लिए आपके साथ काम करने को उत्सुक हूं।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

### अश्रुपूर्ण नमन

लेह-लद्दाख में वीरगति को प्राप्त हुए हरियाणा के लाल नवीन श्योराण को अश्रुपूर्ण नमन। प्रभु से दिवंगत आत्मा को शांति व शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूँ। दुःख की घड़ी में हम उनके परिजनों के साथ खड़े हैं।
-नायब सैनी, सीएम, हरियाणा

### वैभव का निडर दृष्टिकोण

वैभव का निडर दृष्टिकोण, बल्लेबाजी की गति और अपनी पूरी शक्ति गेंद पर लगा देना उनकी शानदार पारी का नुस्खा था। इसका परिणाम यह था कि वह 38 गेंद पर 101 रन बनाने में सफल रहे।
-सचिन तेंदुलकर, क्रिकेटर

### मुझे चुनने के लिए धन्यवाद

मुझे जो सम्मान दिया गया है, मैं उसे अपने राष्ट्र की भलाई के लिए काम करते रहने की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करता हूँ और मैं भारत सरकार को इस सम्मान के लिए मुझे चुनने के लिए धन्यवाद देता हूँ।
-शेखर कपूर, फिल्मकार

**हमारा पता**

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

## पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में पड़ने लगा पर्यटन पर असर

*जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद पर्यटन पर असर दिखने लगा है। खासकर पश्चिम बंगाल के पर्यटक, जो पहले गर्मी की छुट्टियों में कश्मीर जाने की योजना बना रहे थे, अब हिमाचल प्रदेश के शिमला या तमिलनाडु के ऊटी जैसे शांत और सुरक्षित स्थानों की ओर रुख कर रहे हैं। इससे पहलगाम के पर्यटन कारोबार पर असर पड़ा है।*

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

# कश्मीर छोड़कर अब शिमला-ऊटी की ओर बढ़ा सैलानियों का रुझान

## कई पर्यटक कर रहे हैं नई गाइडलाइंस का इंतजार

ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि जिन लोगों ने पहले से कश्मीर की यात्रा की बुकिंग कर रखी है, उनमें से ज्यादातर लोग अभी उसे रद्द नहीं कर रहे हैं। वे स्थिति का जायजा ले रहे हैं और सरकार से आगे के निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्वी भारत प्रतिनिधि अनिल पंजाबी ने बताया, 'मई और जून के लिए कश्मीर की कई बुकिंग्स पहले ही हो चुकी हैं। पर्यटक तब तक इंतजार कर रहे हैं जब तक सरकार कोई नई गाइडलाइन नहीं देती।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, जो पर्यटक अब गर्मियों की योजना बना रहे हैं, वे कश्मीर के बजाय शिमला, ऊटी और उत्तराखंड के दूसरे हिल स्टेशनों को प्राथमिकता दे रहे हैं।' कश्मीर जाने के बारे में कोई पूछताछ नहीं कर रहा है और न ही कोई वहां जाने की योजना ही बना रहा है।

**नए प्लान में कश्मीर से दूरी** : पर्यटन विशेषज्ञ दिव्येंदु घोष का कहना है कि अभी तक बहुत ज्यादा रद्दीकरण के अनुरोध नहीं आए हैं। 'लोग देख-समझकर फैसला ले रहे हैं। लेकिन जो अभी प्लान बना रहे हैं, वे कश्मीर से दूरी बना रहे हैं।' वहीं, ग्लोबल टूरिज्म काउंसिल के अध्यक्ष और ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के पूर्व प्रमुख इकबाल मोल्लाह ने बताया कि इस आतंकी हमले का खासा असर पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। 'इस बार कश्मीर कई पर्यटकों की पहली पसंद था, खासकर विदेशी पर्यटकों के बीच। अब हमें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।'

### पटनीटॉप, नाथाटॉप और सन्नासर में सैलानियों की कमी

जम्मू संभाग के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पटनीटॉप, नाथाटॉप, सन्नासर में भी कम हुई रौनकचिनाइनी। पहलगाम हमले के बाद पर्यटन स्थल पटनीटॉप, नाथाटॉप और सन्नासर में पर्यटकों की संख्या कम हो गई है। पटनीटॉप में सामान्य से 50-70% तक सैलानियों की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे होटल और स्थानीय व्यापार प्रभावित हुए हैं। पटनीटॉप के होटल प्रबंधक रंगील सिंह और राजेश ठाकुर ने बताया कि केवल वही पर्यटक आ रहे हैं जो पहले से यात्रा पर निकले थे। स्थानीय सैलानियों की संख्या भी कम हुई है। फोटोग्राफर यूनियन के अध्यक्ष सुभाष चंद्र ने कहा, सैलानियों की कमी से हमारा व्यवसाय ठप पड़ गया है। टैक्सी यूनियन के प्रधान प्रकाश चंद ने बताया कि बुकिंग लगभग बंद हो गई है।

## खबर संक्षेप

### पीओके पर दावा का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता

**नई दिल्ली।** जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठ रही है। इसको लेकर जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य ने बड़ा बयान दिया है। पीओके पर दावा करने के लिए आज से बेहतर समय नहीं हो सकता। एसपी वैद्य ने कहा कि पीओके को वापस लेने के लिए हमारी संसद में प्रस्ताव भी है। आज पाकिस्तान के अंदर जिस तरह के हालात हैं, उससे साफ है कि पाकिस्तान टूटने को तैयार है।

### एक बूंद भी एक्स्ट्रा पानी नहीं देंगे : सीएम मान

**चंडीगढ़।** पंजाब और हरियाणा के बीच लंबे समय से चले आ रहे जल विवाद ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को एक वीडियो संदेश में स्पष्ट रूप से कहा है कि पंजाब हरियाणा को अपनी जल सीमा से बाहर कोई अतिरिक्त पानी नहीं देगा। मुख्यमंत्री मान ने कहा, 'हरियाणा अपनी पूरी हिस्सेदारी का पानी इस्तेमाल कर चुका है।

### दिल्ली में हर महिला को नहीं मिलेंगे 2500 : आप

**नई दिल्ली।** दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी और सौरभ भारद्वाज ने भाजपा की महत्वाकांक्षी योजना 'महिला समृद्धि योजना' पर सवाल उठाए हैं। सौरभ भारद्वाज ने जहां प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस योजना को दिल्ली की महिलाओं के लिए बड़ा धोखा बताया है, वहीं आतिशी ने इसे जुमला करार दे दिया है। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली में भाजपा की सरकार बनने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर महिला को 8 मार्च से 2500 रुपये देने की गारंटी दी थी।

### एनआईए ने की जिपलाइन ऑपरेटर से पूछताछ

# आतंकी बरसा रहे थे गोलियां, जिपलाइन ऑपरेटर चिल्ला रहा था 'अल्लाह हू अकबर'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले के वायरल वीडियो में दिखे जिपलाइन ऑपरेटर मुज़म्मिल से एनआईए पूछताछ कर रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अमुसार, मुजम्मिल और आतंकियों के मिलीभगत को लेकर अभी कुछ पुख्ता सबूत नहीं मिला है। चश्मदीद पर्यटक ऋषि भट्ट ने ऑपरेटर पर हमले के वक्त 'अल्लाह-हू-अकबर' बोलने का आरोप लगाया, जबकि मुजम्मिल के भाई मुख्तार ने बताया कि वह डरा हुआ था। एनआईए को हमले में 3 आतंकियों के शामिल होने और गोली मारने से पहले पीड़ितों की पहचान पूछने के सुराग मिले हैं।

### एनआईए की जिपलाइन ऑपरेटर मुज़म्मिल से पूछताछ

एनआईए अधिकारी मंगलवार को जिपलाइन ऑपरेटर मुज़म्मिल से पूछताछ की है। सुरक्षा से जुड़े सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों ने बताया है कि 'अल्लाह-हू-अकबर' बोलना एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। जैसे हिंदुओं में है राम बोला जाता है कई दफा घबराहट में और अचानक कुछ सामने हो तो. एनआईए को फिलहाल मुजम्मिल का इस आतंकी हमले में सीधा कोई भी इन्वॉलमेंट नहीं लग रहा है। हालांकि, मुजम्मिल ने गोली चलने के बाद जिप से ऋषि भट्ट को क्यों छोड़ा इस सवाल पर अलग-अलग बयान दे रहा है।

*नहीं मिला है अब तक कोई पुख्ता सबूत*

*चश्मदीद पर्यटक ने हमले के वक्त 'छोड़ने' का लगाया था आरोप*

#### जिपलाइन ऑपरेटर मुजम्मिल के भाई से बातचीत

जिपलाइन ऑपरेटर मुजम्मिल के भाई मुख्तार से एक न्यूज चैनल ने बातचीत की है। मुख्तार ने बताया, 'हमले के बाद उसका भाई जब घर आया तो बहुत घबराया हुआ था। उसे दिल से जुड़ी बीमारी है, इसलिए डर की वजह से कुछ बोल भी नहीं सका। उसके भाई से पहले भी 23 अप्रैल को पूछताछ की गई थी और फिर छोड़ दिया गया था। हालांकि, पर्यटक ऋषि भट्ट के बयान के बाद उससे एनआईए दोबारा पूछताछ कर रही है।

#### पीडीपी ने कहा- यह हमारी संस्कृति

*समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत करते हुए पीडीपी प्रवक्ता मोहम्मद इकबाल ट्रंबू ने कहा, 'यह लोग हमारे संस्कृति के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं। जब भी कोई आपदा होती है तो हर कश्मीरी अल्लाह-हू-अकबर बोलते हैं। हमले के समय हम लोग अल्लाह को याद कर रहे थे। यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि असफलता को छूपाया जा सके। पुलिस और सुरक्षाबलों को अपना सिस्टम बदलने की जरूरत है। इसका आतंकवाद से कोई लेना-देना नहीं है।*

#### खंगाली जा रही कुंडली

*एनआईए अब जिपलाइन ऑपरेटर की पूरी कुंडली खंगाल रही है। उससे जुड़े लोगों और हमले के वक्त वह किसके संपर्क में था, उसका इरादा क्या था, इसकी एक-एक डिटेल खंगाल रही है। सूत्रों के मुताबिक, यह पता लगाया जा रहा है कि क्या ऑपरेटर का कोई आतंकी संगठन या पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंध था, या उसका व्यवहार केवल लापरवाही का नतीजा था। यह भी देखा जा रहा है कि कहीं डर की वजह से तो उसने धार्मिक नारेबाजी तो नहीं की। हमले के बाद ऑपरेटर को 23 अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया गया था, लेकिन तब उसे छोड़ दिया गया। वायरल वीडियो सामने आने के बाद उसे दोबारा हिरासत में लिया गया है।*

## पाकिस्तानी हैकरों ने किया राजस्थान शिक्षा विभाग की वेबसाइट को हैक

**साइट पर लिखा- अगला हमला गोलियों से नहीं टेक्नोलॉजी से होगा**

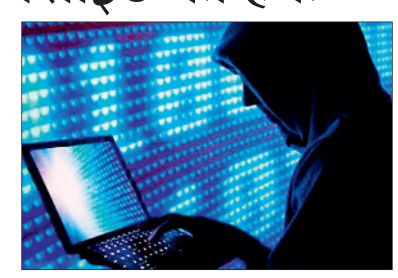

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बार यह संघर्ष केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहकर साइबर स्पेस में भी अपना रंग दिखा रहा है। इसी के चलते मंगलवार को पाकिस्तान समर्थित हैकरों ने राजस्थान सरकार की शिक्षा विभाग की वेबसाइट को हैक कर लिया। यह साइबर हमला केवल तकनीकी क्षति तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके जरिए भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थित संदेश भी सार्वजनिक किए गए। जानकारी के अनुसार मंगलवार सुबह राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग की ऑफिशियल वेबसाइट पर पाकिस्तानी हैकरों ने हमला कर दिया और वेबसाइट हैक करने के बाद उस पर पाकिस्तान साइबर फोर्स के नाम से एक आपत्तिजनक संदेश पोस्ट किया। इस पोस्ट में पहलगाम हमले को 'अंदरूनी काम' बताते हुए भारत सरकार पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया गया है। साथ ही भारत के सुरक्षा बलों और खुफिया तंत्र पर भी सवाल खड़े किए गए हैं।

■ **कई सरकारी वेबसाइटों को भी बनाया निशाना**

## अहमदाबाद के 'मिनी बांग्लादेश' में सबसे बड़ा बुलडोजर एक्शन

**50 जेसीबी, 2000 पुलिसकर्मी**

**अहमदाबाद।** गुजरात के अहमदाबाद नगर निगम ने मंगलवार को अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के अवैध निर्माण के खिलाफ सबसे बड़ा अभियान चलाया है। 50 जेसीबी और 2000 पुलिसकर्मी के साथ एएमसी ने चंढोला झील के पास अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हटाया गया।सर्वे में पता चला कि इलाके में अवैध निर्माण हुआ है। यह निर्माण मुख्य रूप से सियासतनगर बंगाल वास में हुआ है। यहां कई बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सियासतनगर बंगाल वास एक बस्ती के रूप में कार्य करता था। जहां अधिकांश बांग्लादेशी घुसपैठिए रहते थे।

## शाहदरा में किराएदार बेच गया दिल्ली वक्फ बोर्ड की संपत्ति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एक तरफ जहां वक्फ बोर्ड पर आम लोगों की संपत्तियों को हड़पने के आरोप लग रहे हैं, वहीं दिल्ली के शाहदरा में एक किरायेदार ने वक्फ बोर्ड की संपत्ति को ही बेच दिया। खास बात है कि यह संपत्ति वक्फ बोर्ड की गजट-नोटिफाइड संपत्ति थी, लेकिन किराएदार ने रजिस्टर्ड सेल डीड के साथ यह संपत्ति बेच दी। इसके खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर आज दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले को जानकर दिल्ली हाईकोर्ट ने भी आश्चर्य जताया। बहरहाल, अब दो सप्ताह बाद मामले की सुनवाई होगी। यह जानकारी याचिकाकर्ता के वकील वजीह शफीक ने दी है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि शाहदरा के इस किराएदार ने बाकायदा सेल डीड से दिल्ली वक्फ बोर्ड की संपत्ति को बेच दिया है। जब इस बारे में पता चला तो 13 जनवरी को इसकी सूचना पुलिस को दी गई। 14 जनवरी को वक्फ बोर्ड को लिखित शिकायत दी। इसके बाद 16 जनवरी को एमसीडी को लिखित शिकायत दी गई। उन्होंने बताया कि जब हमारी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो हमने याचिका दायर की।

■ **हाईकोर्ट ने जताया आश्चर्य**

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

भविष्य की ओर यात्रा

अंतर्देशीय जल परिवहन

जलयान एवं नाविक पोर्टल के माध्यम से

"अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन एक परिवर्तनकारी साधन साबित हो रहा है, साथ ही यह पर्यावरण अनुकूल और लागत प्रभावी परिवहन साधन के रूप में उभर रहा है। - नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण ने सभी राज्य नामित प्राधिकारियों, जहाज मालिकों और चालक दल को जलयान और नाविक पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण करने के लिए आमंत्रित किया

अंतर्देशीय जहाजों के पंजीकरण, सर्वेक्षण एवं प्रमाणन तथा चालक दल के प्रमाणन के लिए आवश्यक सभी चीजें – अब ऑनलाइन

जलयान और नेविक की विशेषताएं

उपयोगकर्ता पंजीकरण | जहाजों का पंजीकरण | जहाजों का सर्वेक्षण और प्रमाणन चालक दल प्रशिक्षण और प्रमाणन | प्रशिक्षण संस्थानों की मंजूरी | सीओसी सत्यापन आपदा और शिकायत प्रबंधन | स्वागत सुविधाएं और इसकी जानकारी

भविष्य के लिए तैयार रहें • डिजिटल इंडिया • जुड़े रहें

सभी समुद्री हितधारकों से अनुरोध है कि वे केंद्रीय डाटाबेस पोर्टल अंतर्देशीय पोत अधिनियम 2021 और उसके तहत बनाए गए नियम के अंतर्गत "जलयान और नाविक" के माध्यम से पंजीकरण कराएं।

कार्रवाई के लिए आह्वान

- समुद्री बोर्ड और IWT विभाग
- चालक दल के सदस्य
- जहाज मालिक और संचालक / जहाज निर्माता
- प्रशिक्षण संस्थान

यह कदम क्यों उठाएं?

एक राष्ट्र, एक प्रणाली
एकल, केंद्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म के अंतर्गत एकीकृत पंजीकरण, प्रमाणन, निरीक्षण और अनुपालन।

व्यापार करने में आसानी, पारदर्शिता और दक्षता
• सुव्यवस्थित प्रमाणन और लाइसेंसिंग प्रक्रिया
• तेज़ अनुमोदन, नवीनीकरण और निरीक्षण
जहाज के रिकॉर्ड, चालक दल के प्रमाणपत्र, फिटनेस जांच और लाइसेंसिंग जानकारी तक वास्तविक समय पर पहुंच।

बढ़ी हुई सुरक्षा और जवाबदेही
जहाजों और चालक दल के लिए सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड जहाज के इतिहास, प्रशिक्षण क्रेडेंशियल और घटना लॉग को सहजता से ट्रैक करें।

पर्यावरण एवं विनियामक अनुपालन
सुरक्षित और हरित नौवहन के लिए अंतर्देशीय पोत अधिनियम, 2021 के तहत नवीनतम मानकों के अनुरूप कार्य करना।

जाएँ: https://navic.iwai.gov.in | संपर्क करें: vpandey@iwai.gov.in, sanjayvarma@iwai.gov.in
जारीकर्ता: बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

CBC 37211/15/0002/2526


### 5 जून से परिसर में स्थित सभी मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकेंगे श्रद्धालु

# राम मंदिर में ध्वज दंड स्थापित 203 मीटर हुई मंदिर की ऊंचाई

## विधिवत प्रतिष्ठित किया गया 42 फीट ऊंचा ध्वज दंड

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

रामनगरी एक बार फिर ऐतिहासिक लम्हे की साक्षी बनी। वैशाख शुक्ल द्वितीया तिथि पर मंगलवार को भगवान परशुराम जयंती के पावन दिन प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर के मुख्य शिखर पर 42 फीट ऊंचा दिव्य ध्वज दंड विधिवत प्रतिष्ठित किया गया। ध्वज दंड लेकर अब मंदिर की कुल ऊंचाई 203 फीट हो गई है।

सुबह आठ बजे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर विधि विधान पूर्वक ध्वज दंड स्थापित किया गया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय के अनुसार ध्वज दंड 42 फीट ऊंचा है । इसे स्थापित करने

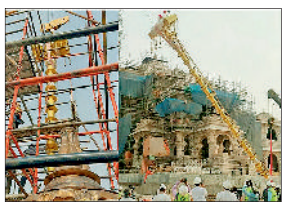

की प्रक्रिया सुबह 6:30 बजे से शुरू होकर आठ बजे पूरी हुई। शंखनाद और वेद मंत्रों की गूंज के बीच यह ध्वज दंड मंदिर के शिखर पर स्थापित हुआ तो जैसे संपूर्ण अयोध्या की आत्मा श्रीराम के जयघोष से आकाश को स्पर्श कर गई। शिखर कलश समेत मंदिर की ऊंचाई 161 फीट है। अब इसमें 42 फीट का ध्वज दंड भी जुड़ गया है।

#### ब्रह्मांड की ऊर्जा पहुंचाने का एंटीना

राम मंदिर के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि राम मंदिर में ब्रह्मांड की भी ऊर्जा पहुंचे, इसके लिए विशेष प्रकार का धर्म ध्वज दंड निर्मित कराया गया है। यह एक अनोखा एंटीना होता है, जो ब्रह्मांड की ऊर्जा को भगवान के गर्भगृह तक ले जाता है। तेज हवा में पताका इधर-उधर न हिले इसको लेकर इंजीनियरों ने खास संरचना की। उसी डिजाइन के अनुरूप ध्वज दंड निर्मित हुआ है।

#### 5 जून को पूरा हो जाएगा कंस्ट्रक्शन

उत्तर प्रदेश के अयोध्या में निर्माणाधीन राम मंदिर का निर्माण कार्य 5 जून को पूरा हो जाएगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने यह जानकारी दी। मिश्र ने आगे कहा कहा, 'मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि, श्री वशिष्ठ जी, अहिल्या जी, निषादराज महाराज, शबरी माता और अगस्त्य मुनि के मंदिर भी 5 जून के बाद आम लोगों के लिए खोल दिए जाएंगे। राम दरबार और मंदिर के परकोटे पर बने छह मंदिरों की पूजा 5 जून को की जाएगी। चंपत राय जी 5 जून के लिए विस्तृत कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। राम मंदिर के निर्माण के पूरा होने के दिन यानी 5 जून के एक या दो दिन बाद श्रद्धालु परिसर में स्थित सभी मंदिरों में दर्शन के लिए जा सकेंगे।'

लोक साहित्य
विनोद कुमार वर्मा

## छत्तीसगढ़ी भाषा के समृद्धि में डा. शेष के भूमिका

डा. शंकर शेष ने हिन्दी साहित्य के साथ ही साथ छत्तीसगढ़ी भाषा के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। छत्तीसगढ़ी शताब्दियों से एक लोक भाषा रही है और उसमें साहित्य सृजन की गौरवशाली परम्परा भी बनी हुई है। डा. शंकर शेष ने जहां भारतीय आर्य भाषाओं में छत्तीसगढ़ी का स्थान शीर्षक से पुस्तक का प्रणयन किया, वहीं उनकी हस्तलिखित पांडुलिपि छत्तीसगढ़ी का भाषाशास्त्रीय अध्ययन का प्रकाशन वर्ष 2010 में छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रंथ अकादमी ने किया। ग्रियर्सन और धमतरी के व्याकरणाचार्य काव्योपाध्याय हीरालाल तथा बिलासपुर के व्याकरणाचार्य जगन्नाथ प्रसाद भानू की परंपरा को गतिशील बनाने वालों में डा. शंकर शेष का नाम श्रद्धा से लिया जाता है। छत्तीसगढ़ी को गौरवपूर्ण स्थान दिलाने में अनेक मनीषियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, उनमें से एक नाम डा. शंकर शेष है। आपका मानना था कि भाषा कोई भी हो, वह अपनी जमीन से उपजती है और पनपती है। हर भाषा समय के साथ अपना रंग रूप बदलती है। विश्व की अनेक जनजातीय बोलियां अत्यंत तेजी से विलुप्त हो रही है, उसका कारण यह है कि उनमें समय के अनुरूप बदलाव नहीं आया। वस्तुतः इसका परिणाम यह है कि आज छत्तीसगढ़ी भाषा संक्रमण के दौर से गुजर रही है, खासकर छत्तीसगढ़ी गद्य साहित्य में अराजकता की स्थिति है, ऐसे ऐसे नए शब्द बनाए और लिखे जा रहे हैं जो बोली ही नहीं जा नहीं जाती। वास्तव में जो बोली जाती है वही भाषा है।

ऐतिहासिक
ध्रुव सिंह ठाकुर ' कोटमिहां '

## छत्तीसगढ़ में राणा प्रताप के वंशज

आज ले चार सौ साल पहिली दिल्ली के मुगल सम्राट अकबर के शासन रीहिस। वोह सेना भेज के छोटे राजा मन ल गुलाम बना ले। अकबर ह अपन सेनापति मान सिंह ल राणा प्रताप ल गुलामी स्वीकार करे ल कीहिस। राणा प्रताप कोनो भी शर्त में गुलामी स्वीकार नी करिस। ओहि बीच विधि के विधान ले बड़ तकलीफ झेलिस राणा प्रताप हा। ओहि बीच मेवाड़ के बेपारी भामाशाह ह अकबर ले लड़े बर राणा प्रताप के पूरा सहायता करीस। राणा प्रताप अपन पांच हजार सेना ले के चित्तौड़ में हमला कर दिस। अकबर डहन ले मानसिंह सेना ले के लड़ई करिस। बिक्कट लड़े के बाद महाराणा प्रताप हा जीतत चित्तौड़ के किला ल छोड़के सब किला ल जीत लिस। ए लड़ई में महाराणा प्रताप के घोड़ा जेकर नाव चेतक रीहिस, वोकर भूमिका महत्वपूर्ण रीहिस। अपंग होय के बाद घालव अपन आखिरी सांस तक राजा ल लड़ई में सहयोग करे में कोनो कमी नी करिस। समे बदलीस, महाराणा प्रताप के वंशज मन देश भर में बगरगे। एकर संग कतको मन छत्तीसगढ़ में आके बसगे। इहा एमन ल राजपूत क्षत्रिय कहे जाथे। एमन अपन क्षत्र धरम के पालन करत कमजोर, असहाय मन ल नियाव देवाथे। छत्तीसगढ़ में कई जगा राणा प्रताप के मूरती लगे हे। बिलासपुर अऊ रायपुर समेत कई जगा में राणा प्रताप के जयंती के दिन बड़का जुलूस निकाल के वोकर वीरता, शौर्यता के सुरता करे जाथे। छत्तीसगढ़ के राजपूत क्षत्रिय मन अपन पुरखा के क्षत्र धरम ल अभी तक निभावत हे।

पुस्तक समीक्षा

## ठग अऊ जग

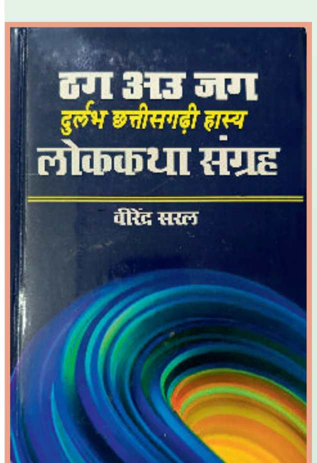


कृति के नाव
ठग अऊ जग

लेखक
वीरेन्द्र सरल

प्रकाशक
कल्पना प्रकाशन नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा
डा परदेशी राम वर्मा

मूल्य
चार सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ी लोककथाओं के संग्रह का प्रकाशन हुआ। इसमें छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली रचनाकारों के द्वारा शब्दांकित लोक कथाएं हैं। इसके संपादन का दायित्व मुझे मिला। उस दायित्व को पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ी लोककथाओं के विराट संसार को झांककर फिर फिर देखने का अवसर मिला। मेरे द्वारा संपादित छत्तीसगढ़ की लोककथाएं देश के अन्य प्रान्तों की लोककथाओं की सिरीज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस किताब की विशेषता है कि इसमें दुर्लभ छत्तीसगढ़ी हास्य लोककथाएं बत्तीस लोककथाएं हैं।छत्तीसगढ़ी लोककथाओं के विराट संसार से वीरेंद्र सरल ने हास्य कथाओं को अपने ढंग से नए अंदाज में लिखा है। पीढ़ियों से लोककथाएं श्रुति परंपरा से जीवित रहीं। आज वही दादा दादी नानी नाना से सुनी हुई लोककथाएं कल्पनाशील लेखकों के द्वारा शब्दांकित होकर संग्रह के रुप में नई पीढ़ी तक पहुंच रही है। मनोरंजन के अपार विपुल साधनों के इस युग में भी लोककथाएं लिखी और पढ़ी सुनी सुनाई जा रही है।

छत्तीसगढ़ अंचल के सरगुजा तहसील अंबिकापुर अंतर्गत आने वाले गांव पुहपुटरा, लखनपुर, केनापार आदि में लोक एवं आदिवासी जातियों द्वारा अभ्यास की जाने वाली भित्तिचित्र ऐसी लोक कला है जो गांव की महिलाओं द्वारा कच्ची मिट्टी से बनी झोपड़ियों की दीवारों पर गोबर, चॉक मिट्टी से बनाई जाती है। इस क्षेत्र में फसल कटाई, ऋतु परिवर्तन, धार्मिक अवसरों पर अपने इष्ट देव के प्रति आस्था और मान्यताओं के अनुसार दीवारों की कलाकृतियों में निरन्तर नवीन कलाकृतियां देखने को मिलती हैं।

# हर वर्ष बनाए जाते हैं सरगुजा अंचल में भित्तिचित्र

मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर के कई ग्रामों में भी ऐसी ही नवीन कलाकृतियां देखने को मिलती हैं। कहीं रक्षाबंधन में भाई की कलाई में राखी बांधती बहन दिखाई देती हैं तो कहीं वन्य जीव दिखाई देते हैं। दिवाली के समय जनजातियों द्वारा भित्ति चित्रों की सजीव कलाकृतियां बनाई जाती हैं। ऐसे समय कहीं भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास काल के बाद अपने राज्य वापसी का सुखद एवं उल्लासपूर्ण स्मृतियों को भी कलाकृतियों से सजाई जाता है कहीं जलते दीप, कहीं धान की बालियों की कलाकृतियां बनाई जाती हैं। इन कलाकृतियों के पीछे मूल कारण में घर की सुख समृद्धि की कामना होती है। दीवारों पर बनाई इन कलाकृतियों में पास पड़ोस का अति परिचित संसार अपने सामाजिक विश्वासों की ओर मूल संस्कारों की अकुंठित, सरल और आडम्बरहीन अभिव्यक्ति है। सुदूर आदिवासीय क्षेत्रों में जहां कि सजावट आदि के साधन अपर्याप्त होते थे, लोग वहां प्रचलित विभिन्न त्योहारों व धार्मिक अवसरों के समय अपने घरों की सज्जा हेतु दीवारों में कच्ची मिट्टी द्वारा पेड़ पौधों , पशु पक्षियों आदि की आकृतियां बना कर व उनमें बहुत ही मनोरम रंगों से रंग कर अपने घरों को आज भी सजाते हैं।

ग्रामीण भित्तिचित्र परंपरागत प्राचीन कलाओं का जीवंत दस्तावेज है। दीवारों पर बने इन चित्रों का संदेश बहुत व्यापक होता है। भित्ति चित्रों की कुछ झलक प्रागैतिहासिक गुफा चित्रों से भी मिलती जुलती है। आदिवासी समुदायों में इस चित्र को काफी पवित्र माना जाता है, इसमें उनकी आस्था और मान्यता जुड़ी होती है इन्हीं भित्तिचित्रों में उनकी पारंपरिक जीवन शैली और लोक परंपरा का स्वरूप उभर कर सामने आता है।

परंपरा : सतीश उपाध्याय

धार्मिकः कमल नारायण

## देवसील में आज भी रामायणकालीन प्रमाण देखे जा सकते हैं

वाल्मीकि रामायण में श्रीराम के दंडकारण्य और दक्षिण कोसल से संबंधित अनेक प्रमाण उपलब्ध हैं जिनके जनश्रुति के अनुसार सीतामढ़ी -कनवाई आज देवसील के नाम से विख्यात है। इसी क्षेत्र में मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, भरतपुर जिले में हरचौका धाम के छतौड़ा आश्रम में कुछ समय बिताए और दक्षिण भारत के रामेश्वर धाम की तर्ज पर अपनी आध्यात्मिक शक्ति के अनेक प्रमाण उजागर किए। उस काल में छतौड़ा को शिक्षा का विशेष केंद्र माना जाता था। छतौड़ा जनकपुर से 35 कि मी दूर कोटाडोल मार्ग पर है। इन गुफाओं के भित्तिचित्रों के अवशेष शिक्षा के प्राचीन अध्याय की कहानी है। यह स्थल त्रेता युग में ऋषि मुनियों और तपस्वियों का सर्वाधिक पसंदीदा स्थल रहा है। सीतामढ़ी का कनवाई क्षेत्र ही देवशील है । इसी स्थान पर घने जंगल में सिद्ध बाबा आश्रम स्थापित है। चट्टानों से निर्मित सिद्ध बाबा आश्रम के पास तीन चार फीट ऊंची दी की बांबी है। आध्यात्मिक शांति के लिए पर्यटक इस स्थान पर अवश्य आते हैं। मानी जाती है कि माता सीता जब सीतामढ़ी में रसोई में भोजन तैयार करती थीं तब देवता भी भोजन ग्रहण करते थे। इसी परम्परा के अनुसार आज भी देवताओं को यहां प्रसाद चढ़ाने की परंपरा है। आज यह स्थान पूरी तरह आध्यात्मिक और धार्मिक महत्व का स्थल बन चुका है।

आस्था
सतीश शर्मा

## अपार श्रद्धा है गढ़भेड़ा बाबा में

जिला धमतरी राष्ट्रीय राजमार्ग क्र 43 के कोड़ेबोड़ और बिरेझर से 5-5 कि मी पूर्व दिशा में ग्राम सिररी के पास स्थित है। गढ़भेड़ा तालाब के ऊंचे टीले में गढ़भेड़ा बाबा का मठ बना हुआ है। इस बाबा के सम्बन्ध में कई किंवदंती प्रचलित हैं। जिसके अनुसार बहुत पहले गांव के तालाब के ऊंचे टीले पर एक महात्मा आया और उस टीले के ऊपर समाधि लगा कर बैठ गया। वह महात्मा हमेशा साधना में लीन रहता था। कालान्तर में वह महात्मा समाधिस्ट हो गया। तब इस बाबा के नाम से तालाब और गांव की महत्ता बढ़ती चली गई। बाबा के अनेक चमत्कार की घटनाएं भी गांव के बुजुर्ग बताते रहे हैं। बाबा के इस स्थल पर मठ का स्वरूप दिया गया है। भक्तों का इस मठ में आना जाना लगा रहता है। भक्तों का मानना है कि बाबा पीड़ितों की मनोकामना पूरी करते हैं। 90 के दशक से कार्तिक पूर्णिमा के दिन बाबा के इस स्थल पर विशाल मेला भरता है। आसपास के

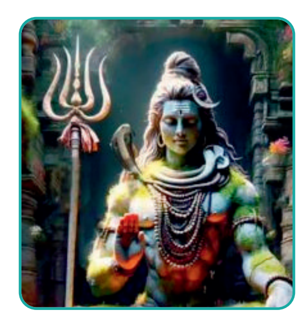

इस स्थल पर अनेक बड़े औषधीय पेड़ो का रोपण किया गया है जिससे यहां का वातावरण रमणीय और हरा भरा लगता है। यह तालाब अब पूरी तरह से धार्मिक स्थल का रूप ले चुका है, क्योंकि वर्ष भर धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। दूर दूर से भक्त गण बाबा का आशीर्वाद लेने यहां पहुंचते रहते हैं। इसके साथ ही देवी देवताओं के मंदिर भी इस तालाब के किनारे देखे जा सकते हैं। भक्तों की आस्था बढ़ने से इस स्थल पर धार्मिक क्रियाकलापों से संबंधित कुछ न कुछ निर्माण कार्य होते ही रहते हैं। ग्राम के कुल देवता के रूप में भी ग्रामीणों की मान्यता है।

### लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें– **Choupalharibhoomi@gmail.com**

संस्कृति
बागेश्वर पात्र

## हल्बा समाज में सुख चिवड़ा का महत्व

हल्बा समाज के उत्पत्ति का सम्बन्ध महाभारत के प्रसंग रूक्मणी हरण से भी जोड़ा जाता है। रूक्मणी हरण के समय जिन योद्धाओं ने बलराम के पक्ष में युद्ध किया था, वे बलराम के प्रिय अस्त्र हल को धारण करने लगे। हल वाहक होने के कारण यह शब्द बाद में कुछ सुधार के साथ अपभ्रंश के रूप में हल्बा में परिवर्तित हो गया। हल और बाहना से हल्बा उत्पत्ति कृषि कार्य में हल की उपयोगिता और चिवड़ा के पारंपरिक उपकरण बाहना से मिलकर हल्बा शब्द का निर्माण हुआ है। हल्बा मूलतः कृषक जनजाति है। अत्यधिक अन्न उत्पादन से शेष बचे धान को हलबिन महिलाएं उबालकर हांडी में धीमे आंच में तपाकर मूसल और चाटू की सहायता से बाहना में कुटती हैं। इस प्रक्रिया में चिवड़ा उत्पादित होता है। इस चिवड़ा को हल्बा जाति की महिलाएं बाजार में बेचकर घर परिवार की अर्थ व्यवस्था में योगदान देती हैं। चिवड़ा

कूटना हल्बा जाति की महिलाओं का पारंपरिक व्यवसाय है। बस्तर के हल्बा जनजाति में सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में सुख चिवड़ा का महत्वपूर्ण योगदान है। यहां हल्बा समाज के अलावा अन्य समाजों में भी मांगलिक कार्य विशेषकर माहला ( सगाई ), विवाह के विभिन्न रस्म पूरे होने के पश्चात चिवड़ा गुड़ देने का रिवाज है। चिवड़ा गुड़ ने बस्तर के सभी समाजों को एक सूत्र में पिरोकर सामाजिक सदभाव में मिठास घोलने का काम सदियों से किया है। इसलिए बस्तर में इसे सुख चिवड़ा के नाम से जाना जाता है। सरगी ' साल ' पत्तों के दोनों में चिवड़ा के साथ गुड़ मिलाकर देने का सांकेतिक अर्थ रस्म विशेष की पूर्णता को बयान करता है।बस्तर के कुछ क्षेत्र विशेष में मुरिया गोंड समाज के लोग नवाखानी पर्व के अवसर पर हलबिन महिला के हाथ का बना चिवड़ा ही अपने कुल देवता में अर्पित करते हैं।

## खबर संक्षेप

### महिंद्रा लाइफस्पेस के शुद्ध लाभ में 19 फीसदी की वृद्धि

**नई दिल्ली।** रियल्टी कंपनी महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लि. का शुद्ध लाभ मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में 19 प्रतिशत बढ़कर 85.09 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में इसका शुद्ध मुनाफा 71.48 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में कुल आय मामूली रूप से बढ़कर 55.44 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 54.60 करोड़ रुपये थी।

# आरबीआई ने बैंकों से कहा, एटीएम में 100 और 200 रुपए के नोट भी रखें

## लोग जब एटीएम से पैसा निकालते हैं तो ज्यादा तर 500 के नोट ही निकलते हैं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

लोग जब भी एटीएम से कैश निकालने जाते हैं तो ज्यादातर ऐसा होता है कि 500 रुपए के ही नोट ज्यादा निकलते हैं। 500 के नोटों को लेने के बाद लोगों को अक्सर चेंज के लिए भटकना पड़ता है। लेकिन अब लोगों की मुश्किलों को कम करने के लिए रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंकों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि एटीएम से 100 रुपए और 200 रुपए के नोट भी निकलें। केंद्रीय बैंक ने कहा कि जनता को इन नोटों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम परिचालकों (डब्ल्यूएलएओ) को इस निर्देश को चरणबद्ध तरीके से लागू करना होगा। गैर-बैंकिंग संस्थाओं ने संचालित एटीएम को 'व्हाइट लेबल एटीएम' (डब्ल्यूएलए) कहा जाता है। आरबीआई की तरफ से बैंकों को एटीएम में ज्यादा से ज्यादा 100 और 200 रुपए के नोटों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कहा गया है। यह आदेश बैंकों और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर दोनों को सस्टिमेटकि तरीके से लागू करना होगा।

### इस्तेमाल किए जाने वाले नोटों तक पहुंच बढ़े

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक परिपत्र में कहा, 'अक्सर इस्तेमाल किए जाने वाले मूल्यवर्ग के बैंक नोट तक जनता की पहुंच बढ़ाने के लिए यह फैसला किया गया है कि सभी बैंक और व्हाइट लेबल एटीएम परिचालक (डब्ल्यूएलएओ) यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके एटीएम से नियमित आधार पर 100 रुपए और 200 रुपए के नोट भी निकलें।'

### 100-200 के नोटों की ज्यादा है मांग

परिपत्र के मुताबिक 30 सितंबर, 2025 तक 75 फीसदी एटीएम (ऑटोमेटेड टेलर मशीन) में कम से कम एक कैसेट से 100 रुपए या 200 रुपए मूल्यवर्ग के बैंक नोट निकलने चाहिए। आरबीआई ने इसके लिए 31 मार्च, 2026 तक का समय दिया है।

## अमेरिका ने एक बार फिर प्राथमिक निगरानी सूची में रखा

# बौद्धिक संपदा संरक्षण पर भारत को अमेरिका ने निगरानी सूची में डाला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिका ने भारत को बौद्धिक संपदा अधिकारों (आईपीआर) के संरक्षण एवं अनुपालन के लिहाज से सबसे चुनौतीपूर्ण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताते हुए सोमवार को उसे एक बार फिर अपनी 'प्राथमिक निगरानी सूची' में रख दिया।

- अमेरिका ने भारत की प्रगति को संतोषजनक नहीं बताया

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की '2025 स्पेशल 301' रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एक साल में बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण और प्रवर्तन के मामले में भारत की प्रगति संतोषजनक नहीं रही है। हालांकि रिपोर्ट कहती है कि भारत ने अपनी बौद्धिक संपदा प्रणाली को मजबूत करने के लिए काम किया है लेकिन लंबे समय से चली आ रही कई आईपी चिंताओं पर अब भी खास प्रगति नहीं हो पाई है।

**खास बातें**

- भारत ने अपनी बौद्धिक संपदा प्रणाली को मजबूत करने काम किया
- लंबे समय से चली आ रही आईपी चिंताओं पर खास प्रगति नहीं हो पाई

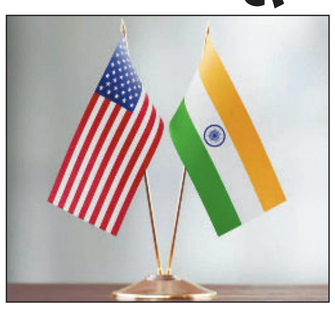

### सूची में चीन, भारत सहित 25 देश

रिपोर्ट में भारत सहित आठ देशों को अपनी 'प्राथमिक निगरानी सूची' में रखा गया है। इस सूची में चीन, इंडोनेशिया, रूस, अर्जेंटीना और वेनेजुएला जैसे देश भी शामिल हैं। अमेरिकी रिपोर्ट में पाकिस्तान और तुर्की सहित 25 देशों को भी शामिल किया गया है।

### पेटेंट मुद्दे भारत में चिंता का विषय बने हुए

रिपोर्ट के मुताबिक, पेटेंट मुद्दे भारत में विशेष चिंता का विषय बने हुए हैं। पेटेंट निरस्त होने का संभावित खतरा और भारतीय पेटेंट अधिनियम के तहत पेटेंट पात्रता मानदंडों का प्रक्रियात्मक और विवेकाधीन इस्तेमाल विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों को प्रभावित करता है।

**कार्यालय नगर पालिका परिषद मुंगेली, जिला- मुंगेली (छ.ग.)**

क्र. 145/न.पा./ लो.नि.वि./2025-26 मुंगेली, दिनांक 28/04/2025

**प्रथम ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना**

नगर पालिका परिषद मुंगेली द्वारा निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु निम्नानुसार ऑनलाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| सिस्टम निविदा क्र. | कार्य का नाम | अनु. व्यय राशि (लाख में) | अमानत राशि | कार्य अवधि | रिमार्क |
|---|---|---|---|---|---|
| 167631 | जोनल टेंडर वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु भवन निर्माण/ मरम्मत एवं अन्य सामयिक प्रवृति के कार्य। | 25.00 | 19000 | 31 मार्च 2025 तक | समक्ष श्रेणी |
| 167637 | जोनल टेंडर वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु सी.सी. सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य। | 25.00 | 19000 | 31 मार्च 2025 तक | समक्ष श्रेणी |
| 167644 | जोनल टेंडर वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु नाली / पुलिया / कल्वर्ट निर्माण एवं मरम्मत कार्य। | 25.00 | 19000 | 31 मार्च 2025 तक | समक्ष श्रेणी |

टीप :- 1. निविदा प्रपत्र नगरीय प्रशासन विभाग के वेबसाईट http://eproc.cgstate.gov.in) में अवलोकन किया जा सकता है। 2. ई - प्रोक्युरमेंट बीड सब्मिट करने की अंतिम तिथि 20.05.2025 को समय शाम 05:30 बजे तक एवं फिजिकल डाक्यूमेंट सब्मिट करने की अंतिम तिथि 22.05.2025 समय शाम 05:30 बजे तक तथा निविदा खोलने की तिथि 23.05.2025 समय दोपहर 12:05 बजे निर्धारित की गई है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद मुंगेली

**अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)**
कोनी पुलिस थाना के सामने, बिलासपुर रतनपुर मार्ग, कोनी, बिलासपुर (छ.ग)
पिन 495009 वेबसाईट www bilaspuruniversity.ac in
ईमेल आईडी registrar@bilaspuruniversity.ac.in

क्रमांक/58/यांत्रिकी/2025 बिलासपुर, दिनांक 25.04.2025

**सूचना**

NIT No. 01/Engg./PSU/EOI/ABVV/2025, Dated 23.04.2025 अनुसार अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) केम्पस के लिए निर्माण ऐजेंसी (CPSU / SPSU) चयन हेतु निविदा (EOI) आमंत्रित किया गया है।

अन्य विवरण हेतु देखें: https//eproc.cg.gov.in एवं www.bilaspuruniversity.ac.in

आदेशानुसार
कुलसचिव

संवाद- 43679

**कार्यालय कलेक्टर, (आदिम जाति कल्याण शाखा), जिला - जशपुर (छ.ग.)**
कक्ष क्रमाँक 132, 126, 127 प्रथम तल, कलेक्ट्रोरेट भवन, जशपुर,
ईमेल- actd.jashpur@gmail.com

**द्वितीय निविदा सूचना**

क्रमांक/203/प्राधिकरण/आ.जा.क./ 2025-26/ जशपुर, दिनाँक :- 28.04.2025

कार्यालय कलेक्टर (आदिम जाति कल्याण शाखा) की ओर से इच्छुक वाहन मालिकों से सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष, महोदया के लिए अस्थाई रूप से किराये के वाहन (इनोवा) उपलब्ध कराने के लिए, दर निर्धारित किये जाने हेतु (अनुमानित लागत 9,00,000), मोहर बंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन प्रस्तुत कर रूपये 1000/- की चालान, मद 0250 सामाजिक सुरक्षा 800 अन्य प्राप्तियाँ में जमा कर, चालान की मूल प्रति सहित दिनाँक 27.01.2025 के पूर्व कार्यालयीन दिवस से प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि- 13.05.2025 समय सायं 5:30 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 15.05.2025 समय सायं 3:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि - 16.05.2025 समय पूर्वान्ह 11:00 बजे
टीप :- निविदा की शर्तें कार्यालयीन समय पर कार्यालय से प्राप्त कर सकते है।

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास जशपुर (छ.ग.)

जी. 252600566/1

**OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)**

e-Procurement Tender Notice
Main Portal : http://eproc. cgstate.gov.in
(Second Call)

NIT NO: 46/NNR/Electrical/RMC/2025 RAIPUR, DATED : 29/04/2025

Online bids are invited for the following works of works up to Date 15/05/2025 at 17:30 hours.

| Sr. No. | System Tender No. | Name of work | Amount of the Estimate (In Lacs) | Cost of Tender form | Earnest Money Deposit (In Lacs) | Eligible class of contract or/firm | Time allowed for Completion | SOR Applicable |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 167651 | साईंस सेंटर के पीछे से रिंग रोड नं. 03 तक एवं मोवा मुख्यमार्ग से अशोका आईकॉन तक जाने वाली रोड़ में विद्युत पोल एवं एलईडी लाईट लगाये जाने का कार्य। | 128.87 Lacs | 3000.00 | 1,00,000.00 | "C" & ABOVE | 06 Month | PWD ELECTRICAL SOR 2020 |

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of chhattisgarh. e-Procurement Portal https: //eproc.cgstate.gov.in from 29/04/2025, 17:30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Note:- (1) All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal (2) Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. *Help Desk at Toll Free No. 18002582502* or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in (3) For More Details please download NIT details. (4) Contact no. 7898844336

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

# स्मार्ट बाज़ार की "फुल पैसा वसूल सेल" शुरू

**मुंबई।** तैयार हो जाइए, भारत – स्मार्ट बाज़ार की फुल पैसा वसूल सेल आ गई है! स्मार्ट बाज़ार की सबसे प्रतीक्षित सेल वापस आ गई है और यह पहले से कहीं ज़्यादा बड़ी, बोल्ड और बेहतर है! स्मार्ट बाज़ार फुल पैसा वसूल सेल 30 अप्रैल से 4 मई तक देशभर के स्टोर्स पर उपलब्ध है।

देशभर में 930 से ज़्यादा स्टोर्स के साथ स्मार्ट बाज़ार पूरे देश में धूम मचाने के लिए तैयार है! किराने के सामान, फ़ैशन, होमकेयर, अप्लायंस और बहुत कुछ। खरीदारी के लिए तैयार हो जाइए जो अधिकतम बचत और पूर्ण संतुष्टि का वादा करती है। तो, अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ, अपनी शॉपिंग लिस्ट लेकर आएँ, "हमारा नारा, फुल पैसा वसूल करेगा इंडिया सारा!" रिलायंस रिटेल के सीईओ दामोदर मॉल – वैल्यू फॉर्मेट ने कहा, "हम सभी को सेल इवेंट पसंद हैं और स्मार्ट बाज़ार की फुल पैसा वसूल सेल हर किसी के शॉपिंग कैलेंडर पर सबसे बड़ी सेल में से एक है। इस साल, हमारे अनुभवी खरीदारों को पाँच अविस्मरणीय दिनों में कुछ अविश्वसनीय रूप से बड़े ऑफ़र मिलेंगे। हमारा उद्देश्य सरल है, हर खरीदार अधिक मूल्य, बड़ी बचत और अपने चेहरे पर मुस्कान लेकर जाए"यहाँ कुछ ऐसे डील्स की झलक दी गई है जो आपको चौंका देंगे: 5 किलो चावल + 3 लीटर तेल – सिर्फ़ रु. 799* बादाम 500 ग्राम – रु.419 । काजू 500 ग्राम – रु. 439*, बिस्किट – 2 खरीदें, 1 मुफ़्त पाएँ।

**नई दिल्ली।** डायमंड पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (डीपीआईएल) को बिजली केबल की आपूर्ति के लिए 230 करोड़ रुपये से अधिक के दो ठेके मिले हैं।

**छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग**
**कार्यालय कार्यपालन अभियंता**
**जल संसाधन संभाग, कोटा, जिला- बिलासपुर (छ. ग.)**

**निविदा निरस्तीकरण आदेश**

आदेश क्र./2476/व.ले.लि./2025-26 कोटा, दिनांक 25.4.25

निविदा सूचना क्र. 26/ व. ले.लि. / 2024-25 दिनांक 15.01.2025 सिस्टम नं. 164316 (प्रथम आमंत्रण) "बिलासपुर जिले के विकासखण्ड तखतपुर अंतर्गत अरपा सिंचाई कालोनी सकरी में 02 वि./यां. संभागीय कार्यालय एवं 02 उप संभागीय कार्यालय का निर्माण कार्य" अनुमोदित लागत राशि रू. 278.90 लाख की निविदा को प्रमुख अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ ) जल संसाधन विभाग रायपुर (छ.ग.) के पत्र पृ.क्र. 4263541/ निविदा प्रकोष्ठ / 2025/949 (TC) नवा रायपुर दिनांक 22.04.2025 (जी नं. 242505695/1 दिनांक 06.03.2025) के परिपेक्ष्य में उक्त निविदा निरस्त की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कोटा
जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

जी. 252600563/2

**छत्तीसगढ़ शासन**
**राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग**
**मंत्रालय- महानदी भवन नवा रायपुर, अटल नगर**

**संशोधित विज्ञापन**

नवा रायपुर अटल नगर, दिनांक 29/04/2025

क्रमांक/ESTB-2035/14/2025-REVENUE/सात-3- विभागीय विज्ञापन कमांक 344/ESTB- 2035/14/2025 REVENUE/सात-4, दिनांक 04/04/2025 द्वारा "भूमि अर्जन, पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण हेतु स्वीकृत "पीठासीन अधिकारी (जिला न्यायाधीश संवर्ग में छत्तीसगढ़ उच्चतर न्यायिक सेवा से) के रिक्त 01 पद की पूर्ति हेतु इच्छुक व्यक्तियों से संपूर्ण विवरण सहित आवेदन पत्र कार्यालयीन समय पर दिनांक 30/04/2025 तक आमंत्रित किये गये थे।

2/ प्रशासकीय कारणों से आवेदन करने हेतु निर्धारित तिथि में संशोधन कर दिनांक 15/05/2025 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

3/ विज्ञापन की शेष नियम एवं शर्तें यथावत रहेंगी।

(अन्वेष घृतलहरे)
उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी. 252600585/3

**कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास)**
**जिला - गौरेला - पेण्ड्रा - मरवाही (छ.ग.)**
दूरभाष क्र. - 07751 220658 Email - actwd.gpm@gmail.com

**ई-निविदा आमंत्रण सूचना**

क्रमांक/241/पी. एम. जनमन / निर्माण / 2025-26 गौरेला - पेण्ड्रा - मरवाही, दिनांक 25/04/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यों के लिए कार्यालय कलेक्टर (सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास शाखा) गौरेला - पेण्ड्रा - मरवाही के कार्यालय में नीचे दर्शाए गए विवरण के अनुसार एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत "द" श्रेणी एवं इससे उपर श्रेणी के ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग भवन दर अनुसूची जो दिनांक 01.01.2015 एवं संशोधित दिनांक 23.12.2022 तक लागू एवं विद्युतीकरण दर अनुसूची जो दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील है। (समस्त संशोधन सहित) एस.ओ.आर. पद्धति के तहत ई-टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है :-

01. ई- निविदा प्रारम्भ तिथि - 25.04.2025
02. निविदा की अंतिम तिथि - 14.05.2025 (सायंकाल 5:30 बजे तक)
03. निविदा प्रपत्र की चालान एवं अमानत राशि (एफ.डी.आर.) प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि (स्पीड पोस्ट से) - 19.05.2025
04. निविदा खोलने की तिथि - 20.05.2025 (सायंकाल 4:00 बजे)

| क्र. | कार्य का नाम | अनुमानित लागत राशि (लाख में) | अमानत राशि (रूपये में) | कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा काल सहित) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | पी.व्ही.टी.जी. हेतु बहुद्देशीय केन्द्र का निर्माण छोटकीदादर (ठाड़पथरा) | 60.00 | 60000.00 | 06 माह वर्षा ऋतु सहित |
| 2 | पी.व्ही.टी.जी. हेतु बहुद्देशीय केन्द्र का निर्माण तलवाटोला (बेलगहना) | 60.00 | 60000.00 | 06 माह वर्षा ऋतु सहित |

निविदा की सामान्य शर्तें व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in में देखी जा सकती है।

सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास
जिला- गौरेला - पेण्ड्रा - मरवाही (छ.ग.)

जी. 252600550/1

**छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग**
**कार्यालय कार्यपालन अभियंता**
**जल संसाधन संभाग, कोटा, जिला- बिलासपुर (छ. ग.)**

**निविदा निरस्तीकरण आदेश**

आदेश क्र./2478/व.ले.लि./2025-26 कोटा, दिनांक 25.4.25

निविदा सूचना क्र. 28/व.ले.लि./2024-25 दिनांक 04.03.2025 सिस्टम नं. 165408 (प्रथम आमंत्रण) "बिलासपुर जिले के विकासखण्ड तखतपुर अंतर्गत बंधवा (भरनी) जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य" अनुमोदित लागत राशि रू. 216.33 लाख की निविदा को प्रमुख अभियंता (निविदा प्रकोष्ठ) जल संसाधन विभाग रायपुर (छ.ग.) के पत्र पृ.क्र. 4263563/निविदा प्रकोष्ठ/2025/953 (TC) नवा रायपुर दिनांक 22.04.2025 (जी नं. 242505772/6 दिनांक 08.03.2025) के परिपेक्ष्य में उक्त निविदा निरस्त की जाती है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग कोटा
जिला - बिलासपुर (छ.ग.)

जी. 252600564/3

**छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम**
ऑफिस काम्प्लेक्स, ब्लॉक-बी, सेक्टर-24, अटल नगर, नवा रायपुर
टेलीफैक्स + 91-771-2432151 2432531

**गोदाम भवन किराये पर लेने की सूचना**

छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम को निम्नानुसार स्थानों में पुस्तक डिपो एवं कार्यालय हेतु गोदाम भवन की आवश्यकता है :-

| क्रमांक | स्थान (डिपो का नाम) | आंतरिक क्षेत्रफल (वर्गफीट में) |
|---|---|---|
| 01 | बिलासपुर | 23000 |
| 02 | अंबिकापुर | 12000 |
| 03 | रायगढ़ | 13000 |
| 04 | जगदलपुर | 12000 |
| 05 | राजनांदगाँव | 13000 |

निविदा प्रपत्र 5000.00+18% GST रू. का बैंक ड्राफ्ट जमा कर निगम कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। निगम की वेबसाइट tbc.cg.nic.in से डाउनलोड कर निविदा प्रपत्र जमा करने वाले को प्रपत्र के साथ 5000.00 + 18% GST का बैंक ड्राफ्ट (प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम, रायपुर) के नाम से जमा करना होगा।

पूर्ण रूप से निर्मित गोदाम भवन के स्वामी दिनांक 29.05.2025 शाम 5.00 बजे तक निविदा प्रपत्र एवं नियम शर्तों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निविदा भरने की अंतिम तिथि दिनांक 30.05.2025 शाम 5.00 बजे तक निर्धारित है ।

संवाद- 43685 महाप्रबंधक

## राशिफल

**मेष** — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

**वृष** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

**मिथुन** — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

**कर्क** — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

**सिंह** — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

**कन्या** — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

**तुला** — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

**वृश्चिक** — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

**धनु** — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

**मकर** — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

**कुंभ** — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

**मीन** — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

## शब्द पहेली - 5852

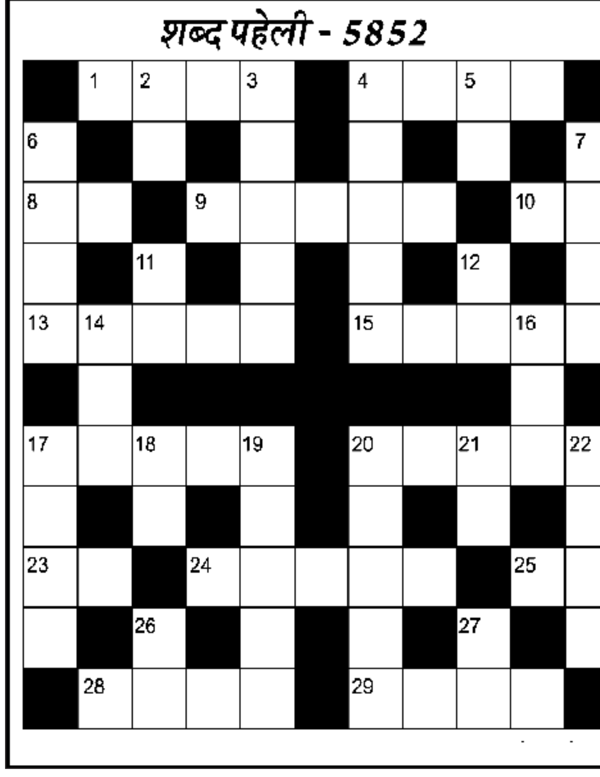

**बाएँ से दाए-**

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त, अकाल-5
20. प्रयास, कोशिश-5
23. टोंटी, नलका-2
24. कामदेव, पुष्कर-2,3
25. डर, भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा, व्यभिचारी-4

**ऊपर से नीचे**

2. बिंदु, बिंदी, शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा, नुकसान-2
6. मूर्ख, बेवकूफ-4
7. बिना कारण, बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम, संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह, किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद, अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

**शब्द पहेली - 5851 का हल**

## सूडोकु नवताल - 5862

★★★ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | | | 8 | | | 3 |
| | 7 | | | 3 | 5 | | | |
| 3 | | | | | | 6 | | |
| | | | | | | | 8 | 5 |
| | 6 | | | 7 | | | 1 | |
| 4 | 2 | | | | | | | |
| | | 1 | | | | | | 8 |
| | | | 7 | 4 | | | 3 | |
| 6 | | | 2 | | | 7 | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 5861 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 4 | 8 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 | 3 |
| 3 | 7 | 5 | 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 9 |
| 6 | 2 | 1 | 3 | 9 | 8 | 4 | 7 | 5 |
| 4 | 1 | 3 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 2 |
| 5 | 8 | 6 | 9 | 2 | 4 | 3 | 1 | 7 |
| 2 | 9 | 7 | 5 | 1 | 3 | 8 | 4 | 6 |
| 8 | 6 | 4 | 2 | 7 | 9 | 5 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 1 | 8 | 5 | 2 | 6 | 4 |
| 1 | 5 | 2 | 4 | 3 | 6 | 7 | 9 | 8 |

# नारायण और चक्रवर्ती ने नाइट राइडर्स को दिल्ली पर 14 रन की जीत दिलाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के जादू से कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 14 रन से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। इस हार के बावजूद दिल्ली की टीम 10 मैच में 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। नाइट राइडर्स इतने ही मुकाबलों में नौ अंक के साथ सातवें स्थान पर है। दिल्ली की पिछले चार मैच में यह तीसरी हार है। इससे पहले अक्षर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद नारायण और गुरबाज ने तीन ओवर में 48 रन जोड़कर नाइट राइडर्स को तेज शुरुआत दिलाई। गुरबाज ने स्टार्क पर दो चौकों से शुरुआत की जबकि नारायण ने दुष्मंता चमीरा (46 रन पर एक विकेट) पर दो छक्के और एक चौका मारा जिससे ओवर में 25 रन बने। गुरबाज ने स्टार्क के अगले ओवर में भी दो चौके और एक छक्का मारा लेकिन अंतिम गेंद पर विकेटकीपर पोरेल को कैच दे बैठे। गुरबाज ने 12 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा। नारायण ने मुकेश कुमार पर चौके के साथ चौथे ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया।

## दिल्ली की टीम 109 रन पर हुई ढेर

नाइट राइडर्स के 205 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम नारायण (29 रन पर तीन विकेट) और चक्रवर्ती (39 रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने डु प्लेसी (62 रन, 45 गेंद, सात चौके, दो छक्के) के अर्धशतक और कप्तान अक्षर पटेल (43 रन, 23 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) के साथ उनकी चौथे विकेट की 76 रन की साझेदारी के बावजूद नौ विकेट पर 190 रन ही बना सकी।दिल्ली की ओर से डु प्लेसी और अक्षर के अलावा विपराज निगम (38 रन, 19 गेंद, पांच चौके, दो छक्के) ही 20 रन के आंकड़े को हार कर पाए।

## कोलकाता ने खेली बेहतरीन पारी

नाइट राइडर्स की टीम इससे पहले अंगकृष रघुवंशी 44 रन और रिंकू सिंह 36 रन की उम्दा पारियों और दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 61 रन की साझेदारी से नौ विकेट पर 204 रन के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। सलामी बल्लेबाजों नारायण (27) और रहमानुल्लाह गुरबाज (26) तथा कप्तान अजिंक्य रहाणे (26) ने भी उपयोगी पारियां खेली। मिचेल स्टार्क (43 रन पर तीन विकेट) दिल्ली के सबसे सफल गेंदबाज रहे। कप्तान अक्षर पटेल (27 रन पर दो विकेट) और लेग स्पिनर विपराज निगम (41 रन पर दो विकेट) ने बीच के ओवरों में प्रभावी गेंदबाजी की।

खास खबर

# आईपीएल 2028 में हो सकते हैं 94 मैच, बीसीसीआई ने योजना पर शुरू किया काम

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इसका विस्तार करने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। इसके तहत आईपीएल 2028 में कुल 94 मैच आयोजित किए जा सकते हैं। वर्तमान में आईपीएल में कुल 74 मैच कराए जा रहे हैं। हालांकि, बीसीसीआई मैचों की संख्या में बढ़ोतरी टीमों की संख्या बढ़ाए बिना ही करने पर विचार कर रही है। आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने इसके संकेत दिए हैं।

## धूमल ने क्या दिया है बयान?

धूमल ने कहा, बीसीसीआई अगले मीडिया-राइट्स चक्र के लिए पूर्ण होम-एंड-अवे 94 मैच प्रारूप के विस्तार पर गंभीरता से विचार करेगा, जो 2028 में शुरू होगा। हम आईसीसी और बीसीसीआई से इस पर चर्चा कर रहे हैं। टी-20 क्रिकेट के प्रति प्रशंसकों की बदलती रुचि को देखते हुए हमें इस बारे में गंभीरता से बात करनी होगी। हम एक बड़ी विंडो चाहते हैं और मैचों की संख्या 74 से 84 या 94 तक ले जाना चाहते हैं।

## हर टीम को खेलने को मिलेंगे अधिक मैच- धूमल

धूमल ने कहा, हर टीम को हर टीम के खिलाफ घरेलू और बाहरी मैदान पर खेलने का पूरा मौका देने के लिए आपको 94 मैचों की जरूरत है। द्विपक्षीय क्रिकेट और आईसीसी आयोजनों के संबंध में हमारे पास जो समय और प्रतिबद्धताएं हैं, उन्हें देखते हुए यह अल्पावधि में संभव नहीं हो सकता है। हालांकि, मौजूदा परिदृश्य को देखते हुए इसकी मांग बढ़ रही है। शायद किसी समय हम इस विकल्प पर विचार करेंगे और इसे अपनाएंगे।

## इसी आईपीएल में थी 84 मैच कराने की योजना

बता दें कि आईपीएल 2025 में 84 मैचों की योजना थी, लेकिन इसमें देरी होने के कारण इस प्रारूप को अपनाया नहीं गया। आईपीएल 2008 में 8 टीमों के साथ मैचों की संख्या 59 थी, जो 2011 में 10 टीमों के साथ 74 पर पहुंच गई। हालांकि, 2012 और 2013 में 9 टीमों पर 76 मैच कराए गए। उसके बाद 2014 से 2021 तक 8 टीमों पर 60-60 मैच कराए गए और 2022 से 2024 तक 10 टीमों पर 74 मैच कराए गए।

## आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| बेंगलुरु | 10 | 7 | 3 | 14 |
| मुंबई | 10 | 6 | 4 | 12 |
| गुजरात | 9 | 6 | 3 | 12 |
| दिल्ली | 9 | 6 | 3 | 12 |
| पंजाब | 9 | 5 | 3 | 11 |
| लखनऊ | 10 | 5 | 5 | 10 |
| कोलकाता | 9 | 3 | 5 | 7 |
| राजस्थान | 10 | 3 | 7 | 6 |
| हैदराबाद | 9 | 3 | 6 | 6 |
| चेन्नई | 9 | 2 | 7 | 4 |

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
456 रन
गुजरात

पर्पल कैप

जोश हेजलवुड
18 विकेट
बेंगलुरु

## खबर संक्षेप

### आईएम विजयन को डिप्टी कमांडेंट के पद पर पदोन्नत किया गया

**तिरुवनंतपुरम।** केरल सरकार ने भारतीय फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी आई एम विजयन के लिए मालाबार स्पेशल पुलिस बटालियन में डिप्टी कमांडेंट का अतिरिक्त पद सृजित करने और खेल में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें इस पद पर नियुक्त करने का आदेश पारित किया। विजयन वर्तमान में मालाबार विशेष पुलिस बटालियन में सहायक कमांडेंट हैं। यह आदेश विजयन के पुलिस से सेवानिवृत्त होने से एक दिन पहले आया है। विजयन को पद्मश्री से सम्मानित किया गया है और वह केरल पुलिस फुटबॉल टीम के निदेशक भी हैं। वह अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के तकनीकी समिति के प्रमुख भी हैं।

### सुदीरमन कप: इंडोनेशिया से हारकर बाहर हुआ भारत

**शियामेन।** लंबे समय से खराब लय में चल रहे एचएच प्रणय और ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने एक बार फिर निराश किया जिससे भारत मंगलवार को ग्रुप डी के मैच में इंडोनेशिया से 1-3 से पिछड़ने के साथ ही बीडब्ल्यूएफ सुदीरमन कप फाइनल से बाहर हो गया। भारत को इससे पहले रविवार को अपने शुरुआती मैच में डेनमार्क से 1-4 से हारने के बाद नॉकआउट चरण की दौड़ में बने रहने के लिए इस मुकाबले में जीत की जरूरत थी।

भारत, श्रीलंका व दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच चल रही त्रिकोणीय सीरीज

# प्रतिका, हरमन, जेमिमा-स्मृति ने बरपाया कहर, दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

इस समय खेली जा रही त्रिकोणीय सीरीज 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम को 15 रन से हराते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। कोलंबो में खेले गए मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 276/6 का स्कोर बनाया। जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम तजमीन ब्रिट्स के शतक (109) के बावजूद 261 रन पर ढेर हुई।

## भारत की अच्छी शुरुआत

भारत को प्रतिका रावल (78) और स्मृति मंधाना (36) ने अच्छी शुरुआत दिलाई। वहीं मध्यक्रम में हरमनप्रीत कौर (41) और जेमिमा रोड्रिग्स (41) ने उम्दा पारियां खेलते हुए टीम का स्कोर 250 के पार पहुंचाया। जवाब में दक्षिण अफ्रीका से लौरा वोल्वार्ड्ट (43) और शतकवीर ब्रिट्स (108) ने 140 रन की साझेदारी की। हालांकि, इन दोनों के अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रही और टीम को शिकस्त मिली। भारत से स्नेह राणा ने 5 विकेट लिए।

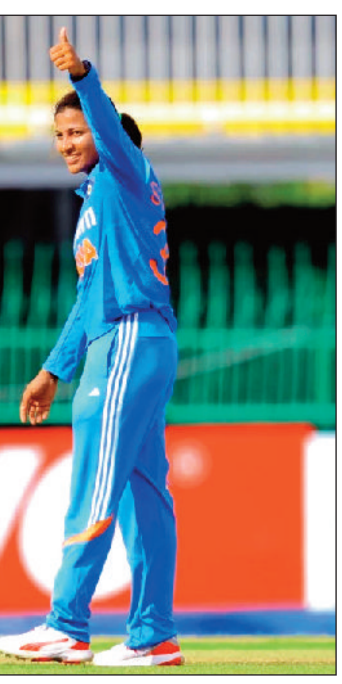

## स्नेह राणा ने पहली बार चटकाए 5 विकेट

भारत की जीत में स्नेह राणा की अहम भूमिका रही। इस ऑफ स्पिनर ने अपने 10 ओवर के कोटे में 43 रन देते हुए 5 विकेट लिए। उन्होंने लारा गुडाल और ब्रिट्स जैसी प्रमुख बल्लेबाजों को पवेलियन की राह दिखाई। यह राणा का वनडे क्रिकेट में पहला 5 विकेट हॉल रहा। उनके नाम अब 29 मैचों में 29.00 की औसत और 4.58 की इकॉनमी रेट से 37 विकेट लिए हैं।

## प्रतिका ने लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया

भारत की सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने त्रिकोणीय सीरीज 2025 में लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 गेंदों में 78 रन की पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। इस बीच उन्होंने मंधाना के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 83 रन भी जोड़े। रावल के वनडे करियर का यह 5वां और लगातार दूसरा अर्धशतक रहा। उन्होंने अपने युवा करियर में 8 पारियों में 81.71 की औसत के साथ 572 रन बनाए हैं।

## तजमीन ब्रिट्स ने लगाया शतक

दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी बल्लेबाज तजमीन ब्रिट्स ने अपने वनडे करियर का तीसरा शतक लगाया। उन्होंने 107 गेंदों में 109 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जिसमें 13 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनके अब तक के करियर में 31 मैचों में 25.87 की औसत और 72.96 की स्ट्राइक रेट के साथ 885 रन हो गए हैं। इस बीच उन्होंने 1 शतक और 3 अर्धशतक लगाए हैं।

## ओलंपिक पदक विजेता भाकर, कुसाले म्यूनिख विश्व कप के लिए भारतीय टीम में

**नई दिल्ली।** पेरिस ओलंपिक के सितारे मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले को मंगलवार को एशियाई खेलों की मौजूदा चैंपियन पलक के साथ आठ जून से शुरू होने वाले आईएसएसएफ राइफल, पिस्टल विश्व कप के म्यूनिख चरण के लिए 23 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने टीम की घोषणा की, जिसमें भाकर दो व्यक्तिगत स्पर्धाओं (महिलाओं की 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) में जगह बनाने वाली एकमात्र सदस्य हैं।

स्थानांतरण सूचना
दिनांक 30.04.25 बुधवार से
डॉ. बी.आर. होतचंदानी
आशा दी होप क्लीनिक
मो. 9174865266
अपने पूर्व स्थल से स्थानांतरित होकर अब नये परिसर
पूर्व सांसद गोविन्द राम मिरी जी के निवास के पास,
पोस्ट ऑफिस के सामने, वाले रोड,
राजेन्द्र नगर, बिलासपुर
में अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगें।

# रैपिड वर्ग में चितंबरम संयुक्त रूप से शीर्ष पर

एजेंसी ▶▶| वारसा

भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चितंबरम ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर के तहत आयोजित 'सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट' के रैपिड दौर के आखिरी गेम में फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा को हरा कर 11 अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया।

वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट का टिकट हासिल करने वाले चितंबरम को फिरोजा और स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव की बराबरी करने के लिए इस मुकाबले में जीत की जरूरत थी। उन्हें भाग्य का भी साथ मिला क्योंकि फ्रांस के खिलाड़ी ने थोड़ी जल्दी हार मान ली। फिरोजा के पास इस मुकाबले को बराबरी पर रोकने का मौका था।

## प्रज्ञानानंदा चौथे पायदान पर पहुंचे

आर प्रज्ञानानंदा ने अंतिम दो राउंड में रोमानिया के डेविड गैवरिल्सकू और डूडा पर जीत के साथ शानदार वापसी की और 10 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे पायदान पहुंच गये। प्रज्ञानानंदा शुरुआती छह गेम के बाद पांच अंक के साथ पिछड़ रहे थे लेकिन उन्होंने वाचियर-लाग्रेव को बराबरी पर रोकने के बाद आखिरी दो गेम को जीतकर मजबूत वापसी की।

## प्वाइंट टेबल पर खिलाड़ियों की रैंक

अन्य खिलाड़ियों फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव नौ अंकों के साथ उनसे बहुत पीछे नहीं हैं, जो रोमानिया के डेक बोगदान डैनियल और डुडा से एक अंक आगे हैं। गवरिलस्कू दस खिलाड़ियों के टूर्नामेंट में सात अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं, जो पूर्व विश्व चैंपियन वेसेलिन टोपालोव से दो अंक अधिक हैं। इस टूर के पहले आयोजन में ब्लिट्ज वर्ग के 18 मुकाबले अभी बाकी है। अरविंद ने दिन की शुरुआत डुडा पर जीत के साथ की। उन्हें इसके बाद आठवें दौर के मैच में वाचियर-लाग्रेव से हार का सामना करना पड़ा।

## नौसेना हाफ मैराथन विजेता रामेश्वर मुंजाल डोपिंग के कारण पांच साल के लिए प्रतिबंधित

**नई दिल्ली।** नौसेना के धावक रामेश्वर मुंजाल को मंगलवार को विश्व एथलेटिक्स की एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने प्रतिबंधित पदार्थों की जांच में पॉजिटिव आने के बाद पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया। उनके प्रतिबंध की अवधि 14 अप्रैल, 2025 (अनंतिम निलंबन की तिथि) से शुरू हुई। मुंजाल ने पिछले साल आठ दिसंबर को मुंबई में नौसेना हाफ मैराथन का खिताब जीता था। लेकिन अब उनसे यह खिताब छीन लिया गया है क्योंकि प्रतियोगिता के दौरान उनके नमूने में एरिथ्रोपीटिन और दरबेपोएटिन पाया गया था। यह दोनों प्रतिबंधित पदार्थ की सूची में आते हैं। इस 27 साल के खिलाड़ी ने तब एक घंटे नौ मिनट और तीन सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था।

**मुंजाल ने स्वीकारा अपना अपराध :** उनके नमूने का परीक्षण नयी दिल्ली में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला में किया गया था, जिसने इस वर्ष 12 मार्च को उनकी रिपोर्ट दी थी। एआईयू ने मुंजाल की जांच रिपोर्ट की समीक्षा करने के बाद उन्हें डोपिंग में लिप्त होने की सूचना दी।

**आम सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार हरिश रजक, उम्र 47 वर्ष, पिता शिव प्रसाद रजक, निवासी-लोधीपारा सरकंडा, बिलासपुर, तह. व जिला-बिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा भूमि स्वामिनी श्रीमती शिल्पा दिग्रस्कर, उम्र 38 वर्ष, पति श्री सुदीप दिग्रस्कर, निवासी-म.नं. 42, एफ.एम. पार्क वार्ड नं.-14, हीरालाल विहार, महर्षि रोड मंगला, बिलासपुर, तह. व जिला-बिलासपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि मौजा-भरारी, रा.नि.म. गनियारी, तह. सकरी, जिला-बिलासपुर छ.ग. में स्थित भूमि ख.नं. 399/3 रकबा 0.33 एकड़, 0.1340 हेक्टेयर भूमि जो कि राजस्व अभिलेख में दर्ज चला आ रहा है, उक्त भूमि को विक्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना राशि दिया जाकर इकरारनामा दिनांक 28.04.2025 को निष्पादित किया गया है, जिसका विक्रय पंजीयन यथाशीघ्र किया जाना है।

अत: उक्त भूमि की रजिस्ट्री से यदि किसी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्थान, अर्धशासकीय, निगम, निकाय को कोई आपत्ति हों तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिनों के अंदर मय दस्तावेज मेरे कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं, समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की दावा आपत्ति अवैध एवं अमान्य माना जावेगा।
सो सूचना जानें।
दिनांक 29.04.2025

भवदीय
विकास पाण्डेय अधिवक्ता
पता-एच.आई.जी. 38, आर्या कालोनी, तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 9893542529

**कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल जूना बिलासपुर,तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग.**
**सूचना**

क/क/ रा.नि./2025
जूना बिलासपुर दिनांक 28/04/2025

प्रति, 1. कपिल बोदानी वर्ग. 2. सरला गिडवानी 3. मुरली गिडवानी सर्वसम्बधित
(समीपी भूमिस्वामियों की जानकारी ज्ञापन में दर्ज आवेदक के बताए अनुसार)
विषय:- सीमांकन में उपस्थित होने बाबत।
सदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार का ज्ञापन क/क/तह/ वाचक/2025 बिलासपुर दिनांक 27/02/2025

आवेदक कपिल बोदानी वर्ग. निवासी गोंदिया के द्वारा ग्राम जूना बिलासपुर प.ह.न. 36 रा.नि.म. जूना बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 235/21, 235/22 रकबा 0.0300 हे., 0.0040 हे. के सीमांकन हेतु न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। संदर्भित न्यायालयीन ज्ञापन के परिपालन में आवेदित भूमि का सीमांकन दिनांक 08/05/25 को समय 12 बजे-5 बजे किया जायेगा। अत: आप भूमि से संबंधित दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि एवं समय को मौके पर अनिवार्यत: उपस्थित होवें। अनुपस्थिति के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होंगे और बाद की आपत्ति पर स्वीकार्य नहीं होगी।
टीप:-1- आवेदक सीमाचिन्ह स्थापित करने हेतु आवश्यक सामग्री और मजदूर की व्यवस्था करें। 2-विशेष परिस्थिति में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

राजस्व निरीक्षक
जूना बिलासपुर (छ.ग.)

**आम सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने आसामी मुरित राम ध्रुव पिता अर्जुन ध्रुव निवासी नया तालाब के पास, मोपका, बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. वाले से अधिकृत हो होकर यह आम सूचना प्रमाणित करता हूँ कि मौजा मोपका प.ह.नं - 29 रा.नि.मं. मोपका तहसील व जिला बिलासपुर छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 1934 रकबा 0.3880 हेक्टेयर (97 डिसमिल) है, जो कि (1) शिव कुमार ध्रुव पिता शंकर लाल ध्रुव (2) सियाराम ध्रुव पिता शंकर लाल ध्रुव निवासी गोड़पारा मोपका बिलासपुर तहसील व जिला बिलासपुर छ. ग. के नाम पर दर्ज है उपरोक्त भूमि को मेरे आसामी ने क्रय करने का पक्का सौदा कर लिया है। उक्तभूमि की रजिस्ट्री पंजीयन कार्यालय के समक्ष निकट भविष्य में होना निश्चित हैं।

अगर किसी व्यक्ति/ संस्था /बैंक/ निजी निकाय को किसी प्रकार से कोई आपति है तो 07 दिवस के अंदर मय दस्तावेज संहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें समयावधि निकलने के पश्चात किये जाने वाले आपत्ति मान्य नहीं होगी।
सो सूचना जाने।

भवदीय
वेद प्रकाश विश्वकर्मा
(अधिवक्ता)
मो. 9907444307, 7440850708

**न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर जिला बिलासपुर**
मामले की श्रेणी: राजस्व
संदर्भ:- जिला- बिलासपुर तहसील - बिलासपुर प.ह.न. -00029 मोपका ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- CT202425400107300571
**ईश्तहार**

तहसील बिलासपुर के प.ह.न. 00029 के अंतर्गत ग्राम मोपका के वर्तमान भूमिस्वामी राहुल कुमार साव पिता/पति रघुनाथ साव पता- चिरमिरी कोरिया के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 429/2 (0.0260) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता अरुण कुमार दुबे पिता/पति- जगदीश प्रसाद दुबे पता-शांति कुंज तुलसी डिगरी कॉलेज के पास अनुपपुर जिला शहडोल म.प्र के नाम पर पंजीयन/ फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण/ अभिलेख दुरुस्ती/ खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 16/05/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार बिलासपुर जिला बिलासपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं/ अधिवक्ता/ आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/04/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
Mukesh Kumar Dewangan
तहसील बिलासपुर

**कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर**
**सीमांकन सूचना**

प्रति, 1. संतोष पहाड़ी पिता दीनदयाल 2. अमीन भारते 3. चिंताराम पनिक 4. संबंधित अन्य 7. दैनिक समाचार पत्र
विषय:- सीमांकन/स्थल जाँच में उपस्थित रहने बावत।
संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार/ अति. तह/ना. तह. के ज्ञापन दिनांक 01.04.2025

संदर्भित विषयान्तर्गत ज्ञापन के पालन में ग्राम सकरी प.ह.न. 45 रा.नि.म. सकरी तह. सकरी जिला बिलासपुर के अंतर्गत खसरा न. 318/3 शामिल 421/1, 318/9 शामिल 421/2 रकबा 0.1580, 0.1860 हे. एकड़/ हेक्टेयर भूमि स्वामी संतोष पहाड़ी पिता/ पति दिनदयाल निवासी बिलासपुर के द्वारा सीमांकन/ स्थल जाँच का आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भूमि का सीमांकन/स्थल जाँच दिनांक 01/05/2025 को समय 10:00 AM to 5:00 PM बजे तक किया जावेगा।

अत: आप सभी भूमि संबंधी समस्त दस्तावेज बैनामा पत्रक सहित नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होवें। अनुपस्थिति की दशा में आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। अत: सुचना जाने।
टीप:- विशेष परिस्थिति में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन/ स्थल जाँच की तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।
1. न्यायालय तहसीलदार/ अति. तह./ना. तह. को सूचनार्थ। 2. हल्का पटवारी को सूचनार्थ। 3. नगर पालिक निगम बिलासपुर को सूचनार्थ।
राजस्व निरीक्षक, सकरी

**कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर**
**सीमांकन सूचना**

प्रति, 1. श्रीमती माया दुबे पति शिवशंकर दुबे 2. रवि मोटवानी 3. श्रीराम पार्क द्वारा संजय अग्रवाल 4. हिमालया डेवलेपर्स द्वारा राजेश अग्रवाल, पुरूषोत्तम अग्रवाल 5. संबंधित अन्य 7. दैनिक समाचार पत्र
विषय:- सीमांकन/स्थल जाँच में उपस्थित रहने बावत।
संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार/ अति. तह/ना. तह. के ज्ञापन दिनांक 08.04.2025

संदर्भित विषयान्तर्गत ज्ञापन के पालन में ग्राम सकरी प.ह.न. 45 रा.नि.म. सकरी तह. सकरी जिला बिलासपुर के अंतर्गत खसरा न. 334/8, 335/8, 335/9, 337, 437/7, 329/1, 331/1, 331/2, 332, 339, 338, 433/1, 433/2, 434/6 रकबा कुल रकबा ..... एकड़/ हेक्टेयर भूमि स्वामी माया दुबे पिता/ पति शिवशंकर दुबे निवासी बिलासपुर के द्वारा सीमांकन/ स्थल जाँच का आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भूमि का सीमांकन/स्थल जाँच दिनांक 01/05/2025 को समय 10:00 AM to 5:00 PM बजे तक किया जावेगा।

अत: आप सभी भूमि संबंधी समस्त दस्तावेज बैनामा पत्रक सहित नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होवें। अनुपस्थिति की दशा में आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। अत: सुचना जाने।
टीप:- विशेष परिस्थिति में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन/ स्थल जाँच की तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।
1. न्यायालय तहसीलदार/ अति. तह./ना. तह. को सूचनार्थ। 2. हल्का पटवारी को सूचनार्थ। 3. नगर पालिक निगम बिलासपुर को सूचनार्थ।
राजस्व निरीक्षक, सकरी

**कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल सकरी तहसील सकरी जिला बिलासपुर**
**सीमांकन सूचना**

प्रति, 1. आशुतोष दुबे पिता शिवशंकर दुबे 2. श्रीराम पार्क द्वारा संजय अग्रवाल 3. रवि मोटवानी 4. हिमाल्या डेवलेपर्स द्वारा राजीव अग्रवाल 5. हिमाल्या डेवलेपर्स द्वारा पुरूषोत्तम, राजीव 6. संबंधित अन्य 7. दैनिक समाचार पत्र
विषय:- सीमांकन/स्थल जाँच में उपस्थित रहने बावत।
संदर्भ:- न्यायालय तहसीलदार/ अति. तह/ना. तह. के ज्ञापन दिनांक 08.04.2025

संदर्भित विषयान्तर्गत ज्ञापन के पालन में ग्राम सकरी प.ह.न. 45 रा.नि.म. सकरी तह. सकरी जिला बिलासपुर के अंतर्गत खसरा न. 334/2 रकबा 0.2110 हे. एकड़/ हेक्टेयर भूमि स्वामी आशुतोष दुबे पिता/ पति शिवशंकर निवासी बिलासपुर के द्वारा सीमांकन/ स्थल जाँच का आवेदन प्रस्तुत किया है।

उक्त भूमि का सीमांकन/स्थल जाँच दिनांक 01/05/2025 को समय 10:00 AM to 5:00 PM बजे तक किया जावेगा।

अत: आप सभी भूमि संबंधी समस्त दस्तावेज बैनामा पत्रक सहित नियत तिथि एवं समय पर उपस्थित होवें। अनुपस्थिति की दशा में आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। अत: सुचना जाने।
टीप:- विशेष परिस्थिति में अपरिहार्य कारणों से सीमांकन/ स्थल जाँच की तिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।
1. न्यायालय तहसीलदार/ अति. तह./ना. तह. को सूचनार्थ। 2. हल्का पटवारी को सूचनार्थ। 3. नगर पालिक निगम बिलासपुर को सूचनार्थ।
राजस्व निरीक्षक, सकरी

**आम सूचना**

आम जनता को सूचित किया जाता है कि ग्राम मंगला, प.ह.न. 35, र.नि. सरकण्डा, तहसील व जिला बिलासपुर (छ.ग.) स्थित भूमि जिसका खसरा क्रमांक 1635/12 एवं खसरा क्रमांक 1635/13 कुल रकबा 0.0540 हेक्टेयर है, जो मौके पर खुली भूमि के रूप में है, उसे क्रय करने का सौदा मेरे पक्षकार के द्वारा किया गया है एवं निकट भविष्य में उक्त सौदे के अनुरूप विक्रयनामा निष्पादित किया जाना है, इस हेतू इस आम सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त भूमि के सौदे के विषयक किसी भी व्यक्ति एवं संस्था को किसी भी प्रकार की आपत्ती हो 7 दिनो के अंदर मेरे समक्ष मय दस्तावेज के लिखित रूप से प्रस्तुत कर सकता है, उसके बाद की गई कोई भी आपत्ती अमान्य होगी, सो सूचना जाने।

संदीप सिन्हा
अधिवक्ता
सी-116, रामा वर्ल्ड, तिफरा, बिलासपुर (छ.ग.)
मो.न. 9425222784

HEALTH TOWN

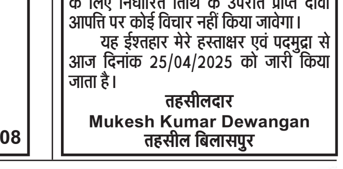

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.

नाक,कान, गला विभाग
- सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
- ऑपरेशन द्वारा ईलाज
- नाक की प्लास्टिक सर्जरी

चक्कर की जॉच
एलर्जी

Dental & Consmetic Treatments
- टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
- दांतो की नसों का इलाज
- दांतों की सफाई व चमकाना
- दंत प्रत्यारोपण
- मुंह के कम खुलने का इलाज

(Hearing Aids) सुनाई मशीन

# आईबी चीफ ने की उच्च स्तरीय गुप्त बैठक नक्सल विरोधी ऑपरेशन पर मंथन

## राज्य के डीजीपी गौतम सीआरपीएफ के डीजी भी शामिल

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) के प्रमुख तपन डेका की मौजूदगी में मंगलवार को राज्य पुलिस मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय गुप्त बैठक हुई। बताया गया है कि इस बैठक में छत्तीसगढ़ में चल रहे नक्सल विरोधी ऑपरेशन को लेकर तथा अभियान के अगले चरण को लेकर गंभीर मंथन हुआ है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुणदेव गौतम, सीआपीएफ के डीजी, एसएसबी समेत पैरा मिलिट्री फोर्स के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। खास बात ये है कि यह बैठक पूरी तरह से गोपनीय थी। इस बैठक के संबंध में मीडिया को आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

छत्तीसगढ़ इस समय देश के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन का मैदान बना हुआ है। ऐसे में इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के मुखिया तपन डेका का राज्य दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। देश के सबसे बड़े खुफिया अधिकारी की अचानक एंट्री ने सुरक्षा गलियारों में हलचल बढ़ा दी है।

राज्य में यह बैठक इसलिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इस समय छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के कुर्रेगुट्टा की पहाड़ियों में पिछले 8 दिनों से बड़े स्तर पर नक्सल ऑपरेशन चल रहा है। ऑपरेशन की खास बात यह है कि इसमें सिर्फ छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि महाराष्ट्र और तेलंगाना के सुरक्षा बल भी शामिल हैं। इस अभियान में 10,000 से ज्यादा जवान उतरे हैं, जिन्होंने करीब 1,500 सशस्त्र नक्सलियों को घेर रखा है।

इसके साथ ही कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर देशभर में अलर्ट रखा गया है। छत्तीसगढ़ भी इससे अछूता नहीं है। इस आधार पर माना जा रहा है कि आईबी प्रमुख की यह गोपनीय बैठक केवल सामान्य प्रक्रिया के तहत न होकर किसी बड़ी रणनीति को बनाने और उसके अमल पर केंद्रित रही है। बैठक में छत्तीसगढ़ में अब तक हुए ऑपरेशन की अब तक की प्रगति, भविष्य की रणनीति और संभावित चुनौतियों पर मंथन होने की बात सामने आई है। हालांकि अभी तक इस बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

### करीब ढाई घंटे चली बैठक

सूत्रों के अनुसार बैठक में अबतक के सबसे बड़े नक्सली विरोधी चलाए जा रहे ऑपरेशन की अबतक की कार्यवाही और आगामी दिनों में किए जाने वाले ऑपरेशन के ब्लू प्रिंट रखकर हुई लंबी चर्चा हुई है। यही नहीं छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य भी नक्सलियों के खिलाफ संयुक्त अभियान में जुटे हैं। ऐसे में आईबी प्रमुख की बैठकों में राज्यों के बीच सूचनाओं के अदान-प्रदान पर भी जोर दिया गया है। यह काम इंटर स्टेट को-आर्डिनेशन कमेटी के माध्यम से किया जाना है।

# हाईकोर्ट ने कहा- उम्मीद है कि सरकार लोगों को बेहतर सुविधा देगी, नई सड़कें और गड्ढों की मरम्मत पर शपथ पत्र मांगा

## मंगलवार को हुई सुनवाई में पिछले आदेश के परिपालन के बारे में पूछा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

प्रदेश में खराब सड़क को लेकर लगाई गई जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने शासन को पिछली सुनवाई में दिए गए आदेश के परिपालन के बारे में पूछा। शासन की ओर से कहा गया कि गड्ढों की मरम्मत करने के साथ ही नई सड़क बनाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि उम्मीद है कि लोगों की सुविधाएं देने के लिए शासन-प्रशासन बेहतर काम करेंगे। ज्ञात हो कि पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने तखतपुर-मुंगेली-पंडरिया सड़क पर गड्ढ़ों की भरमार पर नाराजगी जताई थी। हाईकोर्ट ने मीनिस्ट्री आफ रोड ट्रांसपोर्ट से भी इस पर जवाब मांगा है।

गौरतलब है कि जुलाई 2024 में बारिश के कारण शहर की सड़कों पर पानी भरने ,नालियां जाम होने और विद्युत व्यवस्था बदहाल होने पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लेकर सुनवाई शुरू की थी। बाद में शहर और आसपास की दूसरी सड़कों की खराब हालत पर भी चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने संज्ञान लिया। इसमें शहर की कई सड़कों पर गड्ढों का उल्लेख करते हुए लोक निर्माण सचिव से शपथपत्र पर जवाब मांगा गया था। लोक निर्माण विभाग की ओर से शपथ पत्र में कहा गया कि अधिकांश सड़कें राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 130 के अंतर्गत आती हैं। बिलासपुर-तखतपुर-मुंगेली- पंडरिया-पोंड़ी तक सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत के लिए मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर ने एकमुश्त सुधार के अंतर्गत कांक्रीट सड़कों के निर्माण के लिए सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, नई दिल्ली को पत्र के माध्यम से पहले ही सूचित कर दिया है।

### तिफरा से पेंड्रीडीह रोड की स्थिति पर शपथ पत्र मांगा

उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पेंड्रीडीह बाइपास पर सड़क किनारे के ढाबे हटाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद प्रशासन ने इस बाइपास सहित इससे जुड़े मार्गों पर बने अवैध ढाबों, दुकानों को हटाया है। उल्लेखनीय है कि ढाबों के सामने खड़े वाहनों से टकराकर आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोगों की जान जा रही है। कोर्ट ने सड़क परिवहन मंत्रालय को धनेली से नरहदा रोड और तिफरा से पेंड्रीडीह रोड की स्थिति के बारे में शपथपत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। राष्टीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सेंदरी जंक्शन के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत करने कहा गया है। पूर्व में हुई सुनवाई में कोर्ट ने रायपुर के धनेली से सड्डू, जोरा तक जाने वाली सड़क के कार्य को लेकर नाराजगी जताते हुए कहा था कि 6 महीने से ज्यादा समय हो गया, कितना समय लग रहा है सड़क को बनवाने में? साथ ही कोर्ट ने सेंदरी बाईपास के काम को लेकर भी नेशनल हाइवे प्रबंधन सहित अन्य को शपथपत्र में जवाब देने के निर्देश दिए थे।

### अप्रैल तक काम पूरा होना था

पिछली सुनवाई में चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच में शासन की ओर से बताया गया था कि , रायपुर के धनेली से सड्डू, जोरा तक जाने वाली सड़क पर तेजी से काम चल रहा है। 25 अप्रैल तक इसे पूरा कर लिया जाएगा। मालूम हो कि इसको लेकर 7 दिसंबर 2024 को मुख्य सचिव का शपथपत्र प्रस्तुत किया गया था , इसमें धनेली से सड्डू तक 9.5 किलोमीटर सड़क की मरम्मत होने के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड्डू से जोरा के बीच सड़क के 7.5 किलोमीटर की सबसे खराब सड़क को उखाड़कर बनाने की बात कही गई थी।

## वाहन चोरी मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** खमतराई पुलिस ने मुखबिर की सूचना तथा सीसीटीवी फूटेज की मदद से बाइक चोरी के आरोप में चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सभी खमतराई के रहने वाले हैं। बदमाशों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की चार बाइक जब्त की है। बाइक चोरी करने के आरोप में पुलिस ने अमन यादव, करन यादव, विक्की उर्फ भावेश दिवाकर, लोकेश साहू को गिरफ्तार किया है।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN: L65910KL1992PLC006623,
Registered Office : W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

**निलामी सूचना**

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16/05/2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :
कोबा, कोसाबाडी, 125440700027151, ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा, 11445070022055,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रु.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

# राज्यपाल के फर्जी लेटरपैड से विधायकों की खरीद-फरोख्त का जिक्र, अफसरों को नोटिस

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित राजभवन में जालसाजी कर फरार हुआ आरोपी अजय वर्मा उर्फ अजय रामदास मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा में गिरफ्तार हुआ है। वह पिछले 5 साल से फरार था। उसकी गिरफ्तारी की सूचना मिलते ही रायपुर पुलिस की टीम सोमवार को ही छिंदवाड़ा के लिए रवाना हो गई थी, जिसे अपनी कस्टडी में लेकर मंगलवार शाम को रायपुर लेकर पहुंची है। आरोपी अजय वर्मा ने राजभवन में तत्कालीन राज्यपाल अनुसूइया उईके के नाम का लेटर पैड चोरी कर उनके दस्तखत के साथ फर्जी लेटर जारी किए गए थे, जिसके कारण प्रदेश में हड़कंप भी मचा था। बाद में इस फर्जी लेटर को लेकर सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसकी जांच में पता चला था कि ये फर्जी लेटर अजय वर्मा ने जारी किए थे। इसके बाद उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे तलाश किया जा रहा था। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यह मामला वर्ष 2019 का है। उस समय छत्तीसगढ़ की राज्यपाल अनुसूइया उईके थीं। बताया गया है कि खुद को महामंडलेश्वर उपाधि प्राप्त बताने वाला अजय वर्मा उर्फ रामदास का राजभवन में आना-जाना था।

**कार्यालय नगर पालिका परिषद गोबरा, नवापारा जिला - रायपुर (छ.ग.)**
दूरभाष क्रं. 07701-233830 ई.मेल:-cmognawapara@gmail.com

क्रमांक / 443 / लो.नि.वि./ न.पा.प. / 2025 — गोबरा नवापारा, दिनांक- 29/04/2025

**मैनुअल पद्धति से द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना**

नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा क्षेत्रांतर्गत माननीय प्रभारी मंत्री महोदय के द्वारा विधानसभा क्षेत्र अभनपुर (प्रभारी निधि) मद से कुल 09 कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई है, उपरोक्त कार्य CGPWD Road and Building SOR 2015 & Electrical SOR 01.06.2020 से किया जाना है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सील बंद लिफाफे में रजिस्ट्री / स्पीड पोस्ट (डाक) के माध्यम से मैनुअल पद्धति से निविदा से दिनांक 14.05.2025 आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है:-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि - 05.05.2025 (सायं 5.00 बजे तक)
2. निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की अंतिम तिथि - 09.05.2025 (सायं 5.00 बजे तक)
3. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 14.05.2025 (सायं 5.00 बजे तक)
4. निविदा खोलने की तिथि - 15.05.2025 (सुबह 11.00 बजे )

| क्र. | कार्य का नाम | अनु. ला. राशि रू. (लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | वार्ड क्रं. 01 में शिव मंदिर के पास (गोबरा बस्ती) रंगमंच निर्माण कार्य | 5.00 |
| 2 | वार्ड क्रं. 03 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 2.00 |
| 3 | वार्ड क्रं. 06 के विभिन्न गलियों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य (कुल 02 कार्य) | 5.00 |
| 4 | वार्ड क्रं. 12 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 4.94 |
| 5 | वार्ड क्रं. 13 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 4.94 |
| 6 | वार्ड क्रं. 14 में सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 4.94 |
| 7 | वार्ड क्रं. 15 के विभिन्न गलियों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य (कुल 03 कार्य) | 5.00 |
| 8 | वार्ड क्रं. 19 में गोवर्धन साहू घर से खूबलाल साहू घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य | 4.94 |
| 9 | वार्ड क्रं. 20 के विभिन्न गलियों में सी.सी. रोड निर्माण कार्य (कुल 05 कार्य ) | 5.00 |

निविदा प्रपत्र निकाय से प्रदाय किया जायेगा। उपरोक्त निर्माण कार्यो की विस्तृत जानकारी, कार्यालय अवधि एवं समय में लोक निर्माण शाखा से अथवा विभागीय वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा

## हिरण के सिर-सींग के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, शिकार करने की आशंका

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के मोवा इलाके में वन विभाग की टीम ने मंगलवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए हिरण के एक सिर एवं दो सींग के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों को गिरफ्तार करने में अधिकारी-कर्मचारियों को काफी मशक्कत भी करनी पड़ी। इस कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपियों ने अधिकारी-कर्मचारियों के साथ न केवल विवाद किया, बल्कि धक्का-मुक्की करते हुए भागने का भी प्रयास किया, लेकिन टीम दोनों को पकड़ने में कामयाब रही। इधर विभाग इस मामले में आशंका जता रहा है कि पकड़े गए दोनों आरोपी पुराने तस्कर हैं, जो जानवरों का शिकार करने के साथ अवशेषों को बेचा करते हैं। फिलहाल इस मामले में दोनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। वन विभाग रायपुर के रेंजर दीपक तिवारी ने बताया कि उड़नदस्ता टीम को सूचना मिली कि मोवा इलाके में हिरण के अवशेष की तस्करी की जा रही है। इस सूचना पर उड़नदस्ता तत्काल सक्रिय हुआ और मौके पर पहुंचा। इस दौरान एक स्कूटी में सवार दो लोगों को एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में हिरण के अवशेष ले जाते पकड़ा। बोरी में हिरण के दो सींग एवं एक सिर था। टीम ने हिरण के अवशेष अपने कब्जे में लेकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान यासिर खान और फराज खान के रूप में की गई है। दोनों मोवा के ही निवासी है। इस कार्रवाई के दौरान विभाग के अधिकारी-कर्मचारी जब यासिर और फराज को पकड़कर गाड़ी में बैठाने लगे, तो इस पर दोनों कार्रवाई का विरोध करते हुए गाड़ी में बैठने से मना करने लगे। इस दौरान एक आरोपी ने टीम के अधिकारी के साथ धक्कामुक्की कर भागने का भी प्रयास किया। वन विभाग की इस कार्रवाई का विडियो भी सामने आया है। उड़नदस्ता की टीम ने सूचना के आधार पर ही मोवा इलाके में आरोपियों के घर के बाहर मेन रोड पर दोनों को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछा रखा था। दोनों आरोपी एक स्कूटी में सवार होकर सुबह करीब 11.30 बजे हिरण के अवशेष लेकर जैसे ही घर से निकलकर मेन रोड पर पहुंचे, इसी दौरान घेराबंदी कर दोनों को रंगे हाथ पकड़ा गया।

### टीम में ये रहे शामिल

टीम में वन विभाग के बीएफओ अमृत पाल सिंग, भूपेंद्र खैरवार, दीपक वर्मा, गोस्वामी एवं सहयोगी यशपाल शामिल थे।

**कार्यालय नगर पंचायत पुसौर जिला रायगढ़ (छ.ग.)**

क्रमांक /76/ लो . नि .शा ./ न .पं . / 2024-25 — पुसौर दिनांक 29/04/2025

**मैन्युअल निविदा द्वितीय आमंत्रण सूचना**

नगर पंचायत पुसौर अंतर्गत निम्न कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निविदा प्रपत्र "अ" में निम्नांकित निर्माण कार्य हेतु ( C.G.P.H.E. S.O.R 01.06 .2020) दर पर सीलबंद त्रि लिफाफे पद्धती में स्पीड पोस्ड/पंजीकृत डाक से ( मैनुअल) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्रं. | कार्य का नाम | लागत राशि (लाख में) | तिथि का विवरण |
|---|---|---|---|
| 1 | वार्ड क्र . 15 जनपद कार्यालय के पीछे बोर खनन कार्य। | 2 .62 | 1- आवेदन प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि - 09 .05 .2025 समय शाम 5 .00 बजे तक<br>2- निविदा प्रपत्र प्रदाय करने हेतु अंतिम तिथि 13 .05 .2025 समय शाम 5 .00 बजे तक<br>3- निविदा प्रपत्र जमा हेतु अंतिम तिथि 16 .05 .2025 समय शाम 05 .00 बजे तक एवं निविदा खोले जाने हेतु तिथि 16 .05 .2025 समय- शाम 5 .30 बजे |
| 2 | वार्ड क्र . 15 स्टेडियम के पास बोर खनन कार्य। | 2 .62 | |
| 3 | वार्ड क्र . 01 प्राथमिक स्कूल के पास बोर खनन कार्य। | 2 .62 | |
| 4 | वार्ड क्र . 03 सोढ़ापाठ प्रांगढ़ में बोर खनन कार्य। | 2 .62 | |
| 5 | वार्ड 04 युधिष्ठिर घर के पास (तेलीटार) बोर खनन कार्य। | 2 .62 | |
| 6 | वार्ड 02 लाईब्रेरी के पास बोर खनन कार्य। | 2 .62 | |

टीप :- (1) उपरोक्त कार्यों की निविदा शर्तें, अमानत राशि एवं अन्य नियम शर्तें कार्यालयीन दिवस व समय में कार्यालय में अवलोकन / प्राप्त किया जा सकता है तथा विभागीय वेबसाईड www .uad .cg .gov .in में देखी जा सकती है। उपरोक्त तिथियों में यदि अवकाश होता है तो आगामी कार्य दिवस को निविदा तिथि मानी जावेगी ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत पुसौर

**CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.**
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821

No.15-06/S&P/EE-II/CHP/W/TN-56/25/1266 — Marwa, dtd.29-04-2025

**NOTICE INVITING E-TENDER NO TN-56/2025: -**

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from experienced firms for work as mentioned below for ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa

| S. No | Tender Specification No. | Rfx No. (E-Tender No.) | Particulars | Last Date/Time of submission of bid. | Tender Fee | EMD |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 01. | 15-06/ S&P/ EE-II/ CHP/W/ T-87/25 | 8100042586 | Work contract for supply, erection and commissioning of various types of electrical hoist for Track Hopper, TP-5 and Loco Shed at CHP, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa. | 26.05.2025 15:30 Hrs | Rs. 590/- (Rs.500/- + GST @18%) | Rs. 15000/- |
| 02. | 15-06/ S&P/ EE-II/ CHP/W/ T-88/25 | 8100042587 | Work contract for supply, erection and commissioning of various types of electrical hoist for TP-6 and TP-7 at CHP, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa. | 27.05.2025 15:30 Hrs | Rs. 590/- (Rs.500/- + GST @18%) | Rs. 15000/- |
| 03. | 15-06/ S&P/ EE-II/ CHP/W/ T-89/25 | 8100042588 | Work contract for supply, erection and commissioning of various types of electrical hoist for TP-4&10 and Con.2A/2B at CHP, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa. | 28.05.2025 15:30 Hrs | Rs. 590/- (Rs.500/- + GST @18%) | Rs. 15000/- |
| 04. | 15-06/ S&P/ EE-II/ CHP/W/ T-90/25 | 8100042590 | Work contract for supply, erection and commissioning of various types of electrical hoist for Ground Hopper (ERH), Con. 2A/2B and TP -9 at CHP, ABVTPS CSPGCL, Janjgir-Champa. | 29.05.2025 15:30 Hrs | Rs. 590/- (Rs.500/- + GST @18%) | Rs. 14975/- |

The bidder shall deposit the requisite Tender Fee & EMD amount online through our e-bidding portal before due date and time. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/Ebidding/Ebidding web portal. Any Extension/ Corrigendum / amendments, if required, shall be displayed on above websites only.

Superintending Engineer (Contract)
// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION // O/o The Addl. Chief Engineer (S&P) ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa

**कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)**

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना**

क्र. 328/निर्माण/2025 — दिनांक 24 .04 .2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ( Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | कार्य का विवरण | अनुमानित लागत (रू. लाख में) | निविदा डालने की अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|
| 1 | वार्ड क्र . 15 (वर्तमान वार्ड क्र . 17) ढोढ़ीपारा कबीर आश्रम में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य (अधोसंरचना मद) (प्रथम निविदा) | 10 .00 | 13 .05 .2025 (T .No . 167488) |

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http ://eproc .cgstate .gov .in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www .korbamunicipal .in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

**CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.**
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821

No. 03-11/HR/S.E.-III/164 — Raipur, Date 17.03.2025

**Recruitment Notice – For Assistant Law Officer (on contract basis)**

Chhattisgarh State Power Generation Company Limited invites applications for recruitment for 01 (one) post of **Assistant Law Officer (on contract basis)** for a period of 01 (One) year and shall be extendable up to 03 years. Detail category-wise number of post is as under:-

| Category | UR | OBC | ST | SC | Total |
|---|---|---|---|---|---|
| No. of post | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 |

1. REMUNERATION :- Remuneration / Contract Pay is Fixed **Rs. 70,065/- Per month.** 2. Leave and other conditions of contract appointment shall be as per the "Chhattisgarh Civil Sewa (Samvida Niyukti) Niyam, 2012" and its amendment time to time. 3. SELECTION PROCESS :- Selection will be based on experience and suitability of the candidate for the job to be judged through interview.

Please visit our web site www.cspc.co.in for more details regarding qualifications, age, selection procedure, application fees, last date for application, other conditions, standard application format, how to apply etc.

**Chief Engineer (HR)**
**CSPGCL, Raipur**
SAVE ELECTRICITY

HDFC BANK

**एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड**
शाखा: अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

**मांग-सूचना**

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें।

जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए। , यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.

उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए। . ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।

सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

| क्रं. | ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता | बकाया राशि | मांग सूचना तिथि | बंधक संपत्ति का विवरण |
|---|---|---|---|---|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) | (इ) |
| 1. | **श्री ठाकुर प्रशांत,** मकान नंबर 91, कॉलोनी लेबर कॉलोनी, तुलसीपुर, राजनांदगांव-491441.<br>**श्री ठाकुर प्रशांत,** मेन रोड दारापारा, दारापारा - बीजापुर S.O., छत्तीसगढ़, पिन - 494444.<br>**श्री ठाकुर प्रशांत,** पुलिस विभाग, बीजापुर- दारापारा, मेन रोड, दारापारा, बीजापुर - 494226.<br>**श्री ठाकुर गंगाधर,** मकान नंबर 91, लेबर कॉलोनी, कॉलोनी तुलसीपुर, राजनांदगांव, छ.ग. 491441. | ₹ 7,87,861/- as on 31-Mar-25 | 16-Apr-2025 | समस्त एवं आंशिक भाग फ्रीहोल्ड भूमि जिसका प्लॉट क्षेत्रफल-68.26 वर्ग मीटर और निर्मित क्षेत्रफल-346.73 वर्ग फीट, एस.आई.एच.एस.-91, लेबर कॉलोनी, तुलसीपुर, राजनांदगांव तहसील और जिला-राजनांदगांव छ.ग., **चौहद्दी:**-पूर्व -5.55 मीटर गली, पश्चिम-5.55 मीटर रोड, उत्तर-12.30 मीटर एस.आई.एच.एस.-90, दक्षिण-12.30 मीटर एस.आई.एच.एस.-92. |
| 2. | **श्री सोनी जगदीश** पिता श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी एवं नियुक्तिकर्ता श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) साथ ही सह-उधारकर्ता, प्लॉट क्रमांक बी-18, खसरा क्रमांक 137(भाग), प.ह.नं. 69, मौजा अमलीडीह, ऋषभ नगर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड-46, रायपुर-492001.<br>**श्री सोनी जगदीश** पिता श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी एवं नियुक्तिकर्ता श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) साथ ही सह-उधारकर्ता, प्लॉट क्रमांक बी-18, ऋषभ नगर, पवन विहार कालोनी के पास, अमलीडीह, रायपुर-492001.<br>**श्रीमती सोनी बेन कोकिला** पति श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी एवं नियुक्तिकर्ता श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) साथ ही सह-उधारकर्ता, प्लॉट क्रमांक बी-18, खसरा क्रमांक 137(भाग), प.ह.नं. 69, मौजा अमलीडीह, ऋषभ नगर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड-46, रायपुर-492001.<br>**श्रीमती सोनी गायत्री** पिता श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) कानूनी उत्तराधिकारी, कानूनी प्रतिनिधि, उत्तराधिकारी एवं नियुक्तिकर्ता श्री सोनी किशोर कुमार (मृतक पश्चात) प्लॉट क्रमांक बी-18, खसरा क्रमांक 137(भाग), प.ह.नं. 69, मौजा अमलीडीह, ऋषभ नगर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड-46, रायपुर-492001.<br>**मेसर्स श्री गायत्री ज्वेलर्स,** प्रोपराइटर **श्री सोनी जगदीश** के माध्यम से, प्लॉट क्रमांक बी-18, खसरा क्रमांक 137(भाग), प.ह.नं. 69, मौजा अमलीडीह, ऋषभ नगर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड-46, रायपुर-492001. | ₹12,98,964/- as on 31-Mar-25 | 16-Apr-2025 | समस्त एवं आंशिक भाग का मकान जिसका क्षेत्रफल 525 वर्ग फीट, खसरा नंबर 137 और 137/1 का भाग, प.ह.-114, प्लॉट नंबर बी 18, ऋषभ नगर, पवन विहार कॉलोनी के पास, ग्राम- अमलीडीह तहसील और जिला- रायपुर छ.ग.-492001. **चौहद्दी:**- उत्तर- प्लॉट नंबर बी-17, दक्षिण - प्लॉट नंबर बी-19, पूर्व - प्लॉट नंबर बी-13, पश्चिम -रोड। |
| 3. | **बनर्जी हिमांशु,** सेलिनो पैराडाइज़ ब्लॉक ए, फ्लैट-503, फ्लोर-5वीं, स.क्र., खसरा नंबर 653; प.ह.नं.109; ग्राम- दलदल सिवनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001.<br>**बनर्जी हिमांशु,** सी 101, जीटी होम नेचुरा स्काई टॉवर, दलदल सिवनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001.<br>**बनर्जी हिमांशु,** हैवेल्स इंडिया लिमिटेड, 311-314, वॉलफोर्ट ओजोन, फाफाडीह, रायपुर, छत्तीसगढ़492001.<br>**बनर्जी चंदना,** सेलिनो पैराडाइज़ ब्लॉक ए, फ्लैट-503, फ्लोर-5वीं, स.क्र., खसरा नंबर 653; प.ह.नं.109; ग्राम- दलदल सिवनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001.<br>**बनर्जी चंदना,** सी-101, जीटी होम नेचुरा स्काई टावर, दलदल सिवनी, रायपुर छत्तीसगढ़ 492001. | ₹ 30,44,738/- as on 31st Mar 2025 For Credit Card:- Rs. 133404.86/- as on 07th Mar 2025 | 25-Apr-25 | सेलिनो पैराडाइज़ ब्लॉक ए, फ्लैट-503, फ्लोर-5वीं, क्रमांक, खसरा नंबर 653; प.ह.नं.109;, ग्राम- दलदल सिवनी, रायपुर, छत्तीसगढ़। |
| 4. | **सिंह ओंकार नाथ,** खसरा नंबर 1274 भाग, नया खसरा नं. 1274/14, प.ह.नं. 37, प्लॉट नंबर 290/1, हाउस शीट नंबर 15, मौजा तोरवा, हेमू नगर, बिलासपुर-छ.ग. 495001.<br>**सिंह ओंकार नाथ,** फ्लैट नंबर-1 ए 2, आदित्य एन्क्लेव, रोड नंबर 04, आदित्यपुर-2, खरसावां, झारखंड 833219.<br>**सिंह ओंकार नाथ,** आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड, एनएस-25, छठा चरण, गम्हरिया जमशेदपुर 832108.<br>**सिंह मनोज कुमार,** खसरा नंबर 1274 भाग, नया खसरा नं. 1274/14, प.ह.नं. 37, प्लॉट नंबर 290/1, हाउस शीट नंबर 15, मौजा तोरवा, हेमू नगर, बिलासपुर-छ.ग. 495001.<br>**सिंह मनोज कुमार,** फ्लैट नंबर-1 ए 2, आदित्य एन्क्लेव, रोड नंबर 04, आदित्यपुर-2, ।रसावां, झारखंड 833219.<br>**सिंह सावित्री,** खसरा नंबर 1274 भाग, नया खसरा नं. 1274/14, प.ह.नं. 37, प्लॉट नंबर 290/1, हाउस शीट नंबर 15, मौजा तोरवा, हेमू नगर, बिलासपुर-छ.ग. 495001.<br>**सिंह सावित्री,** फ्लैट नंबर- 1 ए 2, आदित्य एन्क्लेव, रोड नंबर 04, आदित्यपुर-2, खरसावां, झारखंड 833219.<br>**सिंह प्रीति,** खसरा नंबर 1274 भाग, नया खसरा नं. 1274/14, प.ह.नं. 37, प्लॉट नंबर 290/1, हाउस शीट नंबर 15, मौजा तोरवा, हेमू नगर, बिलासपुर-छ.ग. 495001.<br>**सिंह प्रीति,** फ्लैट नंबर-1 ए 2, आदित्य एन्क्लेव, रोड नंबर 04, आदित्यपुर-2, खरसावां, झारखंड 833219. | ₹31,37,016/- as on 31st Mar 2025 For Credit Card:- Rs. 4,73,987.84/- as on 07th Mar 2025 | 25-Apr-25 | खसरा नंबर 1274 भाग, नया खसरा नं. 1274/14, प.ह.नं. 37, प्लॉट नंबर 290/1, हाउस शीट नंबर 15 मौजा तोरवा, हेमू नगर, बिलासपुर-छ.ग. |
| 5. | **दादू दयाल बंजारे** खसरा 1123/7, पुराना नंबर 1123/2, (भाग), फोन नं. 21/25/35, प्लॉट नंबर 2230, पुराना नंबर 45, हाउस शीट नंबर 26, मौजा मंगला, वार्ड नंबर 14, मिनीमाता नगर बिलासपुर-छ.ग. 495001.<br>**दादू दयाल बंजारे** पिता स्व. शिव राम बंजारे, 43,2, सेंदरी, जांजगीर चांपा, छत्तीसगढ़ 495690.<br>**दादू दयाल बंजारे** पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कार्यालय जनपद पंचायत सक्ती रोड, जांजगीर चांपा 495668.<br>**बंजारे मोंगरा बाई,** खसरा 1123/7, पुराना नंबर 1123/2, (भाग), फोन नं. 21/25/35, प्लॉट नंबर 2230, पुराना नंबर 45, हाउस शीट नंबर 26, मौजा मंगला, वार्ड नंबर 14, मिनीमाता नगर बिलासपुर-छ.ग. 495001.<br>**बंजारे मोंगारा बाई** पिता स्व. शिव राम बंजारे, 43,2, सेंदरी जांजगीर चांपा, छत्तीसगढ़ 495690. | ₹ 24,26,662/- as on 31st Mar 2025 For Credit Card:- Rs. 1,27,991.29/- as on 07th Mar 2025 | 25-Apr-25 | खसरा 1123/7, पुराना नंबर 1123/2, (भाग), प.ह. क्रमांक 21/25/35, प्लॉट क्रमांक 2230, पुराना क्रमांक 45, हाउस शीट क्रमांक 26, मौजा मंगला, वार्ड क्रमांक 14, मिनीमाता नगर बिलासपुर-छ.ग. 495001. |

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।

यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।

उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान : रायपुर, राजनांदगांव, बीजापुर, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा
दिनांक : 30.04.2025 — पंजीकृत पता- एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर पर्ल (पश्चिम), मुंबई-400020

कृते / प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

## प्रथम पृष्ठ का शेष

### शांति के लिए ...

क्रांतिकारी बुद्धिजीवियों ने सैकड़ों की तादाद में आंदोलनरत हैं तथा उनकी मांग है कि ऑपरेशन कगार पर फौरन रोक लगाई जाए। जारी पर्चे में युद्ध विराम की घोषणा करने व सरकार और माओवादी मिलकर वार्ता के जरिए समस्या का हल निकालने की बात कही गई है।

### आतंकवाद को मिलेगा...

को करारा जवाब देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है'। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री ने सशस्त्र बलों की क्षमता में पूर्ण विश्वास व्यक्त किया। एक सूत्र ने मोदी के हवाले से कहा, उन्हें (सशस्त्र बलों को) हमारी जवाबी कार्रवाई के तरीके, लक्ष्य और समय के बारे में फैसला लेने की पूरी अभियानगत छूट है। इस बैठक में प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भी शामिल हुए। यह बैठक पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत द्वारा उठाए जाने वाले संभावित कदमों पर विचार किए जाने के बीच हुई। पहलगाम के लोकप्रिय पर्यटन स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस हमले में शामिल आतंकवादियों और उनके आकाओं का "पृथ्वी के अंतिम छोर तक" पीछा करने और उन्हें उनकी कल्पना से परे" कड़ी से कड़ी सजा देने का आह्वान किया है। पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर में नागरिकों पर पिछले कई वर्षों में हुआ सबसे घातक हमला है, जिसे लेकर पूरे देश में आक्रोश की लहर है और हमलावरों तथा उनके आकाओं के खिलाफ कठोर जवाबी कार्रवाई की मांग उठ रही है। प्रधानमंत्री की कठोर टिप्पणियों और राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर उनकी सरकार के कड़े रुख के कारण भारत की ओर से करारी जवाबी कार्रवाई की उम्मीदें बढ़ गई हैं। मोदी सरकार ने 2016 में उरी में सेना के जवानों पर आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के अंदर 'सर्जिकल स्ट्राइक' की थी।

### तीसरी मंजिल में...

के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से स्थिति नाजुक होने से उसे जिला अस्पताल दुर्ग रेफर किया गया। रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक राजा तीसरे फ्लोर में था, जहां लिफ्ट का दरवाजा अपरिहार्य कारणों से खुला हुआ था, लेकिन लिफ्ट नीचे थी। राजा बांदे इसे देख नहीं पाया और सीधे लिफ्ट के भीतर घुस गया। इससे केज में गिर पड़ा। मृतक इतनी सुबह ऊपर क्यों चढ़ा, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। बता दें कि पूर्व में भी यहां लिफ्ट में इसी तरह के हादसे में नारियल पानी बेचने वाले युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने बताया कि चौहान स्टेट के गार्ड ने बयान दिया है कि युवक चौहान स्टेट के किसी भी व्यवसायिक परिसर में काम नहीं करता है। वो अचानक ही सुबह ऊपर दिखा।

### अब नहीं चलेगी...

पर एक लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का कठोर जुर्माना लगाया जाएगा। गुप्ता ने इस कदम को साहसिक व ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि भाजपा सरकार दिल्ली स्कूल शिक्षा पारदर्शिता निर्धारण एवं शुल्क विनियमन विधेयक, 2025 को पारित करने के लिए तत्काल दिल्ली विधानसभा का सत्र बुलाएगी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद के साथ मौजूद मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दिनों इस मुद्दे पर व्यापक रूप से चर्चा हुई और कुछ स्कूलों की गतिविधियों व फीस वृद्धि के नाम पर छात्रों के उत्पीड़न की शिकायतों के कारण अभिभावकों में घबराहट थी। उन्होंने कहा, दिल्ली की पिछली सरकारों ने फीस वृद्धि को रोकने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया। निजी स्कूलों द्वारा फीस वृद्धि को रोकने में सरकार की मदद करने के लिए कोई दिशानिर्देश नहीं था।/" सूद ने कहा कि विधेयक में स्कूल, जिला व राज्य स्तर पर तीन स्तरीय समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इससे स्कूल फीस निर्धारित करने की प्रक्रिया में बहुत जरूरी पारदर्शिता वसंरचना आएगी और अभिभावकों को अनियमित बढ़ोतरी से बचाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पूरी प्रक्रिया समयबद्ध होगी, ताकि अभिभावकों को किसी तरह की परेशानी न हो।

### चारधाम यात्रा, 22...

यात्रा के लिए श्रद्धालुओं में अपार उत्साह नजर आ रहा है और अब तक देश-विदेश के 22 लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। उत्तरकाशी जिले में देवी गंगा की मूर्ति को मंगलवार दोपहर 12 बजे उनके शीतकालीन प्रवास स्थल मुखबा गांव से गंगोत्री धाम के लिए डोली में रवाना किया गया। पारंपरिक वाद्य यंत्रों ढोल दमाउ, सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों और मां गंगा के जयकारों के बीच स्थानीय ग्रामीणों ने देवी की मूर्ति को बेटी की तरह नम आंखों के साथ गंगोत्री के लिए विदा किया। तीर्थ पुरोहित राजेश सेमवाल ने बताया कि भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर में रात्रि विश्राम करने के बाद बुधवा सुबह डोली गंगोत्री धाम पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि पूर्वह्ना साढ़े 10 बजे मंदिर के कपाट खोले जाएंगे, जहां अगले छह माह तक श्रद्धालु देवी गंगा के दर्शन कर सकेंगे। सोमवाल ने बताया कि देवी गंगा की डोली कुल 25 किलोमीटर पैदल यात्रा कर धाम पहुंचती है। यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि देवी यमनु की डोली अपने शीतकालीन प्रवास स्थल खुशीमठ से बुधवार सुबह यमुनोत्री धाम के लिए रवाना होगी और विधिवत पूजा अर्चना के बाद 11 बजकर 55 मिनट पर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस बीच, उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने ऋषिकेश पहुंचकर चारधाम यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

### अक्षय तृतीया 100...

नारायण राजयोग बन रहे हैं। यह दुर्लभ संयोग आकस्मिक धन लाभ और तरक्की के योग बना रहे हैं। अक्षय तृतीय पर मां लक्ष्मी के पूजन का विधान है। पंचांग अनुसार इस मुहूर्त में पूजन, खरीदारी व कोई कोई भी शुभ कार्य करना उत्तम रहेगा। अक्षय तृतीया को आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है। अक्षय शब्द का अर्थ कभी कम न होने वाला है। इसलिए इस दिन कोई भी जप, यज्ञ, पितृ-तर्पण, दान-पुण्य करने का लाभ कभी कम नहीं होता तथा व्यक्ति को सदैव प्राप्त होता रहता है। चारों युगों में त्रेता युग का आरंभ भी इसी तिथि से हुआ था। ब्रह्मा पुराण और स्कंद पुराण में अक्षय तृतीया को धन, सौभाग्य और आत्मविश्वास में वृद्धि करने वाला दिन बताया गया है। कल ग्रहों की शुभ स्थिति बनने से हर तरह की खरीदारी और नई शुरुआत लंबे समय तक फायदा देने वाली रहेगी। स्कंद पुराण के अनुसार, अक्षय तृतीया पर खरीदा गया सोना समृद्धि देने वाला होता है।

### राज्य में 5000...

और दो टीचर ही हैं। वहीं, अरबन एरिया में 7305 शिक्षक जरूरत से ज्यादा हैं। वहीं, 297 स्कूल ऐसे हैं, जहां कोई टीचर नहीं है। इन स्कूलों में फिलहाल आसपास के स्कूलों के टीचरों को अटैच किया गया है। करीब 4000 से ज्यादा स्कूलों को मर्ज किया जा सकता है। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़ में सबसे अतिशेष शिक्षक हैं। अतिशेष शिक्षकों के मामले प्रायमरी स्कूलों में बस्तर संभाग के जिला मुख्यालयों में सबसे अधिक सरप्लस शिक्षक हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षकों की कमी की समस्या को दूर करने स्कूलों और शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने जा रही है।

### किसानों से धान...

अप्रैल तक नीलामी के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी की गई। खाद्यमंत्री दयालदास बघेल की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडलीय उप समिति की बैठक में मंगलवार को यह तय किया गया कि नीलामी में धान का बेस रेट 1900 रुपए से 2100 रुपए तक होगा। बैठक में कृषिमंत्री रामविचार नेताम, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, एसीएस खाद्य ऋचा शर्मा, मार्कफेड के एमडी रमेश शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया में 33 जिलों में से 30 जिलों के संग्रहण केंद्रों में रखे धान की नीलामी की जा रही है। बेस रेट तय होने के बाद अब संग्रहण केंद्रों में रखे धान के लिए भरे गए ऑनलाइन टेंडर के आधार पर आगे की कार्रवाई शुरू होगी। मामले में यह बताया गया है कि बेस रेट से कम बोली आने पर फिर से टेंडर की प्रक्रिया तय की जाएगी।

### 35 लाख टन...

जाएगी और ई-ऑक्शन के जरिए प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके लिए 17 से 23 अप्रैल को टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई। अब बेस रेट तय होने के बाद रेट ऑफर देखकर धान का सौदा होगा।


## छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)
(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की एक उत्तरवर्ती कंपनी)

क्र./कार्य. यंत्री/सामा./सू.प्रकाशन/290 — पत्थलगांव, दिनांक: 29/04/2025

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 30.04.2025 दिन बुधवार समय सुबह 09:00 बजे से शाम 04:00 बजे तक 33 केव्ही फरसाबहार फीडर निर्माणाधीन 33/11 केव्ही उपकेन्द्र महेशपुर के 04 पोल स्ट्रक्चर के निर्माण के लिए परमिट में रहेगी। जिससे 33/11 केव्ही जामझोर एवं गझियाडीह से निकले वाली सभी 11 केव्ही फीडर से संचालित होने वाले कार्य ग्रामों की विद्युत प्रवाह बांधित रहेगी। सम्माननीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद हैं।

| क्र. | दिनांक एवं समय | दिन | उपकेन्द्र का नाम | फीडर का नाम | प्रभावित क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | दिनांक 30.04.2025 समय सुबह 09.00 बजे से शाम 04:00 बजे तक | बुधवार | 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गझियाडीह, कोतबा एवं जामझोर | 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र गझियाडीह, कोतबा एवं फीडर, एवं जामझोर से संचालित होने वाले समस्त 11 केव्ही फीडर | प्रभावित ग्राम कुकुरभुका, पेमला, जमरगी बी, गझियाडीह, बागबहार, मयूरनाचा, कोतबा, कोकियाखार, जामझोर, मधुबन, गोलियागढ़, राजाआमा, पिठाआमा, झिमकी, महुआडीह, कुम्हारबहार, डुमरिया, आमाकछार, डोगादरहा, फरसाटोली, लाखझार, कोल्हेनझरिया, कुल्हारबुड़ा, हाथीबेड, जोरडाझरिया, माटीपहाड़छर्रा। |

नोट :- आवश्यकतानुसार कार्य की समय-सीमा बढ़ाई व घटाई जा सकती है।
// स्वहित व राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाएँ //
// विद्युत बिलों का समय पर भुगतान करें //

कार्यपालन यंत्री
(सं./सं.), संभाग छ.स्टे.
पॉ.डि.कं.लिमि., पत्थलगांव

## छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कम्पनी मर्यादित
(सं./सं.) संम्भाग - बलरामपुर

क्रमांक/का.यं.ब./ क्रय खण्ड/सूचना /437 — बलरामपुर, दिनांक 29.04.2025

"विद्युत बन्द की सूचना"

समस्त विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि बलरामपुर जिला अन्तर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र महुआपारा राजपुर मे 30.04.2025 को आवश्यक सुधार कार्य किया जाना प्रस्तावित है। जिसके कारण दिनांक 30.04.2025 को प्रात: 08:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक विद्युत प्रवाह सूची अनुसार बन्द रहेगी।

| क्र. | उपकेन्द्र का नाम | फीडर का नाम | समय |
|---|---|---|---|
| 1 | 33/11 केव्ही उपकेन्द्र सरनापारा, महुआपारा राजपुर शंकरगढ़, डीपाडीह, कुसमी, सामरी, करौंधा | 33/11के.व्ही उपकेन्द्र सरनापारा, महुआपारा राजपुर पस्ता, बरियों, खोडरो शंकरगढ़, डीपाडीह, कुसमी, सामरी, करौंधा से निकलने वाली समस्त ग्राम की विद्युत प्रवाह बन्द रहेगी। | प्रात: 08 बजे से दोपहर 2 बजे तक |

टीप:- आवशकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।
"विद्युत की बचत करें, समय पर विद्युत बिल का भुगतान करें।"

भवदीय,कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग
छ.रा.वि.वि.कं.मर्या., बलरामपुर

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल — आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव — बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन) — आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

## आवश्यकता है

आवश्यकता है- गिफ्ट और खिलौना दुकान में काम करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- हिन्दुस्तान टॉयज तेलीपारा बिलासपुर 9827186198 (37584)

आवश्यकता है- अनुभवी एवं फ्रेशर सेल्समैन की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- 9425219380, 9425219390 (37585)

आवश्यकता है- फील्ड कार्य हेतु लड़के एवं ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे तक वेतन योग्यता अनुसार पता अभव्या फाइनेंशियल कंसलटेन्सी सर्विसेज प्रा.लि. 7354866666 (37582)

आवश्यकता है- होलसेल दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़के, लड़की एवं ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- के.एस. एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर (3170)

आवश्यकता है- तिलक नगर में होम्योपैथीक क्लिनिक में कार्य करने हेतु लड़की की जरूरत है। स्नातक या स्नातक में अध्ययन-रत को प्राथमिकता। तिलक नगर के नजदीक रहने वाले संपर्क करें। 7987681655 (37586)

आवश्यकता है-दुकान में कंप्यूटर ऑपरेटर (जिसे बीज़ी सॉफ्टवेयर की जानकारी हो) लड़को तथा सेल्समेन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुनील प्लास्टिक होटल अजीत के सामने तेलीपारा बिलासपुर (37577)

आवश्यकता है-कार ड्राइवर, स्कॉर्पियो, एंडेवर गाड़ी चलाने वाला लाइसेंस हो और यहीं पर रहकर कार्य करने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गुरुद्वारा के बाजू में गोड़पारा बिलासपुर 96692 11111, 9827175811 (37578)

आवश्यकता है-भारी संख्या में अतिशीघ्र सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752448013 (37516)

आवश्यकता है- 2 पोस्ट लेथ मशीन ऑपरेटर और 2 पोस्ट वेल्डर (नये या अनुभवी) चाहिए PF, ESIC सुविधा सम्पर्क करें - किशोरी ट्रेडर्स ग्राम नगोई, मुख्य मार्ग सेन्दरी मोपका बायपास बिलासपुर 8305812310, 9300350199 (37587)

आवश्यकता है-पीएम सूर्य घर योजना के तहत सोलर सिस्टम से संबंधित ऑफिस/ फील्ड कार्य हेतु डिप्लोमा इलेक्ट्रीकल/ ITI इलेक्ट्रीकल को प्राथमिकता सम्पर्क करें- शिखा सोलर सालूशन नेहरू नगर बिलासपुर 9301219664, 9827166595 (37576)

आवश्यकता है- बिलासपुर शहर के प्रतिष्ठित संस्थानों में सुरक्षा कार्य करने हेतु सुरक्षा गार्डों की भारी मात्रा में भर्ती लड़के एवं लड़कियों अनुभवी को प्राथमिकता वेतनमान 8000 से 10,000 तक संपर्क करें 8839326096 (37583)

आवश्यकता है-रेडीमेड शो रूम में 3वर्ष के पुराने अनुभवी युवक/ युवती सेल्समैन की आवश्यकता है वेतन 10000 से शुरू सम्पर्क करें-नेशनल होजियरी NX सदर बाजार बिलासपुर (37563)

आवश्यकता है-बिलासा फाइनेंशियल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है योग्यता स्नातक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार बिलासपुर 7879923905, 9977089866 (37574)

आवश्यकता है-थोक दवाई दुकान में कार्य करने हेतु सेल्समैन, दुकान में माल निकालने, पैकिंग हेतु लड़के चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- जयदेव मेडिकल एजेन्सी अयप्पा मन्दिर रोड भारतीय नगर बिलासपुर 9993303951 (37564)

आवश्यकता है-(1) कंस्ट्रक्शन ऑफिस में कार्य हेतु साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर (2) रियल एस्टेट टेलीकालिंग, सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 9770770000, 9827072000 (37450)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में फुल टाइम कार्य हेतु अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7999934599 (37522)

आवश्यकता है-ऑथर्स क्लीक प्रकाशन में टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता ग्रेजुएट सम्पर्क करें- वासुदेव कॉम्प्लेक्स फर्स्ट फ्लोर विजयापुरम गेट के बगल में, सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 8815446519, 7470907361 (37571)

आवश्यकता है-सूर्या बार में काम करने हेतु वेटर एवं गार्ड की आवश्यकता है अनुभव वाले सम्पर्क करें- सूर्या बार पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9755001888 (37557)

आवश्यकता है-रेस्टोरेन्ट में काम करने हेतु तन्दूर कुक, इंडियन कुक, किचन हेल्पर, वेटर लड़का या लड़की की आवश्यकता है अनुभवी ही सम्पर्क करें- सांझा चूल्हा रेस्टोरेन्ट महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 8319344041 (37559)

आवश्यकता है- टर्नर, फिटर, वेल्डर, हेल्पर, शिफ्ट इंचार्ज CRO स्टोर कीपर सुपरवाइजर चाहिए अनुभवी योग्य उम्मीदवार अपना बायोडाटा ईमेल/ वॉट्सएप द्वारा भेजें- hr.saspl@gmail.com 9301548687 सृजन एलॉयज एण्ड स्टील प्राइवेट लिमिटेड, सिलपहरी, बिलासपुर (37565)

आवश्यकता है-बुकिंग में इनोवा, क्रिस्टा कार चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्रायवर चाहिए जो आटोमेटिक गाड़ी चलाना जानता हो फिक्स वेतन 16000 या 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट, बाहरी के रहने की व्यवस्था सम्पर्क-सक्षम टूर एण्ड ट्रेवल्स 97554 4037, 6264125145 (37512)

आवश्यकता है-बम्पर भर्ती OMMI मल्टीनेशनल कम्पनी को 140 से अधिक लड़के, लड़कियां की आवश्यकता है आय 10500 से 18500 प्रतिमाह आवास, खाना फ्री परमानेन्ट जॉब पता- दीपसागर कालोनी बिलासपुर 8003402269, 9519393913 (37283)

आवश्यकता है- बिलासपुर, जांजगीर, रायगढ़ जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर गन मैन की आवश्यकता है। PF, ESIC, मेडिकल, आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 9111175190, 9098318675 (37521)

आवश्यकता है-कार्यालय सहायक (ऑफिस प्यून) चाहिए वेतन 7000 प्रतिमाह, कार्य समय सुबह 10:30 बजे से शाम 7:30 बजे तक, इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- P2 संजय अपार्टमेंट व्यापार विहार रोड बिलासपुर 9179991222 (37562)

आवश्यकता है-सुरक्षागार्ड 50 उंचाई 5'-5" योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री खाने की सुविधा दस्तावेज आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंक सूची बैंक पास बुक 8 पासपोर्ट फोटो सम्पर्क करें- शाप नं-8 प्रथम तल कमला सुपर बाजार तेलघानी चौक, रायपुर (छ.ग.) 07714036689, 9770304037, 8120957510 (046)

आवश्यकता है-सलवार सूट लहंगा ब्लाउज गाउन सिलाई करने वाले महिला एवं पुरुष की आवश्यकता है वेतन 25000 से 30000 सम्पर्क करें- परफेक्ट बुटिक मुंगेली नाका बिलासपुर 7389444785 (37554)

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरूम में लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। आधार कार्ड की फोटोकॉपी के साथ सम्पर्क करें- सुधा सेल्स सत्या शोरूम के बाजू में नूतन चौक सरकण्डा बिलासपुर 9630626856 (37540)

आवश्यकता है- अपना ढाबा दुर्ग से बालोद रोड ग्राम कुथरेल में 2 मिस्त्री चाहिए (अनुभवी मिस्त्री) वेतन योग्यतानुसार 15000 -24000, सप्लाई 2 हेल्पर 9000 -12000 संपर्क 90984-59847, 93035-79982 (733)

आवश्यकता है-रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8, 10 पास हाईट 5'-6" इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 सम्पर्क करें-8109070600 (7086)

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए ( 15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8922962153 (842)

आवश्यकता है-छड़, सीमेंट दुकान कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों वेतन 12000, ट्रैक्टर चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 10000 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 9300307926, 9993443207 (37256)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28वर्ष के अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है योग्यता 10वी, 12वी, स्नातक सैलरी 10000 रहना खाना फ्री ज्वाइनिंग के बाद कमाए 15000 से 20,000 स्थान म.प्र. उज्जैन सम्पर्क करें- 9630773028, 9691233111 (329)

आवश्यकता है-सिलतरा रायपुर हेतु, फिल्ड अधिकारी-4, सुपरवाइजर 16, सुरक्षा गार्ड-110, कंप्यूटर ऑपरेटर-2 योग्यता 10वीं स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5'-7" वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-Alert Sgs Private Limited 434 चतुर्थ तल प्रोग्रेसिव पॉइंट लालपुर रायपुर 7747000019, 7746000016, 7747000016 (074)

आवश्यकता है-CCTV कैमरा/DTH फिटिंग, ऑफिस में हेल्पर, सेल्स मार्केटिंग व कंप्यूटर वर्क हेतु लड़के/ लड़कियों और जनरल शॉप हेतु लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- निशानियां मार्केटिंग जूनीलाईन 9993455200, 07752415700 (071)

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, ग्रेजुएट, 18 से 30 वर्ष लड़को की शीघ्र आवश्यकता है जो बाहर रह कर कार्य कर सके वेतन 10000 +कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 7611101122, 7611101133 (0328)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है, समय सुबह 10 से 5.30 तक वेतन 6000 से 6500 सम्पर्क करें- अरुण आइसक्रीम के पास कुदुदंड बिलासपुर 9303002278 (072)

आवश्यकता है-ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18 से 32वर्ष 10वी, 12वी पास जो आगरा में रह कर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 6395268809, 7252820491 (319)

आवश्यकता है- उमा मार्ट में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों की एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर बीसी सॉफ्ट वेयर का जानकार चाहिए वेतन योग्यता अनुसार पता- 36 मॉल के पास, उसलापुर रोड मंगला बिलासपुर 9301517722 (077)

(भर्ती) JOB ALERT
पुस्तक दुकान में कार्य करने हेतु लड़के, लड़कियों एवं ड्राईवर की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता।
आकर्षक वेतनमान (फुल टाईम/हाफ टाईम)
संपर्क करें — एलोरा बुक डिपो
बिहारी सिनेमा के पास बिलासपुर (छ.ग.)
9301159535

## बेचना है

बेचना है-अज्ञेय नगर 30×50, अल्का एवेन्यू 45×85 शान्ती नगर 30×54, डबल स्टोरी मकान, अपोलो हास्पीटल 24×64 शुभम विहार 72×43, 24×43, 36×43 मरीमाई मेन रोड 132×82, परिजात कॉलोनी 76×76 सम्पर्क करें- 9425540759 (37245)

बेचना है-तखतपुर मेन रोड पर पुराना, बस स्टैण्ड पर स्थित 80×70 वर्गफीट में बना सर्वसुविधायुक्त मकान एवं टिकरीपारा तखतपुर में 82 डिसमिल जमीन अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 7999075751 (37573)

बेचना है-बिरकोना मुख्य मार्ग से लगा 40×25 वर्ग फीट आवासीय प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9009087092, 9301355763 (37550)

बेचना है-ड्रीम रेसीडेंसी अशोक नगर बिरकोना रोड में 36×45.3 =1630 वर्गफीट डबल रोड कार्नर प्लॉट फ्रंट का बेचना है (दलाल क्षमा करें) सम्पर्क करें- 9827110714, 7999481154 (37575)

बेचना है-जूना बिलासपुर डबल स्टोरी 214 वर्गफुट मेन रोड दुकान एवं प्रताप टाकीज चौक के पास 9×6 साईज दुकान 25 लाख में बेचना है। सम्पर्क करें- राजेश श्यामनानी 9827168452 (37580)

बेचना है-प्लाट बेचना है गोकुल धाम घुरू में 20×72= 1440 वर्गफुट प्लाट 25 फिट रोड पर उपलब्ध है बेचना है कृपया खरीदार सम्पर्क करें- 7869447999(37579)

बेचना है-प्लाट साइज 60×24= 1440 कंशट्रक्शन एरिया 3550 किराया 30000 माह (तीन फ्लोर) वॉलफोर्ट के समीप रिंग रोड-1, भाटागांव रायपुर नये बस स्टैण्ड के समीप मूल्य 90लाख सम्पर्क करें- 9575086006 (7313)

बेचना है- प्रथमेश विहार, घुरु, अमेरी में सुंदर सुव्यवस्थित स्वतंत्र 2BHK, हॉल किचन पूजा कक्ष पोर्च मकान बेचना है। शांत सुरक्षित रिहायशी क्षेत्र में स्थित सीधा मालिक से सम्पर्क करें- 9174086706 (37553)

बेचना है- प्राइम प्रॉपर्टीज खमतराई बिलासपुर में 1 एकड़ 64 डिसमिल शानदार जमीन एवं सेंदरी कोनी बिलासपुर में प्रधानमंत्री सड़क योजना कार्यालय खाद्य बीज निगम गोदाम के पास 7 एकड़ 32 डिसमिल आवासीय कॉलेज, कालोनी, रिसॉर्ट हेतु उपयुक्त बेचना है सम्पर्क करें- 9575788444, 9300878897 (078)

बेचना है-ब्रिलियंट स्कूल के पास बहतराई बिलासपुर में सीसी रोड, नाली, बिजली, डायवर्सन, कॉलोनी में प्लॉट एवं मकान उपलब्ध हैं रेल्वे स्टेशन अपोलो हॉस्पिटल SECL मुख्यालय से मात्र 5 मिनट की दूरी सम्पर्क करें- 8319251951, 7828225044 (054)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

## किराया

किराया- सीएमडी कॉलेज के सामने लिंक रोड पर मेन रोड की दुकान सांई प्लाजा कॉम्प्लेक्स में किराए से देना है सम्पर्क करें- 9827168592 (37572)

किराया-मंगला चौक में ग्राउंड फ्लोर में 15×60 की दो, फर्स्ट फ्लोर में दो दुकानें, 30×60 हॉल 15×60 का बेसमेंट पार्किंग हास्पीटल हेतु किराए से देना है सम्पर्क करें- 9981922140,9039214975 (37569)

किराया-राजेन्द्र नगर तिवारी चाल श्री अमर अग्रवाल जी के घर के पास 2BHK फ्लैट फर्स्ट फ्लोर में किराये से देना है बैंक, सरकारी कर्मचारियों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 9425532436 (37558)


## हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

## सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Symbol of Trust
at
Since 1957
AT PALACE
Kotwali Chowk
follow us on @atjewels.in
शुभ अक्षय तृतीया
JITNA SONA UTNA CHANDI
*VALID FOR 30-04-2025 ONLY
देवी लक्ष्मी के आशीर्वाद से आप और आपका परिवार, सभी बाधाओं से मुक्त हो, तथा धन, धान्य एवं सन्तान से सम्पन्न हो। आपके समृद्ध, सम्पनता और सफलता की मनोकामनाओ के साथ
AT परिवार की ओर से अक्षय तृतीया की उन्नत शुभकामनाएँ
25%* OFF ON MAKING CHARGES FOR DIAMOND & POLKI JEWELLERY
50%* OFF 5 TO 10 LAKHS
75%* OFF 10 TO 25 LAKHS
100%* OFF ON MAKING CHARGES FOR DIAMOND & POLKI JEWELLERY
शुद्ध हाथो से, शुद्धता के साथ 67 वर्षो से
स्वयं के कारखाने में निर्मित 100% शुद्ध आभूषण
ब्राइडल एवं अन्य आभूषणों में हर बार एक्सक्लूसिव कलेक्शन
*T&C Apply
खुशियों की शुरुआत सुबह 9:00 बजे से!
An ISO 9001:2015 Company
अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स प्रा.लि.
AT पैलेस, सिटी कोतवाली, रायपुर
Call : 94255 62811, 0771 4025343
Website www.atjewels.in
SCAN & ADD US ON SOCIAL MEDIA
VALET PARKING AVAILABLE
MAGNIFICENT FLAGSHIP STORE A.T. Palace
at BUILDCON PRIVATE LIMITED
रायपुर AT पैलेस सिटी कोतवाली चौक
रायपुर अनूप प्लाजा, सदर बाजार
रायपुर न्यू क्लॉथ मार्केट, गेट नं. 2, पंडरी
बिलासपुर लिंक रोड, सी.एम.डी. चौक
कोरबा पावर हाउस रोड
गोंदिया गाँधी प्रतिमा के पास
Eighty JEWELLERS EIGHTY JEWELLER

# विरासत

छत्तीसगढ़ के महापुरुषों की गौरवगाथा

छत्तीसगढ़ की पावन धरती स्वतंत्रता संग्राम के कई अमर सपूतों की गवाह रही है। इन्हीं में से एक नाम है बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव का। बाबू साहब एक ऐसे निर्भीक और दूरदर्शी स्वतंत्रता सेनानी थे। जिनके नेतृत्व में कंडेल नहर सत्याग्रह ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। छोटेलाल श्रीवास्तव ने कंडेल नहर सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया, जो अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह था, जिन्होंने किसानों पर बहुत अधिक कर लगाया था और कर वसूलने के लिए क्रूरता की थी। आंदोलन के जोर पकड़ने के साथ ही महात्मा गांधी ने 21 दिसंबर 1920 को कंडेल गांव का दौरा किया था। महात्मा गांधी ने कंडेल पहुंचकर सत्याग्रह को समर्थन दिया था। इस घटना के बाद अंग्रेजी हुकूमत को झुकना पड़ा था।

# कंडेल नहर सत्याग्रह के सूत्रधार बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव

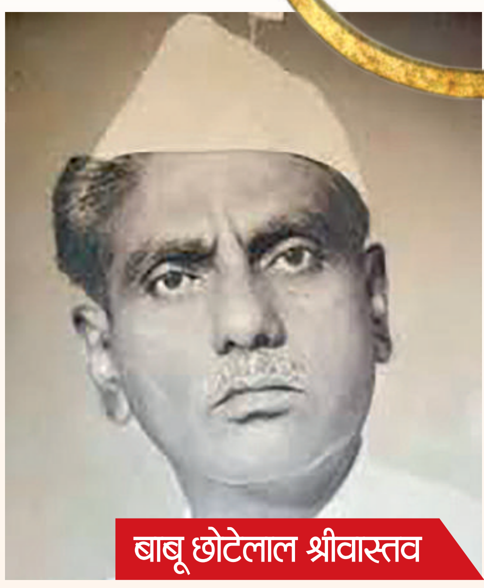
बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव

## कायस्थ परिवार में हुआ था बाबू साहब का जन्म

दुबली पतली काया सांवला रंग नेत्रों में गहरी शांति और ज्योति लिए निष्कपट किन्तु निर्मोक व्यक्तित्व के स्वामी का नाम छोटे लाल श्रीवास्तव था। छत्तीसगढ़ में स्वाधीनता का जो युध्द लड़ा गया उसकी अग्रिम पंक्ति योध्दाओं में से एक बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव थे। लोग उन्हे अत्याधिक आदर के कारण बाबू साहब के नाम से संबोधित करते थे। बाबू साहब का जन्म 1889 में धमतरी तहसील के कंडेल ग्राम के संपन्न कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता गुलाब बाबू कंडेल तथा भोथली ग्राम के मालगुजार थे। माता रेवती बाई धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। छोटेलाल बाबू के कारण उनके जन्म स्थान कंडेल ग्राम का नाम स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में अमर हो चुका है।

## छात्र जीवन में खेती बाड़ी संभालने की जिम्मेदारी

सन 1910 ई. में छोटेलाल बाबू धमतरी के मेनोनाइट मिशन स्कूल में शिक्षा ले रहे थे उसी वर्ष उनके पित्ता का निधन हो गया। छोटेलाल बाबू को छात्र जीवन त्याग कर गांव में खेती बाड़ी संभालने के लिए बाध्य होना पड़ा। धमतरी में भी उनका एक बड़ा घर था। छात्र जीवन की समाप्ति के बाद वे पं. सुंदर लाल शर्मा तथा पं नारायण राव मेघावाले के संपर्क में आए और उन्होने सार्वजनिक तथा राष्ट्रीय गतिविधियों में भाग लेना प्रारंभ किया। धमतरी वाले अपने घर में वे निर्धन तथा अनाथ बालकों को निःशुल्क शिक्षा देते थे। शिक्षा ही नहीं उनके भोजन, वस्त्र आदि के सुविधाएं भी अपने खर्च से जुटाते थे।

## अपने ही खर्च से सार्वजनिक पुस्तकालय की स्थापना की

सन 1915 में बाबू लाल साहब ने धमतरी नगर में अपने ही खर्च और परिश्रम से सार्वजनिक श्रीवास्तव पुस्तकालय की स्थापना की। यह पुस्तकालय आगे चलकर राष्ट्रीय गतिविधियों और देश भक्ति को प्रेरणा का केन्द्र बनाया गया। इस पुस्तकालय में अमृत बाजार पत्रिका, विश्व मित्र, प्रताप, चित्रमय जगत, अभ्युदय, सरस्वती आदि पत्रिकाऐं मंगायी जाती थी। राष्ट्रीयता के प्रचार में इन पत्र-पत्रिकाओं का महत्वपूर्ण योगदान था। चित्रमय जगत पूना से निकलता था और उसके सम्पादक पं. माधव राय सप्रे थे। सन् 1915 में ही उन्होने की अपने घर में सप्ताहिक गोष्ठी के आयोजन का आरंभ किया। प्रत्येक रविवार को इस गोष्ठी में साहित्यिक, राजनीतिक और सामाजिक तथा राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा होती थी।

### राष्ट्रीय विद्यालय और खादी उत्पादन केंद्र की स्थापना

महात्मा गांधी के आह्वान पर छात्रों ने सरकारी स्कूलों का त्याग कर दिया जुलाई सत्र 1921 में इस छात्रों की शिक्षा के लिये धमतरी में बाबू सहाब के प्रयासो से राष्ट्रीय विद्यालय की स्थापना की गई शाला का संचालन बाबू साहब के हाथों में रहा शाला का सारा खर्च भी वे खुद उठाते थें। स्वयं भी अध्यापन कार्य करते थे 1924 तक बाबू साहब ने अपने खर्च में विद्यालय का संचालन किया। खादी उत्पादन केन्द्र की स्थापना सन 1921 में ही स्वदेशी प्रचार अभियान के अंतर्गत बाबू ने अपनी ही घर में एक खादी उत्पादन केन्द्र की स्थापना की इस केन्द्र का भार सारा खर्च भी खुद उठाते थे।

## कंडेल नहर सत्याग्रह से मिली ख्याति

छोटेलाल बाबू को सार्वाधिक ख्याति कंडेल नहर सत्याग्रह के कारण मिली। सन 1920 में नहर विभाग के अधिकारी नहर पानी का अनुबंध करने के लिए दबाव डालना शुरू किया। जब ग्रामीणों ने अनुबंध को स्वीकार नहीं किया तब अधिकारी ने किसानों को अन्याय तरीको से सताना शुरू किया। 4 अगस्त सन 1920 में नहर अधिकारियों ने कंडेल ग्रामवासियों पर नहर से पानी चुराने का आरोप लगाया। यह आरोप सर्वथा निराधार था। यह अधिकारियों का षड्यंत्र था जो ग्रामीणों को अनुबंध स्वीकार ना करने के कारण फंसाने के लिए रचा गया था। ग्रामवासियों ने सफाई दी कि सावन के महिने में जब इस क्षेत्र में भारी वर्षा हुई है तो कृषक नहर काट कर पानी क्यों चुराएगें। खेत तो वर्षा के पानी से ही लबालब थे किन्तु ग्रामीणों के सफाई पर ध्यान ना देकर कण्डेल ग्रामवासियों पर सामुहिक रूप से 4050.00 की राशि का जुर्माना कर दिया गया। जुर्माना वसूल ना होने पर कृषको के मवेशियों को कुर्क करने की नोटिस दे दी गई। जब स्थिति यहां तक पहुंच गई तब छोटेलाल बाबू ने कृषको का नेतृत्व अपने हाथों में ग्रहण किया। बाबू साहब ने कृषकों को संगठित होकर शासन की इस अन्यायपूर्ण कार्यवाही का जमकर विरोध करने का आव्हान किया। बाबू साहब ने नहर अधिकारियों की चुनौती स्वीकार की, उन्होंने ग्रामीणों की सभाएं ली और संकल्प किया कि कोई ग्रामीण जुर्माने की राशि नहीं पटाएगा भले ही सरकार उनकी मवेशियों को कुर्क कर ले। बियासी के दिन थे और मवेशियों के कुर्क हो जाने से जो भी नुकसान होने वाला था उसे ग्रामीण बर्दाश्त करने को तैयार थे। नहर आधिकारियों ने अर्थदण्ड ना पटाने पर कंडेल ग्राम के कृषकों कि मवेशियां कुर्क कर ली और उन्हें नीलाम कर जुर्मान कि राशि वसूल करने की घोषणा कर दी गई। बाबू साहब ने तहसील व अन्य नेताओं से परामर्श किया। निर्णय लिया गया कि शासन के इस अविवेक पूर्ण निर्णय और अन्याय का विरोध किया जावेगा और गांव-गांव जाकर कुर्क शुदा मवेशियों को नीलामी में कोई बोली ना बोले इसके लिए जनमानस तैयार किया जाए।

धमतरी के कोष्टापारा के बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव चौक स्थित उनका पुराना निवास

### रूद्री जंगल सत्याग्रह

अगस्त 1930 में रूद्री के निकट नवागांव में जंगल सत्याग्रह आरंभ करने का निर्णय लिया गया। 1300 सत्याग्रहियों को प्रशिक्षण दिया गया सत्याग्रह समिति के पं. नारायण राव मेघावाले डिक्टेटर नियुक्त किए गए। 22 अगस्त से सत्याग्रह प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया किन्तु उसी दिन सुबह नारायण राव मेघावाले, नत्थूजी जगताप को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मेघा वाले ने जेल जाते जाते अपनी जगह पर बाबू साहब को डिक्टेटर नियुक्त किया। उसी दिन तहसील कचहरी के मैदान में एक आम सभा का आयोजन किया गया बाबू साहब ने गिरफ्तारी का विरोध किया और सत्याग्रह को शांति पूर्वक चलाने में जनता की सहयोग की अपील की गई। दूसरे दिन सत्याग्रहियों का जत्था रूद्री के लिए रवाना हुआ। उसी समय बाबू साहब को पुलिस ने 144 धारा नोटिस थमा दिया बाबू साहब पर भला ऐसी नोटिसों का क्या प्रभाव पड़ता वे सत्याग्रहियों के साथ आगे बढ़ गये बाबू साहब को गिरफ्तार कर रायपुर जेल भेज दिया एक वर्ष का सश्रम कारावास तथा 1000/- रू. की जुर्माना की सजा दी गई।

गांधी जी का धमतरी आगमन

### अन्य नेताओं के प्रयास से संस्कृत पाठशाला की स्थापना

सन 1925 में छोटे लाल बाबू तथा अन्य नेताओं के प्रयास से संस्कृत पाठशाला की स्थापना की गई इस शाला के संचालन के लिए ट्रस्ट की स्थापना की बाबू साहब उनके मंत्री नियुक्त किये गये सन 1925 को इस संस्था का भवन भी बन गया। सन 1935 में पं. सुन्दर लाल शर्मा मेधावाले नत्थूजी जगताप और छोटेलाल बाबू के सहयोग से धमतरी में एक अनाथलय की स्थापना की गई।

### औषधि बनाकर करते थे निःशुल्क जनसेवा

कंडेल नहर सत्याग्रह आंदोलन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक ऐतिहासिक मोड़ साबित हुआ। उनका जीवन सादगी, सेवा और स्वावलंबन का उदाहरण था। उनकी बहन खेती-बाड़ी संभालती थीं, जबकि बाबू साहब आयुर्वेदिक औषधियां स्वयं तैयार करते और लोगों का निःशुल्क इलाज करते थे।
-यतीश विजय कुमार श्रीवास्तव, प्रपौत्र

### सेवा और समर्पण की मिसाल थे बाबू साहब

वे हमेशा दूसरों के बारे में सोचते थे, और उनका हृदय दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा मानता था। वे निस्वार्थ भाव से लोगों की मदद करते थे, चाहे कोई बीमार हो, जरूरतमंद हो या असहाय बाबू साहब बिना किसी भेदभाव के सहायता के लिए आगे आ जाते थे।
-अमितेश श्रीवास्तव, प्रपौत्र

## 1937 में संभाली धमतरी पालिका की जिम्मेदारी

सन 1937 में छोटेलाल बाबू धमतरी नगर पालिका के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उन्होंने मात्र जनसेवा की भावना से उस पद को स्वीकार किया। बाबू साहब अच्छे चिकित्सक भी थे सूर्य किरण तथा प्राकृतिक विकित्सा पद्धति से उन्होंने अनेक रोगियों की निःशुल्क सेवा की। अगस्त 1942 में बाबू साहब फिर से गिरफ्तार कर रायपुर जेल भेज दिये गये, बाद में उन्हें नागपुर जेल में रखा गया। छोटेलाल बाबू त्याग बलिदान सेवा के प्रतीक थे। राष्ट्रीय विद्यालय और खादी केन्द्र के संचालन में उन्हें 20 हजार रुपए का कर्ज चुकाना पड़ा। अपने जीवन के अंतिम वर्षों में बाबू साहब राजनीति से विरक्त होकर अपने ग्राम कंडेल में रहने लगे थे 18 जुलाई को 86 वर्ष की आयु में बाबू साहब के स्वाधीनता संग्राम के तीर्थ स्थल कंडेल ग्राम में निधन हो गया धमतरी के नागरिकों को उसके निधन का समाचार मिला नगर में बाबू साहब का शव धमतरी लाया गया तथा सारा नगर शोक यात्रा में शामिल हुआ।

### गांधी जी का कंडेल आगमन

जब नहर अधिकारियों के कानों में महात्मा गांधी के कंडेल आगमन का समाचार मिला तो उनके कान खड़े हुए वे दौड़े-दौड़े कंडेल पहुंचे। बापू के आने के पहले ही रकम की वसूली रद्द कर दी। फिर वह स्वर्णिम दिन 21 दिसम्बर सन 1920 आया जब पूज्य बापू महात्मा गांधी धमतरी होते हुए इस पावन धरती कंडेल में कुछ समय के लिए आए। गांधी जी के साथ पं. सुंदर लाल शर्मा पंडित रविशंकर शुक्ल मौलाना शौकत अली मौजूद थे। हजारी लाल जैन इस गाड़ी को चला रहे थे। गांधी जी बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव के मकान के सामने चबूतरे में बने मंच पर पहुंचे वहां बापू ने धमतरी और कंडेल की सत्याग्रही जनता को संबोधित किया और अंत में बाबू साहब ने गांधी जी का आभार प्रदर्शन किया। बाबू साहब ने गांधी जी से कंडेल थोड़े समय के लिए चलने की प्रार्थना की जिसे पूज्य बापू गांधी जी ने स्वीकार कर लिए।

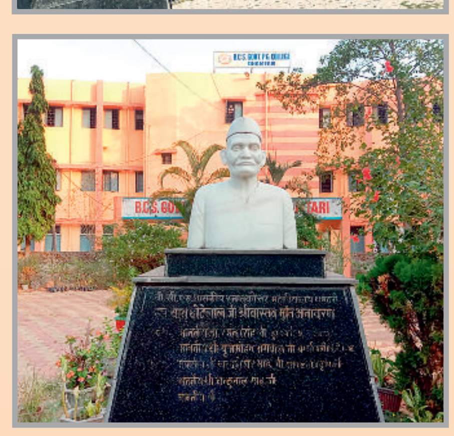

inh न्यूज
आज रात 8 से 9 बजे

### अंग्रेजों की अन्यायपूर्ण नीतियों का डटकर विरोध

बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव जी का योगदान अमिट है। उन्होंने अपने साहस और नेतृत्व से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई। खासतौर पर कंडेल नहर सत्याग्रह के माध्यम से बाबू छोटेलाल जी ने अंग्रेजों के अन्यायपूर्ण नीतियों का डटकर विरोध किया।
-डॉ. रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़

### अन्याय और शोषण के खिलाफ बिगुल फूंका

बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव ने अंग्रेजी शासन द्वारा किसानों पर थोपे गए अन्याय और शोषण के खिलाफ उन्होंने विरोध का बिगुल फूंका। इस आंदोलन ने न केवल किसानों के अधिकारों की रक्षा की, बल्कि देशव्यापी स्वतंत्रता संग्राम को भी प्रोत्साहित किया। उनके निरंतर प्रयास और संघर्ष के परिणामस्वरूप महात्मा गांधी का छत्तीसगढ़ आगमन संभव हुआ।
-अजय चंद्राकर, वरिष्ठ विधायक, पूर्व मंत्री

### अपने खर्च किए कई कल्याणकारी कार्य

बाबूजी ने अपने खर्च से कई लोक कल्याणकारी कार्य किए। लाइब्रेरी, स्कूल, कालेज, गौशाला, खादी उत्पादन केंद्र खोले। नहर सत्याग्रह, सिहावा-रूद्री जंगल सत्याग्रह, नागपुर झंडा सत्याग्रह में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।
-ओंकार साहू, विधायक धमतरी

### अंग्रेजों के खिलाफ नहर सत्याग्रह किया

बाबू जी ने नहर टैक्स माफ कराने अंग्रेजों के विरूद्ध नहर सत्याग्रह किया। इस आंदोलन में समूचे क्षेत्र की जनता ने भाग लिया और अंग्रेजों का असहयोग किया। एक साल तक चले इस आंदोलन के बाद अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा और कृषकों का टैक्स माफ करना पड़ा।
-इंदर चोपड़ा ,पूर्व विधायक महासमुंद

### किसानों के हक के लिए सरकार से भिड़ जाते थे

बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव धमतरी में स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के जन्मदाता हैं। अंग्रेजी सरकार के विरूद्ध बिगुल फूंकने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। पूरे अंचल की जनता उनकी एक आवाज पर इकट्ठे हो जाती थी। गरीब, मजदूर, कृषकों के हक के लिए सरकार से भिड़ जाते थे।
-रामू जगदीश रोहरा, महापौर धमतरी

### खादी केंद्र की स्थापना से दिया स्वदेशी को बढ़ावा

बाबू साहब ने छत्तीसगढ़ में न केवल कंडेल नहर सत्याग्रह के माध्यम से ब्रिटिश शासन का विरोध किया, बल्कि वे किसानों की आवाज बनकर सामने आए। उन्होंने स्वदेशी आंदोलन को भी बल दिया। उन्होंने खादी केंद्र की स्थापना कर ग्रामवासियों को आत्मनिर्भरता की राह दिखाई।
-विनोद कुमार पाठक, प्रिंसिपल

### ईमानदार, निर्भीक और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता

बाबू छोटे लाल श्रीवास्तव कंडेल गांव के मालगुजार थे और जनता के बीच एक ईमानदार, निर्भीक और दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता के रूप में पहचाने जाते थे। कंडेल नहर सत्याग्रह में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण थी।
-डॉ. हेमवती ठाकुर, सहायक प्राध्यापक इतिहास

### शिक्षा के क्षेत्र में भी निभाई ऐतिहासिक भूमिका

कंडेल नहर सत्याग्रह छत्तीसगढ़ के इतिहास में वह ज्वाला थी, जिसने देशव्यापी असहयोग आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की। बाबू साहब केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि समाज के जागरूक शिक्षक और विचारशील संगठनकर्ता भी थे।
-डॉ. चन्द्रशेखर चौबे, रिटायर्ड प्रिंसिपल

### संघर्षशील स्वतंत्रता सेनानी

बाबू साहब की उपस्थिति में लोगों का मन स्थिर और निश्चिंत हो जाता था। वे न केवल एक संघर्षशील स्वतंत्रता सेनानी थे, बल्कि एक सरल, सहज व्यक्तित्व के धनी भी थे।
मुर्हाराम कमलवंशी, स्थानीय

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com